जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 30 मार्च, 2025

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा
एवं
भारतीय नववर्ष की शुभकामनाएं

राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव

राज्य स्तरीय सांस्कृतिक संध्या

मुख्य अतिथि

श्री हरिभाऊ किसनराव बागडे

माननीय राज्यपाल

गरिमामयी उपस्थिति

श्री भजनलाल शर्मा

माननीय मुख्यमंत्री

सुश्री दिया कुमारी
माननीया उप मुख्यमंत्री

डॉ. प्रेम चंद बैरवा
माननीय उप मुख्यमंत्री

30 मार्च, 2025 | सायं 6:30 बजे | अल्बर्ट हॉल, जयपुर

पर्यटन विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

विचार बिन्दु

जो सच्चाई पर निर्भर है वह किसी से घृणा नहीं करता। –नेपोलियन

आयुर्वेद की ग्रीष्म ऋतुचर्या

ऋतुचर्या प्राकृतिक कारणों से उत्पन्न जोखिम को कम करने की रणनीति है। ग्रीष्म ऋतु आने वाली है, अतः स्वास्थ्य रक्षण के लिये हर ऋतु की तरह ग्रीष्म ऋतु में भी जीवन-शैली में कुछ बदलाव लाने आवश्यक होंगे। आइये सबसे पहले यह देखते हैं कि यह बदलाव क्यों आवश्यक है और आयुर्वेद में ऋतुचर्या किन सिद्धांतों को ध्यान में रखकर तय की गयी है। लगभग 5000 साल पहले तय की गयी ऋतुचर्या क्या आज भी उपयोगी है? संक्षेप में देखें तो पहली बात यह है आयुर्वेद का लोक-पुरुष-साम्य सिद्धांत यह स्पष्ट करता है कि पुरुषलोक के समान है (च.शा.5.3:पुरुषोऽयं लोकसम्मितः) इस सिद्धांत के प्रकाश में देखने पर लोक या पृथ्वी के वातावरण का सीधा-सीधा प्रभाव मानव के स्वास्थ्य पर पड़ता है क्योंकि लोक और पुरुष में समानता (च.शा.5.3:लोकपुरुषयोः सामान्यम्) होने से सामान्य-विशेष का सिद्धांत कार्य करता है। अर्थात सामान भावों को सामान भावों से मिलाने पर उस भाव की वृद्धि और असमान भावों को मिलाने पर ह्रास होता है। सत्य बुद्धि तभी प्रकट होती है या अकल तभी आती है जब स्वयं के अंदर प्रकृति को व प्रकृति के अंदर स्वयं को देखा जाये (च.शा.5.7): सर्वलोकमात्मन्यात्मानं च सर्वलोके सममनुपश्यतः सत्या बुद्धिः समुत्पद्यते। यहाँ पर लोक से तात्पर्य पूरी दुनिया के वातावरण से है जिसमेंछः धातुयें पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश तथा आत्मा शामिल हैं (च.शा.5.7):षड्धातुसमुदायो हि सामान्यतः सर्वलोकः। इस सूची में आत्मा का शामिल होना आश्चर्यजनक नहीं मानना चाहिये क्योंकि पौधे, प्राणी और सम्पूर्ण जीवन भी लोक में शामिल है।

इन आयुर्वेदिक सिद्धांतों को आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाये तो पर्यावरण और पारिस्थिक तंत्र के साथ मानव के रिश्तों की अनवरत सार-संभाल या अनुकूलन ही ऋतुचर्या है। इसे साधारण शब्दों में यों समझें कि यदि हवा, पानी, तापक्रम, मिट्टी, पेड़-पौधों में ऋतु के अनुसार परिवर्तन होते हैं तो हमें भी उसके अनुसार जीवन-शैली और खान-पान और पहनावे में परिवर्तन करना पड़ता है। यह परिवर्तन या अनुकूलन ही धातुसाम्य रखता है। यही अनागत रोगों का प्रतिकार या विकार-अनुत्पत्ति में सहायक है।

आज की चर्चा मई-मध्य से जुलाई-मध्य के ग्रीष्म काल पर है, जिसके मुख्य शास्त्रीय स्त्रोत चरकसंहिता (च.सू.6.27-32), सुश्रुतसंहिता (सु.उ.64.40-45) एवं अष्टांगहृदय (अ.हृ.सू.3.26-41)हैं। प्रकाशित समकालीन वैज्ञानिक शोध औरआयुर्वेदाचार्यों का अनुभवजन्य ज्ञान भी यहाँ समाहित है (च.सू.6.27-32): मयूखैर्जगतः स्नेहं ग्रीष्मे पेपीयते रविः। स्वादु शीतं द्रवं स्निग्धमन्नपानं तदा हितम्।। शीतं सशर्करं मन्थं जाङ्गलान्मृगपक्षिणः। घृतं पयः सशाल्यन्नं भजन् ग्रीष्मे न सीदति।। मद्यमल्पं न वा पेयमथवा सुबहूदकम्। लवणाम्लकटूष्णानि व्यायामं च विवर्जयेत् ।। दिवा शीतगृहे निद्रां निशि चन्द्रांशुशीतले। भजेच्चन्दनदिग्धाङ्गः प्रवाते हर्म्यमस्तके।। व्यजनैः पाणिसंस्पर्शैश्चन्दनोदकशीतलैः। सेव्यमानो भजेदास्यां मुक्तामणिविभूषितः।। काननानि च शीतानि जलानि कुसुमानि च। ग्रीष्मकाले निषेवेत मैथुनाद्विरतो नरः।।

ग्रीष्म ऋतु में सूर्य की किरणें अत्यन्त तीक्ष्ण होने से वातावरण के तापमान को बढ़ा देती हैं, जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरण और द्रव्यों से जल का अंश धीरे-धीरे कम होने लगता है। यही कारण है कि इस ऋतु में कफ का क्षय तथा वात की वृद्धि होती जाती है। बल में कमी तथा अग्नि सामान्य रहती है। यहाँ यह बताना उपयोगी होगा कि विश्व के 245 शहरों के आँकड़े बताते हैं कि हीटवेव या लू के कारण प्रतिवर्ष 12000 से अधिक लोग मृत्यु को प्राप्त होते हैं। अर्बन हीट आइलैंड इफ़ेक्ट के कारण प्रायः आसपास के क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों में तापमान 3.5 से 12 डिग्री सेंटीग्रेड तक अधिक होने लगता है। इसके कारण लगभग 3 मिलियन लोगों की मृत्यु प्रतिवर्ष होती है। भारत में मई 1998 की ऐतिहासिक हीट वेव जिसमें देश ने दो सप्ताह तक गंभीर गर्मी की लहर का अनुभव किया, वह तत्समय में पिछले 50 वर्षों में सबसे खतरनाक थी। जलवायु परिवर्तन की दशा में भारत सहित पूरी दुनिया में हीट वेव की आवृत्ति, तीव्रता और अवधि में बढ़ोत्तरी, और परिणामस्वरूप मृत्यु बढ़ने की आशंका है। भारत में वर्ष 2009-2010 का सूखा और गर्मी की लहर रूस की रिकार्ड-तोड़गर्मी के टक्कर की थी। भारत के 640 जिलों में से हीट वेव के सन्दर्भ में 10 बहुत अधिक और 97 बहुत जोखिम वाले जिलों की श्रेणी में आते हैं। सामान्य जोखिम तो देश भर में है। शोध से ज्ञात होता है कि किसी दिन तापमान में 10 डिग्री फैरेनहीट की बढ़त उसी दिन हृदय रोगों, स्ट्रोक, श्वसन रोग, निमोनिया, निर्जलीकरण, गर्मी से स्ट्रोक, मधुमेह और गुर्दे की विफलता सहित कई बीमारियों के लिये अस्पताल में भर्ती होने का खतरा बढ़ जाता है। गर्मी की बढ़त से वर्ष 2100 तक वैश्विक जी.डी.पी. के 20 प्रतिशत तक हानि की आशंका है।

> **खाद्य पदार्थों में ग्रीष्म ऋतु में मधुर रस प्रधान, स्वादिष्ट, शीतल और स्निग्ध अन्नपान हितकारी होता है। उदाहरण के लिये, शालि-चावल के भात में घी या दूध में मिलाकर खाना बहुत स्वादिष्ट लगता है। यह ध्यान देना आवश्यक है कि किसी भी ऋतु में प्रत्येक भोजन में सभी छः रसों का होना आवश्यक है। ग्रीष्म ऋतु में शीतल, स्निग्ध और मधुर रस प्रधान स्वादिष्ट भोज्य पदार्थों को प्रधानता देते हुये अन्य रसों को भी थोड़ी मात्रा में ग्रहण करना चाहिये।**

ग्रीष्म ऋतु में कठोर शारीरिक श्रम, व्यायाम व सहवास आदि की अति से बचना चाहिये। धूप में अधिक देर तक समय नहीं गुजारना चाहिये। लवण, कटु एवं अम्ल रसों की प्रधानता वाले द्रव्य, शुष्कताकारक व उष्णपदार्थों का उपयोग छोड़ देना श्रेयस्कर है। अल्कोहल का प्रयोग भी नहीं करना चाहिये, यदि करें तो बहुत कम मात्रा में, और उसमें भी बहुत पानी मिलाकर ही उपयोग करें। अन्यथा शोथ, शिथिलता, दुर्बलता, दाह व मोह जैसी समस्यायें उत्पन्न होती हैं।

पेय पदार्थों में रायता एवं खाण्ड (खट्टे, मीठे, नमकीन द्रव्यों का घोल) इक्षुशर्करा या खाण्ड मिला हुआ सुंगधित एवं शीतल पानक या पन्ना लाभकारी है। मंथ अर्थात घी-युक्त सत्तू का शीतल जल में बनाया गया हल्का गाढ़ा घोल जिसमें इक्षुशर्करा, खाण्ड या शहद भी मिलाई जा सकती है, लिया जा सकता है। ठंडा होने के लिये केला या महुआ के पत्तों से ढके हुये मिट्टी के नये बर्तन में अम्ल-रसयुक्त पन्ना या शर्बत भी कुछ समय रखकर पिया जा सकता है। मधु, द्राक्षा (दाख या मुनक्का), फालसा, आमलकी (आँवला) खण्ड (खांड) को शीतल जल में मथ कर पंचसार बनाया जाता है। इसे मिट्टी के सकोरे में पीने का आनंद लीजिये। स्वाद हालाँकि व्यक्तिगत मामला है, पर पंचसार में यदि एक चुटकी सैन्धव लवण डाल दें तो इससे स्वादिष्ट, तृप्तिकर, पौष्टिक और शीतल पेय दुनियाभर में उपलब्ध नहीं है। यह उच्चकोटि का एंटीऑक्सीडेंट होने के कारण ऑक्सीडेटिव-स्ट्रेस को कम करने वाला स्वादिष्ट रसायन भी है। पाढ़ल के पुष्पों से सुगंधित, पुदीना या कर्पूरयुक्त शीतल जल पिया जा सकता है। रात में भैंस के दूध में खाण्ड मिलाकर ठंडा कर पिया जा सकता है। बाजारू कृत्रिम शीतल पेय से छुटकारा पाना ही श्रेयस्कर है।

खाद्य पदार्थों में ग्रीष्म ऋतु में मधुर रस प्रधान, स्वादिष्ट, शीतल और स्निग्ध अन्नपान हितकारी होता है। उदाहरण के लिये, शालि-चावल के भात में घी या दूध में मिलाकर खाना बहुत स्वादिष्ट लगता है। यह ध्यान देना आवश्यक है कि किसी भी ऋतु में प्रत्येक भोजन में सभी छः रसों का होना आवश्यक है। ग्रीष्म ऋतु में शीतल, स्निग्ध और मधुर रस प्रधान स्वादिष्ट भोज्य पदार्थों को प्रधानता देते हुये अन्य रसों को भी थोड़ी मात्रा में ग्रहण करना चाहिये।

ग्रीष्म ऋतु में शरीर में चन्दन का लेप करना, सूक्ष्म व लघु वस्त्र पहनना व माला धारण करना लाभकारी रहता है। शीतल घरों में निवास, विशेषकर ऐसे कक्ष जिनमें जलधारा प्रवाहित हो रही हो, ऐसी शिल्प कलाकृतियों से सज्जित कक्ष जिनमें से मंद जलधारा प्रवाहित हो रही हो, में विश्राम करने का ग्रीष्मकालीन आनन्द अवर्णनीय है। रात्रि में सोने हेतु चन्द्रमा की शीतल किरणों से ठंडी हुई घर की छत पर सोने का आनन्द भी लिया जा सकता है। हालाँकि शहरों में औद्योगिक व यातायातीय वायु प्रदूषण की गंभीर समस्या है। प्रदूषित वायु में निलंबित श्वसनीय विविक्त कणों की मात्रा भारत की परिवेशी वायु गुणवत्ता को हानिकारक स्तर पर ले जा रही है। अतः खुले स्थान पर वहीं सोयें जहाँ प्रदूषण मानक स्तरों के अंदर हो। ऐसी आशंका है कि वायु प्रदूषण वर्ष 2050 तक लगभग 6.6 मिलियन समय पूर्व मृत्यु के लिये उत्तरदायी होगा। प्रदूषित वायु में पीएम-2.5 कणों के कारण विश्वभर में 33 लाख लोगों की मृत्यु होती है, इनमें से अधिकाँश एशिया महाद्वीप में हैं। भारत में विश्व की 24 प्रतिशत वार्षिक बाल मृत्य दर मुख्य रूप से श्वसन तंत्र में संकमण के कारण होती है। वर्ष 2010 में घरों के अन्दर वायु प्रदूषण के कारण 3.9 मिलियन लोगों की मृत्यु होने का आकलन किया गया है।वर्ष 2015 में प्रकाशित एक महत्वपूर्ण शोध में यह पाया गया है कि लगभग 66करोड़ भारतीय, जो भारत की आधी जनसंख्या है, उन क्षेत्रों में निवास करती है जहाँ निलंबित विविक्त कणों के कारण प्रदूषण का स्तर राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों से अधिक है। वायु प्रदूषण के कारण कार्डियोपल्मोनरी रोग, फेफड़ों के कैंसर आदि अनेक रोग होते हैं। अतः हमें अपनी दिनचर्या को इस प्रकार ढालना चाहिये कि प्रदूषणकारी तत्वों के संपर्क में कम से कम आयें।

ग्रीष्म ऋतु में हालाँकि कठोर शारीरिक श्रम व व्यायाम वर्जित हैं, परंतु तालाबों, नदियों और वापी या बावड़ियों के समीप रह कर शीतलता का लाभ लिया जा सकता है। दोपहर की तेज धूप में सघन वितान वाले विशालकाय शाल, तमाल, ताल आदि प्रजातियों के वृक्षों की छाया में, जहां सूर्य की किरणें न पहुंच पायें, रहा जा सकता है। प्रातः उपवन में घूमते हुये फूलों एवं जलाशयों का आनन्द लिया जा सकता है। मनोहारी उपवन में पक्षियों के कलरव के मध्य मीठी व तोतली बोली बोलने वाले बाल-बच्चे धमा-चौकड़ी कर रहे हों तो आनंद ही आनंद है। परिवार के प्रिय सदस्यों और अन्तरंग मित्रों का साथ सुखद रहता है। चन्दन के पानी से शीतल किये हुये कमल या ताड़ के पत्तों से बने पंखों की मंद शीतल हवा और उनसे गिरते हुये जल के कणों का आनंद अवश्य लेना चाहिये। गर्मी आने वाली है। इन सब बातों का ध्यान रखकर ग्रीष्म ऋतु में स्वयं को दोष संचय से बचाते हुये को स्वस्थ व सुखी रखा जा सकता है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

डॉ. केशव राव हेडगेवार सच्चे देशभक्त थे

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्थापना की शताब्दी पर विशेष....

शंकर अग्रवाल

"न्यायालय में सरकारी वकील से पूछा था, वास्तव में ऐसा कोई कानून है क्या कि जिसके बल पर एक देश के लोग दूसरे देश में जाकर उन पर बलपूर्वक शासन करें? यह बात प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्त के विरूद्ध नहीं है तो और क्या है? अंग्रेजों को यह अधिकार किसने दिया कि भारत के लोगों को पैरों तले रौंद कर उन पर जोर जबरदस्ती शासन करें? जिस प्रकार इंग्लैंड के लोग इग्लैंड पर, फ्रांस के लोग फ्रांस पर शासन करते हैं वैसे ही हम भारत के लोगों पर भारत का शासन चाहते हैं अन्य बाहरी लोग उसके अधिकारी नहीं है।

हमें पूर्ण स्वतन्त्रता चाहिए और वह हम लेकर रहेगें एवं वह हमें मिलेगी, इसमें संदेह नहीं है।" इन जलते हुए अंगारों के पड़ते ही मजिस्ट्रेट साहब बोल उठे "This statement is more sedicious than his speech" अर्थात् इनके मूल भाषण की अपेक्षा न्यायालय में दिया वक्तव्य अधिक कड़वा व राजद्रोह पूर्ण है। केशव को दोषी करार देकर राजद्रोह के अपराध में एक वर्ष की कठोर सजा दी गई। यह वक्तव्य दिया 1921 में एक अदालत में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलीराम हेडगेनार ने दिया। इससे स्पष्ट होता है कि उनके मन में देश की आजादी व अंग्रेजों के विरूद्ध कितनी कठोर ज्वाला उनके हृदय में धधक रही थी। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलीराम हेडगेनार का जन्म 01 अप्रेल 1889 में हुआ व देहान्त 21 जून 1940 में हुआ, लेकिन 51 वर्ष की अल्पआयु में इतने बडे संगठन की कल्पना व उसे साकार करना एक बडी चुनौती थी। उनके जीवन में बाल्यकाल से ही देशभक्ति कूट-कूट कर कुदाले मार रही थी। 22 जून 1897 में इंग्लैंड की महारानी विक्टोरिया का 60वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय में बच्चों को मिठाई बांटी गई। बच्चों ने मिठाई बडे चाव से खाई लेकिन बालक केशव ने मिठाई कूड़ेदान में डाल दी। उसका कहना था कि न हमारी महारानी है न हमें खुशी, किस बात का जश्न।

बाल्यावस्था में नागपुर के सीताबडी किले पर यूनियन जैक लहराता देख बालक केशव का मन बार-बार कसोट रहा था। बालक केशव ने अपने बाल साथियों के साथ उसे उतारकर भगवा ध्वज फहराने की योजना अनुसार 7-8 साथियों को लेकर अध्ययन हेतु अध्यापक के घर जाते, उसी के एक कमरें से सुरंग खोदकर किले तक पहुंच भगवा लहराने की योजना बनाई, एक दिन सुरंग को देख अध्यापक महोदय ने उन्हें समझा-बुझाकर शांत कर दिया। अध्यापक महोदय ने उस समय कहा था कि यह बालक केशव एक दिन किसी हिन्दू संगठन को जन्म देगा और ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला देने वाला कार्य करेगा।

सोलह वर्ष की आयु में केशव नागपुर के पिंकसिटी हाई स्कूल में दसवीं कक्षा में अध्ययन कर रहे थे। इसी स्कूल में वन्दे मातरम उद्घोष पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया। केशव ने इसका विरोध करने की योजना बनाई, सारी योजना गुप्त रखी गई। जैसे ही शिक्षा निरीक्षक और स्कूल के अध्यापक निरीक्षण के लिए कक्षा में आये, सभी बालकों ने वन्दे मातरम का जोरदार उद्घोष किया एवं यही उद्घोष अन्य कक्षाओं में भी गूंजा।

अंत में जांच करने पर कुछ पता नहीं लगा कि इस उद्घोष के पीछे कौन है लेकिन केशव ने स्वयं अपना नाम आगे किया व स्कूल से निकाले जाने की सजा मिली। केशव को माफी के लिये मजबूर भी किया कि वे क्षमा मांग ले, पर उसने कहा वन्दे मातरम बोलना मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है व इससे पीछे नहीं हटूंगा।

स्कूल से निष्कासन के बाद भी बालक केशव ने अपनी क्रांतिकारी गतिविधियों को विराम नहीं दिया व निरन्तर इसी उधेड़बुन में रहे कि मेरा देश कैसे आजाद हो व अंग्रेजों का आधिपत्य कैसे समाप्त हो। उस राष्ट्रभक्त नेताओं में लोकमान्य तिलक, महर्षि अरविन्द और डॉ. मुंजे 3/5 दूसरे विद्यालय में प्रवेश के बाद स्कूली शिक्षा पूर्ण कर केशव डॉक्टरी की पढ़ाई हेतु कलकत्ता चले गए। कलकत्ता जाने का मुख्य उद्देश्य क्रांतिकारी संगठनों से जुड़ना था। उनकी नेतृत्व क्षमता का आभास इसी से होता है कि उनके निवास पर सुभाष चन्द बोस जैसे बड़े नेता भी उनसे मिलने व विचार-विमर्श हेतु आते थे।

सन् 1915 में डॉक्टरी की डिग्री लेकर केशव राव नागपुर आ गये। वह चाहते तो अच्छी डॉक्टर की प्रेक्टिस कर सकते थे व धन कमा सकते थे लेकिन उनके मन में तो आजादी की ज्वाला धधक रही थी, अतः उन्होंने परिवार के अनेक दबाव के बाद भी शादी नहीं करना व डॉक्टर बनकर पैसा कमाना दोनों रास्ते सदा के लिये बन्द कर दिये व आजादी के आंदोलन में कूद पड़े।

इस आंदोलन में डॉ. साहब एक बार नहीं अनेक बार जेल गये, लेकिन अंग्रेजों की गुलामी स्वीकार नहीं कर हमेशा उसका प्रतिकार किया। एक बार जब डॉ. साहब जेल से छूटे तो उनके सम्मान समारोह में पं. मोतीलाल नेहरू व लोकमान्य तिलक स्वयं स्वागत हेतु मंच पर आसीन हुये।

उपरोक्त घटनाओं जिनका वर्णन किया गया, यह देशभक्ति का मात्र नमूना है। डॉक्टर साहब जीवन पर्यन्त देश सेवा में लगे रहे। कांग्रेस में कार्य करते हुये आजादी के आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाई। सन् 1920 में नागपुर कांग्रेस अधिवेशन में आप ही ने पूर्ण स्वराज्य का प्रस्ताव लाने का आग्रह किया व पूरे जोर से पूर्ण स्वराज की मांग की, लेकिन यह प्रस्ताव पारित नहीं हो सका, जिसे दस वर्ष बाद कांग्रेस ने लाहौर अधिवेशन में 19 दिसम्बर 1929 को पारित किया व 26 जनवरी 1930 को इसकी सार्वजनिक घोषणा की गई। उपरोक्त प्रस्ताव काफी विलम्ब से पारित हुआ।

इसके पश्चात् डॉ. साहब के मन में ख्याल आया कि आजादी तो हमें देर-सवेर मिल जायेगी। इस आजादी को कायम रखना कठिन होगा व आजादी मिलने के बाद भी हम वापिस गुलाम नहीं होंगे, इसकी क्या गारंटी है। उनका विचार था इस कार्य हेतु हमारे समाज खासतौर से हिन्दू समाज को संगठित व जागरूक करना होगा, तभी हमारी आजादी कायम रह सकेगी। आजादी का सही अर्थ भी हमारे समाज को मजबूत व संगठित करना होगा।

इसी भाव को लेकर डॉक्टर साहब ने 1925 को विजयादशमी के दिन चार बाल स्वयं सेवको को लेकर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना की। आज वही संगठन अपने सौ वर्ष पूर्ण करने जा रहा है एवं आज विपक्षी दल अनेक बार आवाज उठाते हैं की संघ का आजादी के आंदोलन में कोई सहयोग नहीं रहा जबकि संघ संस्थापक स्वयं कांग्रेस में काम करते थे व अनेकों बार देश की आजादी के लिए जेल गये।

आज वीर सावरकर जैसे देशभक्त को माफीवीर व भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू को आतंकवादी कहा जाता है। जबकि उपरोक्त सभी देशभक्त थे व आजादी के लिए अपने तरीके से अलग-अलग लडाई लड़ रहे थे। नेताजी सुभाष चन्द बोस भी कांग्रेस से अलग होकर देश की आजादी के लिए आजाद हिन्द फौज की स्थापना की व अंग्रेजी सरकार को कमजोर करने में लगे थे, ताकि अंग्रेज फौज कम होगी तो भारत पर उनकी पकड़ कमजोर होगी। अतः मत भिन्नता का अर्थ आज विपक्षी दल स्वतंत्रता सेनानियों को देशद्रोही, आतंकवादी, अलगाववादी कहे, यह उपयुक्त नहीं।

डॉ. साहब ने भले ही संघ स्थापना के पन्द्रह वर्ष बाद ही दुनिया को विदा कहकर चले गये। आज उनके लगाये पौधे से अनेक शाखाऐं व पेड़ खड़े हो गये। आज संघ के पास देशभर में अस्सी हजार शाखाएँ, एक लाख साठ हजार सेवाकार्य, करोड़ों कार्यकर्ताओं का बल है। गांधी हत्या के बाद 1948, इन्दिरा जी द्वारा आपातकाल के नाम पर 1975 से 1977 तक संघ पर प्रतिबंध व लाखों कार्यकर्ताओं को जेल में डालने के बाद भी संघ अपने पथ से विचलित नहीं हुआ। 1992 में भी बावरी ढांचा टूटने पर ऐसा ही प्रतिबंध लगा था।

तीन बार प्रतिबंध में एक भी बार संघ अथवा संघ के किसी कार्यकर्ता को दोषी नहीं पाया गया। आज विद्यार्थी परिषद्, बनवासी कल्याण परिषद्, विश्व हिन्दू परिषद, भारतीय मजदूर संघ, भारतीय किसान संघ, शिक्षा भारती प्रज्ञा प्रवाह आदि अनेक संगठन समाज सेवा में सक्रिय हैं एवं अपने-अपने राज्य में विश्व स्तर पर एक स्थान रखते हैं। आज देश का नेतृत्व इसी संघ से मिले कार्यकर्ताओं के हाथ में है। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व अनेक प्रान्तों के मुख्यमंत्री इसी धारा से शिक्षण पाकर देश सेवा में जुटे है। धन्य है ऐसे देशभक्त व युगपुरूष केशव को।

–सी.ए. शंकर अग्रवाल

राजस्थान रो विश्वास, विकास रे साथ

डॉ. निमिषा गौड़

रंग रंगीले राजस्थान की माटी में साहस-शौर्य की सुगंध बसी है, जहाँ शूरवीरों और वीरांगनाओं की गाथाएँ अनगित कहानिया बुनती है। भौगोलिक विशालता से समृद्ध इस भूमि में मेवाड़ के राणा सांगा और महाराणा प्रताप का अदम्य शौर्य गूंजता है। हाड़ौती की कला और किले इतिहास की भव्यता को दर्शाते हैं। मारवाड़ की संस्कृति और मरू भूमि अपनी अनूठी पहचान बनाये हुए है। शेखावाटी की हवेलियां स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। ढूंढाड़ की रणभेरी आज भी गूंजती प्रतीत होती है। मेवात क्षेत्र का वेभवशाली इतिहास गौरवशाली परम्पराओं को संजोये हुए है। गोडवाड़ के व्यापारिक मार्गों ने इसे एक महत्वपूर्ण आर्थिक केन्द्र बनाया है। भगवान श्री कृष्ण की धरती बृज क्षेत्र के अध्यात्म की गाथाएं दुनियाभर के आकर्षण का केन्द्र रही हैं। यह बहुसांस्कृतिक राज्य अपनी आंतरिक विविधताओं में अद्वितीय है, जहां भेष-भाषा और भोजन हर कुछ किलोमीटर पर बदल जाता है। ऐसे राजस्थान की सांस्कृतिक सभ्यता की पहचान किसी परिचय की मोहताज नहीं है।

'पधारो म्हारे देस' का वाक्यांश राजस्थान की अतिथि सत्कार परंपरा को संजोता है। ऐसे आत्मीय राजस्थानवासीयों के लिये विकसित राज्य की प्रतिबद्धता सुशासन से ही सिद्ध होगी, और यही विश्वास, विकास का पथ बनेगा। इसके लिए आधारभूत सुविधाओं के साथ साथ ढांचागत विकास आवश्यक है। एकीकरण के 76 वर्ष बाद भी पेयजल, बिजली, सड़क, स्वास्थ्य, भोजन जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से लेकर कृषि, उद्यम, शिक्षा एवं ऊर्जा, डेयरी क्षेत्रों में 5-6 दशकों से प्रयास हो रहे थे, फिर भी अपेक्षित परिणाम अब तक दूर प्रतीत होते थे।

पिछले एक वर्ष के आंकलन से स्पष्ट होता है कि राजस्थान सरकार के ऐतिहासिक और साहसिक निर्णयों ने राज्य को विकास के नये पायदान पर पहुंचा दिया है। थार मरूस्थल की धरा पर नदियों का प्रवाह कभी स्वप्न जैसा प्रतीत होता था, और पूर्ववर्ती सरकारें नदी जल समझौते पर आरोप-प्रत्यारोप में उलझी रही। किन्तु अब मुख्यमंत्री ने रामजल सेतु लिंक परियोजना पर सर्वसम्मति से 17 दिसम्बर, 2024 को भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में एम.ओ.यू. किया। यह परियोजना राजस्थान के 17 जिलों में 3.25 करोड़ लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के साथ-साथ 2.5 लाख हैक्टेयर कृषि भूमि की सिंचाई के लिए अतिरिक्त जल सुनिश्चित करेगी, जिससे राज्य में जलसंकट का स्थायी समाधान मिलेगा। इसी कारण कहा जाने लगा है कि अब मरूधरा सुजलाम् सुफ्लाम् बनेगी।

कृषि क्षेत्र में नवाचार के तहत पंच-गौरव योजना लागू की गई है जो सम्पूर्ण कृषि विकास की आधारशिला बनी है। प्रत्येक जिले के लिए एक विशिष्ठ फसल, वनस्पति प्रजाति, उत्पाद, पर्यटन स्थल और खेल पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। संतुलित विकास को गति देने के लिए कृषि, पर्यटन और जल संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है। राजस्थान के 72 लाख किसान बैंक खातों में 1400 करोड़ से अधिक की राशि का हस्तांरित की जा चुकी है। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का लाभ देने से लेकर फसल ऋण का त्वरित वितरण सुनिश्चित किया गया है जिससे किसानों को प्रत्यक्ष राहत मिली है।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के उद्घाटन से पूर्व राजस्थान का प्राकृतिक दृश्य अद्भुत् था, मानो प्रकृति ने राज्य को भरपूर आशीर्वाद दिया है। छः दशकों बाद हुई प्रचुर वर्षा ने न केवल बांधो और तालाबों को लबालब भर दिया, बल्कि कस्बों और गांवों की छवी भी बदल दी। सूखे से जूझते राजस्थान के हर गांव और ढाणी में जलाशयों के भरने से नई ऊर्जा का संचार हुआ, जैसे निवेशकों को आकर्षित करने की नींव प्रकृति ने रख दी हो। राज्य सरकार ने भी राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2024 के तहत स्टैंडर्ड सर्विसेज पैकेज में निवेश की सीमा 25 करोड़ एवं पर्यटन क्षेत्र में 10 करोड़ रूपये तय कर निवेशकों को अतिरिक्त प्रोत्साहन दिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने समिट से पूर्व दस संकल्प लिये, जिनमें सौर ऊर्जा का विस्तार, हस्तशिल्प एवं कला संस्कृति का संवर्द्धन, मिलेट फूड्स को बढ़ावा, विद्यार्थियों के वैश्विक अनुभव को प्रोत्साहन, न्यूनतम प्लास्टिक उपयोग, दिव्यांगों के लिए सम्मानजनक अवसर, विशिष्ट उत्पादों की पहचान, अपशिष्ट का पृथक्करण और नये रोजगार सृजन शामिल थे। इन प्रयासों का प्रभाव इतना व्यापक रहा कि राजस्थान में 35 लाख करोड़ रूपये से अधिक के एम.ओ.यू. सम्पन्न हुए। समिट में 32 देशों की सहभागिता ने राजस्थान की वैश्विक पहचान को और अधिक सुदृढ़ किया, जिससे राज्य निवेश और व्यापार के नये अवसरों की दिशा में तेजी से अग्रसर हुआ।

युवाओं के प्रदेश में पूर्ववर्ती सरकारों के नाकामी के कारण बेरोजगारी इतनी बढ़ गई थी कि आत्महत्या के मामलों में राजस्थान शीर्ष पर पहुंच गया था। इस निराशाजनक माहौल में युवाओं में आशा की किरण जगाने और उनकी ऊर्जा को सही दिशा देने की जरूरत थी। त्वरित कार्यवाही करते हुए सरकार ने एसआईटी का गठन कर पेपर लीक माफिया को जैल भेजा। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के इस संकल्प कि "आप मेहनत करो, अब एक भी पेपर लीक नहीं होगा" को युवाओं ने आत्मसात कर लिया था। परिणामस्वरूप 1 जनवरी, 2024 से अब तक 146 परीक्षाएं बिना पेपर लीक के सम्पन्न कराई गई।

राजस्थान बजट 2025 में सवा लाख भर्तियों की घोषणा के साथ-साथ राजस्थान रोजगार नीति को 19वीं विधानसभा के सत्र में प्रस्तुत किया गया। अब युवाओं को सार्वजनिक नियुक्ति पत्रों के माध्यम से रोजगार के अवसर दिये जा रहे हैं। कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए खनन, उद्यम, पर्यटन और आर्थिक नीतियों को सतत विकास के अनुरूप बनाया जा रहा है। महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में नारी को नारायणी मानकर राज्य सरकार ने संबल समृद्धि और सुरक्षा के लिए कई साहसिक निर्णय लिये। लखपति दीदी योजना के तहत 20 लाख से अधिक महिलाओं को जोड़ा गया जबकि लाडो प्रोत्साहन योजना में एक लाख बालिकाओं को 25 करोड़ का भुगतान कर आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित किया गया। उपमुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी ने सीमित संसाधनों के बावजूद प्रशासनिक कुशलता का परिचय देते हुए बीपीएल महिलाओं को 450 रूपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया और उधर 3500 करोड़ का "मां कोष" स्थापित किया। मातृत्व पोषण योजना के तहत 3.80 लाख लाभार्थियों को 140 करोड़ की राशि हस्तांतरित की गई। इसी क्रम में तृतीय श्रेणी की अध्यापिकाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण लागू कर बाल शिक्षा को मातृत्व संरक्षण से जोड़ने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

इस क्रमबद्ध विकास ने राजस्थान के नव निर्माण की मजबूत नींव रखी है। 'आपणों अग्रणी राजस्थान' के संकल्प में महिला, युवा, किसान और मजदूरों के विकास को प्राथमिकता दी गई है। मजदूरों के कल्याण हेतु गरीबी मुक्त गांव योजना को ई-वर्क पोर्टल से जोड़ा गया, जिससे ई-गवर्नेंस को बढ़ावा मिल रहा है।

हाल ही में राजस्थान दिवस के अवसर पर 92 हजार से अधिक श्रमिकों को 100 करोड़ की प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता दी गई और मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों से संवाद किया। पी.एम. सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 150 यूनिट निशुल्क बिजली देकर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों को राहत प्रदान की जा रही है। किसानों को जल, बिजली, बीज और बाजार तक समृद्ध करने का संकल्प लेकर राज्य सरकार खुशहाल किसान के स्वप्न को साकार कर रही है। ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को सहजते हुए राजस्थान आत्मनिर्भर और विकसित राज्य बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अब आवश्यकता है, जनजागृति के साथ राजस्थान के विकास के जयघोष की।

–डॉ. निमिषा गौड़,
सहायक आचार्य
कनोड़िया पी. जी. महिला महाविद्यालय, जयपुर।

राशिफल रविवार 30 मार्च, 2025

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, रेवती नक्षत्र सायं 4:35 तक, ऐन्द्रयन योग सायं 5:54 तक, बव करण दिन 12:50 तक, चन्द्रमा आज सायं 4:50 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सायं 4:31 से सूर्योदय तक है। आज चंद्र दर्शन, दक्षिण श्रृंगोन्नति, चान्द संवत्सर प्रारम्भ होगा। आज से बसन्त नवरात्रा शुरू होंगे। आज सिंजारा (गणगौर), कल्पादि, चैत्र शुक्लादि, गुड़ी पड़वा, श्री गौतम जयन्ती, श्री झूलेलाल जयन्ती, चेटीचण्ड संवत्सर कल श्रवण है। पंचक सायं 4:35 तक रहेंगे। आज घट स्थापना मुहूर्त प्रातः 6:24 से 7:07 तक सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त है। अभिजित 12:07 से 12:56 तक है। चौघडिये के अनुसार प्रातः 7:56 से 12:31 तक कर सकते हैं।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:56 से 9:28 तक, लाभ-अमृत 9:28 से 12:31 तक, शुभ 2:03 से 3:35 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:24, सूर्यास्त 6:39

मेष

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

वृष

आर्थिक/वित्तीय मामलों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आवश्यक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बनी रहेगी।

मिथुन

आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कर्क

धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आज यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कन्या

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा।

वृश्चिक

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

धनु

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

मकर

परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित परामर्श मिलेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 236 प्रभात जयपुर, रविवार 30 मार्च, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Ghee Me Milawat??

August 19 was also the date on which the Marwari Association, which had earlier faced internal dissensions, came together with a hastily convened *panchayat* of 100 people to decide how to punish the guilty of adulterating ghee

Embrace the Nine Colours with Traditional Elegance

ग्रीनलैण्ड व कैनडा ने अमेरिका को झिड़की पिलाई

अमेरिका के उपराष्ट्रपति, जो ग्रीनलैण्ड की यात्रा पर थे, उनकी ग्रीनलैण्ड के निवासियों ने एक तरह से पूरी अवहेलना की और बहुत ही ठण्डा स्वागत किया

-अंजन रॉय-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 मार्च। ग्रीनलैण्ड और डेनमार्क ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस और उनकी पत्नी को द्वीप पर दौरे के दौरान कड़ी झिड़की दी है, वहीं ट्रम्प, ने ओवल ऑफिस में आनन-फानन में बुलाई एक प्रैस कॉन्फ्रैंस में ग्रीनलैण्ड पर कब्जा करने के अपने दावे को दोहराया।

अब ट्रम्प कह रहे हैं कि वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड को अमेरिका के अधीन होना पड़ेगा। इस क्षेत्र में रूसी और चीनी नौसेना के जहाजों का भारी जमावड़ा है और यह स्थिति अमेरिका के लिए भारी पड़ सकती है।

डेनमार्क और ग्रीनलैण्ड की प्रतिक्रियाओं के साथ-साथ कैनडा ने भी, कैनडा पर नियंत्रण के अमेरिका के प्रयासों तथा टैरिफ को खुली चुनौती दी है, जिससे अमेरिकियों को झटका लगा है। डॉनल्ड ट्रम्प ने अब कैनडा पर अपने दावों को त्याग दिया लगता है और नए प्रधानमंत्री को "गवर्नर कार्नी" कहने के बजाय, उनके आधिकारिक उपनाम से संबोधित किया।

दूसरी तरफ, इस आर्कटिक द्वीप को अपने राष्ट्र का हिस्सा बनाने के अमेरिका के रवैये के कारण ग्रीनलैण्ड के लोगों ने

- **यहाँ तक की ग्रीनलैण्ड के निवासियों ने सशस्त्र सामना करने की कृतसंकल्पता दिखाई, अगर, अमेरिका ने ताकत के जोर पर, ग्रीनलैण्ड पर आधिपत्य स्थापित करने का प्रयास किया। अमेरिकी आधिपत्य की संभावना इसलिए भी ढीली पड़ी, क्योंकि ग्रीनलैण्ड के चारों तरफ समुद्र में, रूस व चीन दोनों देशों ने सैनिक जहाज व पनडुब्बियाँ मंडराने के लिए भेज दी थीं।**
- **कैनडा ने भी अमेरिका को खुली चुनौती दी, अमेरिका ने कैनडा से भेजे गये सामान पर, ड्यूटी में भारी बढ़ोतरी की धमकी दी। चुनौती का असर हुआ और राष्ट्रपति ट्रम्प ने कैनडा के प्र.मंत्री को गवर्नर कहने के स्थान पर, सम्मान सूचक तरीके से संबोधन करना शुरु किया।**
- **अमेरिकी उपराष्ट्रपति, ग्रीनलैण्ड में भारी उत्साहपूर्ण स्वागत की आशा लिये आये तथा सांस्कृतिक संबंध जताने के लिए उन्होंने, ग्रीनलैण्ड के स्लैड डॉग शो में जाने का प्रोग्राम बनाया था, पर, उन्हें ग्रीनलैण्ड केवल एक प्रोग्राम में हिस्सा लेने तक सीमित रखा गया और उपराष्ट्रपति दम्पत्ति केवल एक ही प्रोग्राम में शरीक हो सके, जो अमेरिका के स्पेस स्टेशन पर आयोजित किया गया था।**
- **अमेरिका को सबक मिल रहा है कि राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा अन्य देशों की सार्वभौमिकता के बारे में की गई हल्की टिप्पणियों को स्थानीय जनता ने ज्यादा पसंद नहीं किया है।**

यात्रा पर आए अमेरिकियों का भारी तिरस्कार किया।

अमेरिका को उम्मीद थी कि ग्रीनलैण्ड यात्रा के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति का उत्साहपूर्ण स्वागत होगा। उपराष्ट्रपति व उनकी पत्नी, स्थानीय इनुइट लोगों के वार्षिक स्लैड डॉग शो में सम्मिलित होकर द्वीपवासियों के साथ सांस्कृतिक संपर्क बढ़ाने वाले थे।

लेकिन इसके बजाय, इस "हाई पावर" दम्पति को बहुत ही ठंडी प्रतिक्रिया मिली और अंततः वो सांस्कृतिक कार्यक्रम और शो में भाग नहीं ले पाए। उनकी यात्रा, द्वीप के अलग-थलग हिस्से में स्थित एक अमेरिकी अंतरिक्ष स्टेशन के दौरे तक सीमित रह गई। वहाँ पर भी उनका स्वागत करने के लिए कोई स्थानीय व्यक्ति मौजूद नहीं था।

इस बीच, डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स रासमुसेन ने एक प्रैस कॉन्फ्रैंस में स्पष्ट रूप से कहा कि डेनमार्क और ग्रीनलैण्ड की सरकारों को, द्वीप की यात्रा पर आए अमेरिकियों व यू.एस. अधिकारियों की "टोन" पसंद नहीं आई है। ग्रीनलैण्डवासियों ने यहाँ तक धमकी दी थी कि यदि अमेरिका द्वीप के बलपूर्वक अधिग्रहण के अपने प्रयासों को जारी रखता है तो वे सशस्त्र संघर्ष भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नेपाल में हालात सामान्य, कर्फ्यू हटाया

नई दिल्ली, 29 मार्च। नेपाल में अब हालात सामान्य होते दिख रहे हैं शनिवार को काठमांडू के पूर्वी हिस्से से कर्फ्यू हटा लिया गया। शुक्रवार को राजशाही समर्थकों व सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पों के बाद कर्फ्यू लगा दिया गया था। शुक्रवार को राजशाही की पुनर्बहाली की मांग को लेकर लोग सड़कों पर उतर आए और हालात उस समय उग्र हो गए जब प्रदर्शनकारियों ने एक राजनैतिक दल के कार्यालय पर हमला कर दिया, वाहनों में आग लगा दी और दुकानों में लूटपाट की। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस ने संसद भवन की ओर मार्च कर रही भीड़, जो पथराव कर रही थी, को रोकने के बल प्रयोग किया। हिंसा में एक टीवी कैमरामैन और एक प्रदर्शनकारी सहित दो लोगों की मौत हो गई तथा 112 लोग घायल हो गए।

म्यांमार भूकंप, 1644 की मौत 344 घायल

नेपीदा, 29 मार्च। म्यांमार में शनिवार दोपहर 3:30 बजे फिर भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गई। इस तरह 2 दिन में 5 से ज्यादा तीव्रता वाले तीन भूकंप आ चुके हैं। शुक्रवार को 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद म्याँमार में भारी तबाही हुई है। मौत का आंकड़ा 10 हजार से ज्यादा हो सकता है। यह आशंका यूनाइटेड स्टेट जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने जताई है। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक, मरने वालों का आंकड़ा 1644 हो चुका है, जबकि 3,408 से ज्यादा लोग घायल हैं और 139 लोग लापता हैं।

अमेरिका की भारतीय निर्यात पर भारी टैरिफ लगाने की बात केवल "हौवा" निकली?

अर्थशास्त्रियों का मानना है, कुछ क्षेत्रों, जैसे वाहनों के स्पेयर पार्टस में निर्यात गिरेगा, पर, कई अन्य क्षेत्रों में नये विकल्प खुलेंगे, दोनों देशों के बीच व्यापार के लिए

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 मार्च। अमेरिका ने 2 अप्रैल को अपने प्रमुख व्यापारिक सहयोगियों पर "रैसिप्रोकल टैरिफ" की नीति लागू करने की घोषणा की है, अब 2 अप्रेल एकदम पास आ गई है, और भारत दोराहे पर, आर्थिक उथल-पुथल के खतरे और अप्रत्याशित अवसरों, के बीच में खड़ा है। खतरे की चेतावनी देने की बजाय विशेषज्ञ तर्क दे रहे है कि भारत इस संकट से न केवल बिना किसी नुकसान के बाहर निकल आएगा, बल्कि पहले से ज्यादा ताकतवर बन जाएगा और निर्यात को बढ़ाने के नए रास्ते मिलेंगे।

नीति आयोग के अनुसार, प्रस्तावित अमेरिकन टैरिफ का टारगैट कुछ चुनिंदा सैक्टर्स ही होंगे, जिससे भारतीय निर्यात को स्थिति का लाभ उठाने के भारी अवसर मिलेंगे। आयोग के प्रोग्राम डायरेक्टर प्रवकार साहू ने नीति आयोग की तिमाही पुस्तिका "ट्रैड वॉच" के दूसरे संस्करण के विमोचन पर कहा, हम डेटा का विस्तार से विश्लेषण कर रहे हैं और शुरुआती निष्कर्ष बताते हैं कि भारत को इससे बड़ा नुकसान नहीं होगा। रैसिप्रोकल टैरिफ सिर्फ कुछ सैक्टर को ही प्रभावित करेगा और इससे हमारे निर्यात का विस्तार करने के अवसर भी पैदा हो सकते हैं।"

- **अमेरिका के व्यापार व ट्रेड प्रतिनिधि ब्रैंडन लिंच व भारतीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के बीच चल रही इस मुद्दे पर बातचीत 29 मार्च को पूरी हो रही है तथा दोनों देशों का मानना है कि बातचीत प्रतिस्पर्धा के रूप में नहीं, बल्कि एक दूसरे के हितों पर ध्यान रखते हुए हो रही है।**
- **उदाहरण के लिए, भारत ने अमेरिका के कृषि उत्पादन का भारत को निर्यात बढ़ाने की प्राथमिकता को ध्यान में रखा है, पर, दूसरी ओर भारत से निर्यात किए जाने वाले कृषि उत्पादन, जैसे- फल, विशेषकर अनार व अंगूर को बढ़ाने के लिए अमेरिका पर दबाव बनाया है, जो अमेरिका ने लगभग स्वीकार कर लिया है।**
- **भारत व अमेरिका का प्रयास है कि दोनों देशों के बीच व्यापार, जो अभी 190 अरब डॉलर है, 2030 तक बढ़कर 500 अरब डॉलर हो जाये।**

नीति आयोग के सदस्य अरविंद वर्मा ने इस आशावादी नजरिए का समर्थन किया। उन्होंने 2018 के एक मामले का हवाला दिया, जब अमेरिकन आयात में चीन की हिस्सेदारी कम हो गई थी, तब इससे ताईवान वियतनाम - थाइलैंड, मैक्सिको व भारत के निर्यात में भारी वृद्धि हुई थी। उन्होंने कहा कि एतिहासिक रुप से टैरिफ ने उन देशों के लिए नए द्वार खोले हैं, जो इस खाली जगह को भरने में सक्षम हैं।

आसन्न टैरिफ खतरे के बावजूद, भारत ने एक सक्रिय रुख अपनाया है, तनाव को कम करने के लिए अमेरिका को महत्वपूर्ण रियायतें दी हैं। सरकारी स्त्रोतों के अनुसार, भारत ने अमेरिकी कृषि उत्पादों पर टैरिफ कटौती का प्रस्ताव दिया है, जिसमें बादाम, क्रैनबेरी, बोरबॉन व्हिस्की, अखरोट, पिस्ता और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'राजस्थान और हरियाणा का रोटी-बेटी का रिश्ता है'

चौमूं / कालाडेरा । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार दोपहर को चौमूं पहुंचे। वे चौमूं शहर के हाड़ौता स्थित हेलीपैड पर उतरे। मुख्यमंत्री सैनी का कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत, राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत व समाजसेवी कैलाश राज सैनी ने सामोद वीर हनुमान धाम की फोटो भेंटकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एन एच 52 स्थित आर चन्द्रा पैलेस होटल में सैनी समाज के द्वारा आयोजित होली स्नेह मिलन समारोह में पहुंचे।

कार्यक्रम के आयोजक रामचंद्र सैनी, मुकेश सैनी और जयकिशन सैनी ने बताया कि चौमूं सैनी समाज के लोगों के द्वारा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और कार्यक्रम में शामिल हुए अन्य जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया। इनमें राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी, पूर्व मंत्री रामकिशोर सैनी और भूपेंद्र सैनी शामिल हैं। वहीं धौलपुर विधायक शोभारानी कुशवाह, उदयपुरवाटी विधायक भगवानाराम सैनी और बांदीकुई विधायक भागचंद टांकड़ा भी कार्यक्रम में पहुंचे। साथ ही राजस्थान के जिलों और अन्य राज्यों से सैनी समाज के लोग कार्यक्रम में पहुंचे। वहीं प्रशासनिक, राजनीतिक और सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग भी कार्यक्रम में शामिल हुए। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपनें संबोधन में कहाँ कि राजस्थान और हरियाणा का रोटी-बेटी का रिश्ता है। वीर हनुमान बालाजी महाराज की पावन धरा चौमूं में आयोजित नागरिक अभिनंदन एवं होली मिलन समारोह में उपस्थित देवतुल्य नागरिकों द्वारा किए गए स्वागत-सत्कार से अभिभूत हूं। आपने जो स्नेह और आशीर्वाद अपने इस बेटे-भाई को दिया है, मैं इसे भुला नहीं पाऊंगा।

मुझे तब और भी खुशी मिलेगी जब आप सभी हरियाणा के मुख्यमंत्री आवास पर मुझसे आकर मिलेंगे। आपके लिए संत कबीर कुटीर के दरवाजे 24 घण्टे खूले हैं, आप किसी भी समय आकर मुझसे मिल सकते हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित सैनी समाज के प्रबुद्धजनों एवं राजस्थान के मेरे परिवारजनों को राजस्थान दिवस की अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

नियुक्ति पत्र पाकर नव नियुक्त कार्मिकों के खिले चेहरे, मुख्यमंत्री का जताया आभार

■ 242 नवनियुक्त कार्मिकों के चेहरे नियुक्ति पत्र पाकर खिल उठे। सभी कार्मिकों ने प्रदेश के सीएम का आभार व्यक्त किया

टोंक । राजस्थान स्थापना दिवस साप्ताहिक महोत्सव के तहत शनिवार को रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मुख्य आतिथ्य में कोटा के दशहरा मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वीसी के माध्यम से प्रसारण जिला मुख्यालय के कृषि ऑडिटोरियम में किया गया। इस दौरान जिले के 242 नवनियुक्त कार्मिकों के चेहरे नियुक्ति पत्र पाकर खिल उठे। सभी कार्मिकों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शर्मा ने स्कूल के विद्यार्थियों को 300 करोड़ रुपए से अधिक की राशि हस्तान्तरण कर स्किल नीति और युवा नीति का विमोचन किया। मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान के तहत जिला मुख्यालयों पर रोजगार मेलों का आयोजन भी किया गया। साथ ही, ष्ट

टोंक में राजस्थान दिवस महोत्सव के तहत रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन आयोजित हुआ।

ज्ञान केंद्र, नई किरण नशा मुक्ति केंद्र, निजी क्षेत्र में रोजगार में वित्तीय सहायता संबंधी योजनाओं के दिशा निर्देश जारी किए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, एसीएस गायत्री राठौड़ ने नवनियुक्त कार्मिकों को संबोधित किया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला प्रमुख सरोज बंसल, जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा, सीएमएचओ शैलेंद्र सिंह चौधरी, डिप्टी सीएमएचओ जितेंद्र कुमार, आरसीएचओ गोपाल जांगिड़, स्काउट के सीओ गिरिराज सिंह, अंजली गुप्ता समेत अन्य जिला स्तरीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नवनियुक्त कार्मिक एवं उनके परिजन मौजूद रहे। इस दौरान अतिथियों द्वारा नवनियुक्त चयनित कार्मिकों को वेलकम किट और नियुक्ति पत्र सौंपे गए।

सार-समाचार

अखंड रामायण पाठ व घट स्थापना आज

पावटा । पावटा कस्बे से 8 किलोमीटर दूर स्थित टोरडा गांव में बाबा भरतदास जी का आश्रम मे हर वर्ष की भाति इस वर्ष भी बाबा भरतदासजी महाराज आश्रम सेवा समिति व समस्त ग्राम जनता के सहयोग से बाबा भरतदास महाराज व बाबा गोपाल दास महाराज की असीम कृपा से आश्रम महंत श्री श्री 108 मंगलदास महाराज, रघुनाथदास महाराज, विशंभरदास महाराज, रामशरणदास महाराज, शिवदयाल दास महाराज, राधे श्यामदास महाराज के सानिध्य में 6 अप्रैल 2025 रविवार को रामनवमी के अवसर पर 30 मार्च रविवार प्रात 6.24 से अखंड रामायण पाठ व घट स्थापना, 3 अप्रैल गुरुवार से 5 अप्रैल शनिवार तक प्रात 6 बजे से 8 बजे तक व शाम 5.30 से 7.30 बजे तक योग गुरु स्वामी अर्जुन देव द्वारा योग एवं प्राणायाम शिविर, 5 अप्रैल शनिवार रात्रि 8 बजे से सत्संग भजन शास्त्रीय संगीत, 6 अप्रैल रविवार प्रात 9 बजे से भगवान राम जन्म बधाई गान, दोपहर 12.15 बजे से भगवान जन्म आरती, दोपहर 12.30 बजे से नेहड़ा पार्टी प्रहलाद भडाना घाटी वाला, रामसिंह महासी चोटक्या द्वारा, शाम 5.30 बजे से चंग ढप व नृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। वही मंदिर मेला कमेटी द्वारा 6 अप्रैल 2025 रविवार प्रात 10.15 से 3.15 बजे तक निशुल्क चिकित्सा शिविर व मिश्री देवी हॉस्पिटल बहरोड द्वारा निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जायेगा। निशुल्क चिकित्सा शिविर मे मिश्री देवी हॉस्पिटल बहरोड नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. वीरेंद्र यादव व व बालाजी फाउंडेशन एवं बालाजी क्योर एंड केयर हॉस्पिटल जयपुर के तत्वाधान में निशुल्क चिकित्सा शिविर में डॉ.सुरेश यादव, डॉ .वैभव शर्मा, डॉ. सुमित द्वारा मूत्र, किडनी, गुर्दा रोग, जॉइंट रिप्लेसमेंट व हड्डी रोग एवं जनरल मेडिसिन विशेषज्ञ की परामर्श सुविधा उपलब्ध रहेगी। वही 4 अप्रैल 2025 शुक्रवार से 6 अप्रैल 2025 रविवार को जयपुर चीफ फिजियोंथेरेपिस्ट डॉ. दिनेश खोडा द्वारा मरीजो की जाँच कर निशुल्क परामर्श दिया जायेगा। आश्रम महंत श्री श्री 108 मंगलदास महाराज ने बताया कि रामनवमी पर भरने वाले मेले मे विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमो व निशुल्क चिकित्सा शिविरो का आयोजन किया जायेगा। वही टोरडा बगीची में रामनवमी पर भरने वाले विशाल मेले मे राजस्थान के अलावा कई अन्य प्रदेशों से हजारों भक्त आयेंगे । आसपास के इलाके में सबसे बड़ा मेले का आयोजन यही से शुरू हुआ है। वही अखण्ड भंडारे मे हज़ारों भक्त प्रसादी ग्रहण करेंगे ।

परशुराम जयंती मनाने का निर्णय

राजगढ़ । ब्राह्मण समाज राजगढ़ की नवीन कार्यकारिणी की प्रथम बैठक परशुराम भवन में अध्यक्ष राजेश शर्मा ठेकेदार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इसमें समाज के प्रबुद्ध लोगों के मार्गदर्शन एवं युवाओं की सोच को आगे रखकर समाज हित में कार्य करने का निर्णय लिया। सचिव मनोज जैमन ने बताया कि परशुराम भगवान की पूजा अर्चना के बाद बैठक प्रारंभ हुई। अध्यक्ष राजेश शर्मा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अब चुनाव प्रक्रिया खत्म हो चुकी है, विप्र जनों व युवाओं को साथ लेकर कार्यकारिणी का निमार्ण किया है। जिससे आने वाले दिनों में समाज को एक नई दिशा मिले। बैठक में समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा संसद भवन में महाराणा सांगा के लिए की गई अभद्र टिप्पणी की निंदा की। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि भगवान परशुराम के जन्मोत्सव का कार्यक्रम अक्षय तृतीया दिनांक 30 अप्रैल को धूमधाम से मनाया जाएगा। भगवान परशुराम की शोभायात्रा एवं झांकी दिनांक 30 अप्रैल को सांयकाल 3 बजे निकाली जाएगी । बैठक में पूर्व अध्यक्ष संत ज्ञानेश्वर, दिनेश प्रधान , मदनलाल शर्मा, सुरेश्वर दयाल, राजेश शर्मा पंचायत समिति, लाडली शरण शर्मा , किशोर मुखर्जी सुभाष तिवारी , महेश तिवारी ,प्रकाश दीक्षित, प्रदीप शर्मा , विवेक दीक्षित, विक्की पटेल ,अजय दीवान , तुलसी शर्मा , हेमंत वशिष्ठ एडवोकेट , अभिमन्यु तिवारी, विकास शर्मा , नरेंद्र शर्मा गोठ , विपिन भारद्वाज , ऋतुराज मिश्रा , रोहिताश धौलान , तरुण शर्मा, बाबूलाल शर्मा, अमरचंद सिद्ध, बिजेंद्र मिश्रा, महिला पदाधिकारी मिथिलेश जैमन, राजेश्वरी मिश्रा , सीता जोशी , अनीता शर्मा बल्लुपुरा, सुनीता शर्मा, कृपा जैमन, सहित 58 सदस्यों ने प्रथम बैठक में भाग लिया ।

महायज्ञ 6 अप्रैल से

पावटा । क्षेत्र की सर्वांगीण उन्नित के लिए विश्व विख्यात सिद्ध योगी बाबा बालकनाथ जी की तपोस्थली एवं महासमाधि स्थल बावडी मैन रोड दिल्ली पावटा में बाबा बस्तीनाथ महाराज के सान्निध्य में 11 अप्रैल 2024 से 6 अप्रैल 2025 तक चल रहे 108 कुंडीय रुद्र महामृत्युंजय महायज्ञ का 6 अप्रैल रविवार को बड़े राजनेताओं व प्रबुद्धजनों की उपस्थिति में पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में बड़े राजनेताओं व प्रबुद्धजनों के आगमन को लेकर पावटा उपखंड अधिकारी कपिल कुमार उपाध्याय सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण करते हुए तैयारियो का जायजा लिया । उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर मंच की व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, लाभार्थी व आमजन के बैठने की व्यवस्था, पार्किंग और यातायात व्यवस्था, सुरक्षा और पुलिस व्यवस्था, मीडिया कवरेज की व्यवस्था, कार्यक्रम के दौरान आवश्यक सुविधाएँ जैसे कि पानी, बिजली, और शौचालय की व्यवस्था, और आपातकालीन सेवाओं की व्यवस्था जिनमें एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड इत्यादि का जायजा लिया। कार्यक्रम स्थल के निरीक्षण के पश्चात उपखंड अधिकारी कपिल कुमार उपाध्याय ने सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां को समय रहते सभी पूर्ण करने के दिशा निर्देश दिए।

ज्योति गिरी उत्तराधिकारी घोषित

मालपुरा (निस) शनिवार को मोती गिरी महाराज मुक्तेश्वर महादेव मंदिर आश्रम गुदड जी महाराज का सिद्ध धुणा पंचकुण्डा मोहन गिरी पर्वत टोरडी सागर मे हुई संत समाज व भक्तजनो की संयुक्त बैठक मे 1०8 मोती गिरी जी महाराज के उत्तराधिकारी के रूप मे श्री 1०8 ज्योति गिरी महाराज की घोषणा की गई। बाबा मोती गिरी महाराज ने स्वंय महाराज ज्योति गिरी को श्रीफल भेंट कर अपना उत्तराधिकारी स्वीकार किया। बैठक मे मौजूद संत व श्रद्धालूओं ने 12 अप्रेल पूर्णिमा शनिवार को आश्रम पर विशाल भंडारे का आयोजन किये जाने का निर्णय लिया। भंडारे के दौरान संत परम्परा के अनुसार उत्तराधिकारी नियुक्ति की अन्य रस्मे पूरी की जायेगी। आयोजन मे अनुमानित बीस हजार से अधिक भक्तो के शामिल होने का अनुमान है।

25 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया

टोंक । सरस्वती विद्या निकेतन शिक्षा समिति व इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी टोंक की ओर से राजस्थान दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, ये शिविर सरस्वती विद्या निकेतन स्कूल में आयोजित किया गया। जिसमें 40 रक्तदाताओं ने भाग लिया उसमें से 25 रक्तदाताओं ने रक्त दान किया। रक्तदान शिविर सआदत अस्पताल की टीम द्वारा किया गया, जिसका तिवारी ने नेतृत्व किया। रानू तिवारी ने बताया कि रक्तदान करने के अनेक फायदे हैं इससे कई बीमारियों का समय रहते पता लग जाता है एवं किसी जरूरतमंद की जान भी बचाई जा सकती है। इस दौरान इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी के सचिव हनुमान सिंह, प्रवीण सिंह सोलंकी, राकेश तसेरा ने रक्तदान करने वाले लोगों का उत्साह वर्धन किया।

हादसे में पांच जने घायल

मालपुरा (निस) जयपुर भीलवाडा स्टेट हाईवे पर निमेडा के पास शनिवार को रोडवेज बस व पिकअप में हुई आमने-सामने की भिडंत। हादसे मे पांच जने हुये घायल। सुचना पर पहुंची 1०8 एम्बूलेंस की सहायता से सभी घायलो को फागी अस्पताल मे करवाया गया भर्ति। घायलो के प्राथमिक उपचार के बाद निमेडा निवासी विजेन्द्र कुमार व मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के झाडली निवासी सुरेश कुमार को चिन्ताजनक हालत मे जयपुर रैफर किया गया। घायल राजाबाबू मालपुरा सहित राजकंवर व घासीलाल को फागी अस्पताल मे किया भर्ति। नर्सिंग ऑफिसर अमित शर्मा,हितेश वर्मा,रमेश चन्द ने तत्परता दिखाते हुये गंभीर घायलो का उपचार कर राहत पहुंचाई ।

2 लाख का चेक प्रदान किया

टोंक । बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक शाखा कृषि उपज मंडी निवाई द्वारा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा के तहत 2 लाख का चेक बीमित व्यक्ति की नॉमिनी सदस्य कमला देवी को प्रदान किया गया। शाखा प्रबंधक विष्णु कुमार नागर एवं हैड केशियर रमेश चंद यादव ने चेक सौंपते हुए प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजनाओं के बारे में जानकारी दी। साथ ही, आमजन से इस योजना में नामांकन कराने का आग्रह किया। वित्तीय साक्षरता सलाहकार सुरेश अग्रवाल ने बताया कि अन्य संस्थाओं से बीमा करवाने वाले व्यक्ति भी इन योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं, उन्होंने वार्षिक प्रीमियम कम होने पर जोर दिया।

सांभर में ट्रेनों के ठहराव के लिए सांसद से अनुरोध

सांभरझील, (निसं)। सांभर रेलवे स्टेशन पर कई वर्षों से जरूरी ट्रेनों के ठहराव के लिए अधूरी चल रही मांग को पूरा कर जनता को लाभान्वित किए जाने के लिए भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन कुमार ने जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र को पाती भेजी है।

पूर्व मंडल अध्यक्ष जितेंद्र डांगरा ने बताया कि समपुर रेलवे स्टेशन से सैकड़ो की संख्या में अपने गंतव्य स्थल पर जाने के लिए फुलेरा यहां से 7 किलोमीटर दूर जाकर ट्रेन पकड़नी पड़ती है जिससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। नागरिक विकास समिति के कार्यकारी अध्यक्ष अनिल गट्टानी ने भी इस मामले में रेल मंत्री अश्विनी कुमार को स्मरण पत्र भेजते हुए शीघ्र ट्रेनों के ठहराव का फिर से आग्रह किया है। गट्टानी ने बताया कि जयपुर व अन्य क्षेत्रों में डेली अप डाउन करने वाले सैकड़ो लोगों को समय पर अपने रोजगार स्थल पर पहुंचने में इसी वजह से विलंब हो जाता है कि सांभर से फुलेरा ट्रेन पकड़ने में उनका समय बर्बाद हो जाता है और कई बार तो ट्रेन ही हाथ से निकल जाती है। काम धंधे से शाम को वापस अपने घर पर आने के दौरान उन्हें फिर से फुलेरा आना पड़ता है और रात को साधन नहीं मिलने के कारण कई बार तो देर तक अपने घरों पर पहुंचते हैं। यह पीड़ा लंबे समय से चली आ रही है। जिसका समाधान करने हेतु उनसे अनुरोध किया गया है। बता दें कि एक साल पहले भी दैनिक रेल यात्री संघ अध्यक्ष कैलाश नागला व उनकी टीम की ओर से भी पूर्व सांसद कर्नल राज्यवर्धन व पूर्व विधायक निर्मल कुमावत को भी अनुरोध किया गया था लेकिन ट्रेनों का ठहराव आज तक नहीं होने से दैनिक रेल यात्रियों की भावनाएं आहत है।

रन फॉर फिट आज

दौसा । राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के अंतर्गत राजस्थान दिवस (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) 30 मार्च को जिला मुख्यालय पर रन फॉर फिट राजस्थान और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नरेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि युवाओं को फिट रखने के उद्देश्य से राज्य सरकार के निर्देशानुसार 30 मार्च को सुबह 7 बजे लालसोट रोड स्थित भारत स्काउट एंड गाइड कार्यालय से गुप्तेश्वर महादेव मंदिर तक रन फॉर फिट राजस्थान मैराथन आयोजित की जाएगी जिसमें जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी सहित स्काउट गाइड के युवा एवं आमजन भाग लेंगे।

उन्होंने बताया कि 30 मार्च को ही शाम 6 बजे बजरंग मैदान में राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसमें बेहतरीन कलाकारों द्वारा राजस्थान के इतिहास, संस्कृति और परंपराओं पर आधारित कलाएं और नृत्य प्रस्तुत किए जाएंगे।

अलवर में 255 को मिले नियुक्ति-पत्र

अलवर / खैरथल। राजस्थान दिवस (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, 30 मार्च) के उपलक्ष्य में राज्य सरकार द्वारा आयोजित किए जा रहे सात दिवसीय कार्यक्रमों की कड़ी में पांचवे दिन शनिवार को अलवर के प्रताप ऑडिटोरियम में मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिले में 255 नव नियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र सोंपे गए। नियुक्ति पत्र मिलने पर नव कार्मिकों के चेहरे पर मुस्कान आ गई तथा नव कार्मिकों ने भर्ती प्रक्रिया को समयबद्ध व पारदर्शिता के साथ पूर्ण कराने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वीसी के माध्यम से सीधा प्रसारण हुआ जिसमें में अधिकारी जनप्रतिनिधि एवं शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन में जिले में 255 नव नियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए, जिनमें चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के 184 कार्मिक, उच्च शिक्षा विभाग के 12 एवं शिक्षा विभाग के 11 कार्मिक, महिला एवं बाल अधिकारिता विभाग के 9 कार्मिक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता का विभाग के 13 कार्मिक, आईसीडीएस विभाग के 16 कार्मिक, कोष एवं लेखा विभाग के 4 कार्मिक एवं आयुर्वेद विभाग व विद्युत विभाग के एक-एक कार्मिक सहित अन्य विभागों के नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र सोंपे गए। कार्यक्रम में मंच संचालन श्री प्रदीप पंचोली, श्रीमती रेणू मिश्रा एवं पूर्णिमा पंचोली ने किया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता, एडीएम शहर बीना महावर, सीएमएचओ डॉ. योगेंद्र शर्मा, सीडीईओ महेश गुप्ता, बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय के प्रिंसि अशोक आर्य, आनन्द बेनीवाल, जितेंद्र सैनी सहित प्रबुद्ध व्यक्ति, संबंधित अधिकारी एवं बडी संख्या में नव नियुक्त कार्मिक एवं आमजन मौजूद रहे। खैरथल तिजारा जिले के खैरथल सचिवालय पर इस दौरान आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने जिले में नवनियुक्त 59 कार्मिकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। नव नियुक्त कार्मिकों में मेडिकल विभाग के 19 एएनएम, 28 फार्मासिस्ट, 09 नर्सिंग ऑफिसर एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के 3 नवनियुक्त कार्मिक सहित कुल 59 नवनियुक्त कार्मिकों को वेलकम किट का वितरण भी किया गया।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला कलक्टर किशोर कुमार, अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, उपखंड अधिकारी कोटकासिम रेखा यादव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अरविंद गेट, उप जिला शिक्षा अधिकारी (शारीरिक शिक्षा) हरवीर भड़ाना, नगर परिषद आयुक्त मुकेश शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, आमजन एवं लाभार्थी उपस्थित रहे।

हिन्दू नववर्ष की पूर्व संध्या पर मालपुरा में निकाली भगवा रैली

मालपुरा (निस) । भारतीय हिन्दू नववर्ष विक्रम संवत 2०82 की पूर्व संध्या पर शनिवार को हिन्दू समरसत्ता मंच एवं हिन्दु नववर्ष समारोह समिति की और से मालपुरा में निकाली गई ऐतिहासिक भगवा वाहन रैली। पुरानी तहसील से शुरू हुई वाहन रैली डीजे की धुनो के साथ जय श्री राम के जयघोष लगाते हुये माणक चौक,आजाद चौक, ख्वासजी का कटला,ट्रक स्टेण्ड,नवीन मंडी, सुभाष सर्किल से होते हुई आदर्श नगर शिव मंदिर पहुंची।

पांच सो से अधिक मोटरसाईकिलो पर सवार युवा व सनातन धर्म के लोगो ने हाथो मे भगवा ध्वज व गले मे भगवा दुपट्टा पहने शहरवासियो को नववर्ष की शुभकामनाऐं देते हुये वंदे मातरम जय श्री राम एवं एक ही नारा एक ही नाम जय श्री राम जय श्री राम के जयघोष लगाते हुये शहर से गुजरे। भारतीय युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष मंशाराम दास स्वामी,एडवोकेट श्रवण गुर्जर,पूर्व उपजिला प्रमुख अवधेश शर्मा,आकाश शर्मा, गजेन्द्र बोहरा,जगदीश शर्मा, एडवोकेट रमेश सैनी,अनीस जैन, हनुमान बैरवा, भारत विकास परिषद के

भारतीय नववर्ष की पूर्व संध्या पर मालपुरा में भगवा रैली निकाली ।

रामजीलाल शर्मा,लोकेश लोदी,दिनेश विजय, सहित विश्व हिन्दु परिषद,बजरंग दल, श्री बारादरी रामचरितमानस मंडल सहित अनेक सामाजिक व समाजसेवी संगठनो ने भगवा वाहन रैली पर पुष्पवर्षा कर नववर्ष की शुभकामनाऐं दी। आदर्श नगर शिवालय मे सामुहिक रूप से संध्या आरती कर प्रसाद वितरण किया गया।

सुरक्षा की दृष्टि से थानाधिकारी चेनाराम बेडा भारी पुलिस जाप्ते के साथ रहै मौजूद। एडवोकेट कृष्णकांत जैन,सत्यनारायण विजय, सुरेश आर्य ने बताया कि आज सुरज की पहली किरण के साथ हिन्दु नववर्ष का आगाज होगा। शहर मे प्रमुख चौराहो पर रंगोली सजाई जायेगी। शहनाई वादन व आतिशबाजी सहित सनातन धर्म के लोगो को रोली का तिलक लगा भव्य स्वागत किया जायेगा।

50 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ

देवली । शुक्रवार को यहां ट्राई ओम शैक्षिणक संस्था के गौरवशाली 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बडी संख्या में रक्तदान दाताओ ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता लाना रहा है। शिविर का उद्घाटन निदेशक आशीष जिंदल तथा वरिष्ठ अध्यापक रामराज जांगिड़ ने किया।, जिन्होंने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि। रक्तदान महादान होता है । इससे अनेक लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। इस अवसर पर केशव ब्लड बैंक के डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की टीम भी मौजूद रही।जिन्होंने रक्तदाताओं की जांच कर सुरक्षित रक्तदान सुनिश्चित किया। ट्राईओम इंस्टीट्यूट के निदेशक राहुल राय ने बताया कि इस शिविर में कुल 50 लोगों ने रक्तदान किया। जिससे कई जरूरतमंद मरीजों को मदद मिलेगी। ऐसे में सभी को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए ताकि किसी की भी जिंदगी आसानी से बचाई जा सके। इस अवसर पर संस्था द्वारा रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र और धन्यवाद पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

अभिभावक-अध्यापक मीटिंग आयोजित

महात्मा गांधी इंटरनेशनल सीबीएसई स्कूल में अभिभावक-अध्यापक मीटिंग का आयोजन किया गया।

श्रीमाधोपुर । महात्मा गांधी इंटरनेशनल सीबीएसई स्कूल में अभिभावक- अध्यापक मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों के पाठ्यक्रम व अन्य शैक्षिणक कार्यक्रमों के बारे में विचार-विमर्श किया गया। को-ऑर्डिनेटर अक्षय सैनी ने बताया कि पीटीएम का शुभारंभ विद्यालय निदेशक मोहर सिंह खर्रा, अरुण शंकर चटर्जी प्राचार्य मनीष कुमार एव उपप्राचार्य आंनद बबेरवाल व सभी अभिभावकों के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।विद्यालय निदेशक मोहर सिंह खर्रा ने बताया की समय-समय पर अभिभावक-अध्यापक मीटिग का होना भी अति आवश्यक है, ताकि बच्चों के अभिभावक तथा अध्यापक आपस में साथ बैठकर बच्चों के सर्वांगीण विकास के बारे में आपसी तालमेल कर सकें।

वहीं इस मीटिग में अपने बच्चों को साथ लेकर आए हुए अभिभावकों ने भी इस मीटिग के आयोजन को सराहनीय कदम बताया और कहा कि इस प्रकार के आयोजन रखने से अभिभावक और अध्यापक आमने-सामने बैठकर बच्चे की पढ़ाई से सम्बंधित बातें कर सकते हैं और एक दूसरे को बच्चे के सर्वांगीण विकास पर ध्यान दे सकते हैं। इस अवसर पर अमित माथुर, पवन सैनी, अंकित जांगिड़, अभिभावकों सहित सहित समस्त स्टाफ़ मौजूद रहा।

आदित्य मोहन शर्मा अध्यक्ष नियुक्त

पावटा । आदित्य मोहन शर्मा को परशुराम संगठन सभा सदर बाजार दिल्ली का अध्यक्ष नियुक्त करने पर महामंत्री महेश शर्मा, पंडित हरि शर्मा, अनिल शर्मा, बृजमोहन शर्मा सहित समस्त कार्यकारिणी को तहसील ब्राह्मण महासभा पावटा संरक्षक सुनील शर्मा, अध्यक्ष राजेश शर्मा ने शुभकामना देते हुए कहा की ब्राह्मणों के अति प्रतिष्ठित संगठन भगवान परशुराम संगठन सभा सदर बाजार द्वारा आदित्य मोहन शर्मा को अध्यक्ष के प्रति प्रतिष्ठित पद पर नियुक्त कर बहुत महत्वपूर्ण ने निर्णय लिया है । इसके लिए संगठन व संगठन के सभी पदाधिकारीयो को हार्दिक आभार प्रेषित करता हूं एवं आपको हृदय से धन्यवाद शुभकामनाएं देता हूं। मैं आशा करता हूं कि आपका कार्यकाल में संगठन बहुत तरक्की प्रगति करेगा मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप संगठन को मजबूत और समाज के उत्थान एवं कल्याण करते हुए संगठन को मजबूत कर समाज का नई दिशा देंगे।तहसील ब्राह्मण महासभा पावटा के सभी पदाधिकारीयो सहित गजानंद टीलावत, दुर्गादत्त भारद्वाज, योगेश शर्मा, रमेश वशिष्ठ ने भी शुभकामनाए दी।

प्रभारी सचिव ने नंदघर, प्राथमिक विद्यालय अस्पताल का किया निरीक्षण

पावटा। जिला कोटपुतली बहरोड प्रभारी सचिव उर्मिला राजोरिया शुक्रवार को उपखंड पावटा के दौरे पर रहीं। प्रभारी सचिव उर्मिला राजोरिया ने शुक्रवार को पावटा उपखंड अधिकारी कपिल कुमार उपाध्याय, सीडीपीओ संगीता यादव, उपजिला अस्पताल प्रभारी डॉ. देवेंद्र शर्मा सहित राजकीय प्राथमिक विद्यालय, नन्दघर, आंगनबाडी केंद्र गोपाला व उपजिला अस्पताल पावटा का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने राजकीय प्राथमिक विद्यालय, नन्दघर, आंगनबाडी केंद्र गोपाला में निरीक्षण के दौरान व्यवस्थित स्वच्छता सुनिश्चित करने व पढ़ाई की गुणवत्ता को लेकर दिशा निर्देश दिये तथा सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। वही प्रभारी सचिव ने उपजिला अस्पताल पावटा में ओपीडी, चिकित्सकों की उपलब्धता, अस्पताल में की जा रही जांचों, दवाओं की उपलब्धता सहित अन्य चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली।

जिला कोटपुतली बहरोड प्रभारी सचिव उर्मिला राजोरिया ने अस्पताल व नन्दघर का जायजा लिया।

उन्होंने अस्पताल में मरीजों से चिकित्सा सुविधाओं का फीडबैक भी लिया। वही उपस्थिति रजिस्टर, ओपीडी, एक्सरे कक्ष, महिला एवं पुरुष वार्ड, भंडार कक्ष, प्रसव कक्ष, ऑपरेशन कक्ष, प्रयोगशाला और टीकाकरण कक्ष सहित पूरे परिसर का अवलोकन किया। उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी लेते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करने और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मरीजों को मिल सकें, इसको लेकर अस्पताल में इंतजाम रखे जाने चाहिए। प्रभारी सचिव ने सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों को समय पर केंद्र में उपस्थित रहकर मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए कहा। उन्होंने मरीजों से स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी लेते हुए मरीजों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। जिससे उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो।

उन्होंने लोगों की सुविधा के लिए अस्पताल में आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों से अस्पताल में होने वाले प्रसव की जानकारी ली। उन्होंने गर्मी के मौसम को देखते हुए अस्पताल में बैड आरक्षित रखने के साथ कूलर और आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अस्पताल परिसर में पीने के पानी को सुगमता, साफ-सफाई व्यवस्था, दवा वितरण काउंटर को लेकर निर्देश दिए। इस दौरान पावटा उपखंड अधिकारी कपिल कुमार उपाध्याय, सीडीपीओ संगीता यादव, उपजिला अस्पताल प्रभारी डॉ. देवेंद्र शर्मा सहित स्वास्थ्य अधिकारी मौजूद रहे।

गौवंश को कचरे की गाड़ी में ले जाने का विरोध

पावटा । पावटा प्रागपुरा नगरपालिका में कार्यरत नगरपालिका के कर्मचारियों द्वारा मृत गौवंश को कचरे की गाडी में ले जाने का एक मामला सामने आया है। जिसके बाद गौ भक्तों व रक्षकों में काफी आक्रोश दिखाई दे रहा है। वहीं सम्बंधित कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की है। वही गौ भक्तों व रक्षकों ने आक्रोश जताते हुए बताया कि पावटा कस्बे में जोगियों के मोहल्ले में मृत गौवंश को उठाने की सूचना पालिका कर्मचारियों को दी गई। जिस पर पालिका कर्मचारी अभिषेक मीणा द्वारा मृत गौ वंश को उठाने के लिए कचरे से भरी टिप्पर गाड़ी भेजी गई। नगरपालिका के कर्मचारी मृत गौ वंश को उठाने आए और आस्था को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य करके गौवंश को कचरे के ढेर की तरह गंदे कचरे के ढेर में दबा के ले गए। स्थानीय गौ भक्तों ने नगरपालिका के कर्मचारियों का विरोध भी किया लेकिन दबंग कर्मचारियों ने किसी की नहीं सुनी और वह सार्वजनिक रूप से गौ माता का अपमान और तिरस्कार करते हुए उन्हें एक गंदगी भरी कचरे की टिप्पर गाड़ी में गंदे कचरे के ढेर में दबा कर ले गए।

तेजाजी मंदिर में मूर्ति तोड़ने पर लोगों ने किया हंगामा

नारेबाजी कर रहे लोगों को पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर हटाया

जयपुर। प्रतापनगर सेक्टर-तीन में शुक्रवार देर रात असामाजिक तत्वों ने लोक देवता वीर तेजाजी महाराज की प्रतिमा को खंडित कर दिया। शनिवार सुबह मूर्ति घटित देखकर लोगों में आक्रोश व्याप्त हो गया और लोग धरने पर उतर आए। बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए और टोंक रोड पर टायर जलाकर प्रदर्शन किया। उग्र होते प्रदर्शन के बीच पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर भीड़

- प्रदर्शनकारियों ने एक पेट्रोल पम्प में किया था आग लगाने का प्रयास

को खदेड़ा गया। प्रदर्शनाकारियों ने टोंक रोड पर स्थित पेट्रोल पम्प भी आगजनी का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने समय रहते कड़ा एक्शन लेकर घटना को रोक दिया। प्रदर्शनकारियों ने करीब तीन घंटे से अधिक समय तक टोंक रोड को बंद रखा।

शनिवार सुबह विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के साथ सैकड़ों श्रद्धालुओं ने जयपुर-टोंक रोड पर प्रदर्शन कर टायर जलाए और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा और कई लोगों को हिरासत में लिया। इस घटना के विरोध में सांगानेर और प्रताप नगर के कई बाजार बंद कर दिए गए। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और स्थानीय लोगों से शांति बनाए रखने की अपील कर रहा है। घटना के बाद पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन ने कहा है कि शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। दोपहर करीब डेढ़ बजे पुलिस ने जाम खुलवा दिया। इससे पहले शनिवार सुबह पुलिस को मंदिर की मूर्ति क्षितग्रस्त होने की जानकारी मिली थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि शुक्रवार रात करीब तीन बजे कुछ असामाजिक तत्वों ने मूर्ति तोड़ दी थी। आरोपियों से जुड़ा एक सीसीटीवी फुटेज भी शनिवार को सामने आया है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पूर्व आशाराम ने बताया कि मंदिर की मूर्ति तोड़ने के मामले में पुजारी की तरफ से मामला दर्ज करवाया गया है। वहीं इस मामले में प्रदर्शन और उपद्रव करने के मामले में पुलिस अपने स्तर पर मामला

प्रतापनगर में लोक देवता वीर तेजाजी की प्रतिमा को खंडित देखकर लोगों में आक्रोश व्याप्त हो गया और लोग धरने पर उतर आए।

जयपुर के सांगानेर में तेजाजी मंदिर में तोड़फोड़ की घटना के बाद आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

दर्ज करवाएगी। इस मामले में करीब एक दर्जन लोगों को हिरासत में लिया गया है। टोंक रोड पर स्थित एक पेट्रोल पम्प पर भीड़ ने आग लगाने का प्रयास किया। यह देखकर पुलिस ने भीड़ पर हल्का बल प्रयोग कर खदेड़ा। वरना बड़ा हादसा हो सकता है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है। आरोपियों की पहचान कर ली गई है। जल्द ही उन्हें पकड़ लिया जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सरकार से मांग की कि इस मामले के दोषियों की शीघ्र पहचान कर उन पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि राजस्थान सरकार को दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें, यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। टीकाराम जूली ने कहा कि यह जन-आस्था के साथ खिलवाड़ है और आस्था के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार इस पर तुरंत संज्ञान लेकर दोषियों पर जल्द से जल्द कड़ी कार्यवाही कर उन्हें गिरफ्तार करे और धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करे। सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि जयपुर में प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्वाचन क्षेत्र में लोक देवता वीर तेजाजी महाराज की मूर्ति खंडित करने के बाद उपजे जन-आक्रोश के बाद एक तरफ जहां जयपुर पुलिस कमिश्नर और आला अफसर आंदोलित लोगो के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में वार्ता करने को तैयार थे, दूसरी तरफ मुख्यमंत्री के इशारे पर पुलिस ने आरएलपी कार्यकर्ताओं व जाट समाज सहित विभिन्न समाजों के युवाओं पर जो लाठीचार्ज किया वो निंदनीय है। पुलिस -प्रशासन तत्काल प्रभाव से हिरासत में लिए गए आरएलपी कार्यकर्ताओं सहित अन्य युवाओं को तत्काल रिहा करें। तेजाजी की आस्था के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर सरकार हमारी मांगे नहीं मानेगी तो सरकार की ईंट से ईंट बचा देंगे। अगर सरकार ने प्रदर्शन कर रहे युवाओं को नहीं छोड़ा तो पूरे राजस्थान में आंदोलन किया जाएगा। हवा महल विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक स्वामी बालमुकुंद आचार्य ने घटना को लोगों की आस्था पर प्रहार बताया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्विनी गौतम ने धरनास्थल पहुंचकर लोगों से समझाइश की। उन्होंने कहा कि जिन्होंने भी यह कृत्य सोच-समझकर किया है या फिर असमाजिक तत्वों ने ऐसा किया है, उन्हें जल्द ही पकड़ा जाएगा। साथ ही लोगों की मांग पर उन्होंने कहा कि जल्द ही तेजाजी की ऐसी ही प्रतिमा की स्थापना की जाएगी।

तेजाजी मंदिर के सामने आक्रोशित लोगों ने सड़क पर जाम लगा रखा है। यहां लोगों ने मंदिर के सामने सड़क पर टायर में आग लगा दी। वहीं दूसरी तरफ पिंजरापोल गौशाला के सामने से ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया है। सांगानेरी पुलिया के नीचे से भी पुलिस ने ट्रैफिक को डायवर्ट किया है। पिंजरापोल गौशाला के सामने बैरिकेडिंग कर सड़क को ब्लॉक किया गया है। टोंक रोड पर बी टू बाइपास तक करीब चार किमी लम्बा जाम लग गया। इससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

तेजाजी मंदिर में तोड़फोड़ मामला, कैफे संचालक को पुलिस ने पकड़ा

जयपुर। जयपुर के सांगानेर में तेजाजी मंदिर में तोड़फोड़ की घटना के बाद उपजे तनाव के बीच पुलिस ने तोडफोड करने वाले आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपित युवक ने नशे में था और तनाव के चलते घटना को अंजाम दिया है। पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए दस से अधिक टीमों का गठन किया गया था और सौ से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर संदिग्ध की पहचान की थी।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्विनी गौतम ने बताया कि सांगानेर में तेजाजी मंदिर में तोड़फोड और क्षतिग्रस्त करने वाले बीकानेर हाल राजापार्क आदर्श नगर जयपुर निवासी सिद्धार्थ सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपित सिद्धार्थ सिंह से पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि उसका राजापार्क में तमस कैफे नाम से एक रेस्टोरेंट था। जिसमें वित्तीय संकट चल

- घाटे से था तनाव में, नशे में की थी मंदिर में तोड़फोड़

रहा है जिसकी वजह से वह मानसिक रूप से परेशान था। जो अभी वर्तमान में बंद चल रहा है।

जिस कारण से वह मानसिक तनाव में था। 28 मार्च को वह अपने दोस्त डेनियल के पास होटल इंटर कॉन्टिनेन्टल टॉक रोड मिलने गया था। मानसिक रूप से वह परेशान होने के कारण उसने अपने दोस्त डेनियल से कहा कि उसे शराब पीनी है। इसके बाद वह दोनों ने मिलकर काफी शराब पी थी। उसे नशा हो जाने पर वह होटल से अपने घर राजा पार्क की तरफ गाड़ी लेकर निकल गया। रास्ते में कुत्ते दिखाई दिए। जिनके साथ वह खेलने लग गया था पास में ही उसे मंदिर दिखाई दिया। जहां वह पर रुक गया और उसके साथ हुए आर्थिक घाटे को लेकर भगवान को कोसने लगा। इसके बाद उसने मंदिर की फोटो खीची जो उसके फोन में मौजूद है। इसलिए तैश में आकर नशे की हालत में उसने मूर्तियां में तोडफोड कर दी। उसके बाद वह घर चला गया। शनिवार सुबह उक्त घटना के बारे में उसने अपनी मंगेतर को बताया कि रात को शराब के नशे में गलती हो गई और उसने सांगानेर टोंक रोड स्थित किसी मंदिर में तोड़फोड़ कर दी। उसके बाद में उसकी मंगेतर ने वाट्सएप पर फोटो भेजी।

जिस से टोंक रोड पर स्थित मंदिर में तोडफोड के सम्बंध में विवाद हो रहा है। तब उसे पता चला की उससे रात के समय शराब के नशे में बड़ी गलती हो गई। इसके बाद पुलिस सीसीटीवी चैक करते हुए पुलिस ने कार की पहचान की और मालिक सिद्धार्थ सिंह होना सामने आया है। जिस पर पुलिस टीम ने आरोपी को चिन्हित करते हुए पकड़ा है। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

गौरतलब है कि इससे पहले असामाजिक तत्वों द्वारा लोक देवता वीर तेजाजी महाराज की प्रतिमा को खंडित देखकर लोगों में आक्रोश व्याप्त हो गया था और लोग विरोध प्रदर्शन करने लग गए। बड़ी संख्या में लोग जमा होकर टोंक रोड पर टायर जलाकर प्रदर्शन किया। उग्र होते प्रदर्शन के बीच पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को खदेड़ा। प्रदर्शनकारियों ने टोंक रोड पर स्थित एक पेट्रोल पम्प पर भी आगजनी का प्रयास किया। लेकिन पुलिस ने समय रहते कड़ा एक्शन लेकर घटना को रोक दिया। प्रदर्शनकारियों ने करीब तीन घंटे से अधिक समय तक टोंक रोड को बंद करना पडा। वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के साथ सैकड़ों श्रद्धालुओं ने जयपुर-टोंक रोड पर प्रदर्शन कर टायर जलाए और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की।

'केबिन मुहैया कराने वाले कैफे वेश्यालय के समान, मजिस्ट्रेट इन्हें बंद कराए'

जयपुर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम- 2 महानगर प्रथम ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपी दिपांशु और कैफे संचालक बाबूलाल की जमानत अर्जियों को खारिज कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने केबिन मुहैया कराने वाले कैफे की तुलना वेश्यालय से करते हुए इन्हें बंद करने की मंशा जताई है। पीठासीन अधिकारी तिरुपति कुमार गुप्ता ने महेश नगर थाना पुलिस को कहा है कि वे ऐसे कैफेज के बारे में संबंधित कार्यपालक मजिस्ट्रेट को सूचना देंगे और मजिस्ट्रेट पीटा एक्ट की धारा 18 के तहत इन्हें बंद करे।

अदालत ने कहा कि जब कैफे केवल चाय-कॉपी और नाश्ते के लिए होते हैं। कैफे मालिक ऐसे केबिनों के पांच सौ रुपए तक चार्ज करते हैं। केबिन का चार्ज इस दृष्टि से लिया जाता है कि वहां युवक-युवतियां संबंध बना सके। अदालत ने कहा कि ऐसे कैफे में किशोरों की भीड बढती जा रही है। किशोरों में हार्मोंस परिवर्तन के कारण इच्छाएं जन्म लेती हैं और ये कैफे उन अवांछित गतिविधियों के लिए स्थान उपलब्ध कराते हैं। कोई भी कैफे चाय-कॉफी इत्यादि के लिए होता है, लेकिन इस मामले में कैफे संचालकों ने बैड और बंद कैबिन उपलब्ध कराए हैं। दिपांशु की ओर से जमानत अर्जी में कहा गया कि वह पीडिता का हमउम्र दोस्त मात्र है। पीडिता के अन्य दोस्त के कहने पर उसे झूठा फंसाया गया है। वहीं बाबूलाल की ओर से कहा गया कि उसने कोई अपराध नहीं किया है। उसे कैफे मालिक बताया गया है, लेकिन एफआईआर में उस पर दुष्कर्म का आरोप नहीं है। पुलिस ने प्रकरण में उसे फंसाया है। सरकारी वकील राकेश महर्षि ने कहा कि आरोपी दिपांशु ने पीडिता के साथ कई महीनों तक संबंध बनाए। वह पहले पीडिता को बाबूलाल के कैफे ले जाकर संबंध बनाता था। वहीं बाद में एक अन्य कैफे में ले जाने लगा। ऐसे में आरोपियों को जमानत का लाभ नहीं दिया जाए। मामले में पीडिता की ओर से महेश नगर थाने में दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया गया था।

दिया कुमारी ने किया राजस्थान उत्सव का अवलोकन

जयपुर/नई दिल्ली। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शनिवार को नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में चल रहे राजस्थान उत्सव 2025 का अवलोकन किया।

राज्य की अतिरिक्त आवासीय आयुक्त अंजु ओम प्रकाश तथा संयुक्त आवासीय आयुक्त रिंकू मीना ने उप मुख्यमंत्री को उत्सव का अवलोकन करवाते हुए विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर उप आवासीय आयुक्त मनोज सिंह सहित बीकानेर हाउस स्थित कार्यालयों के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे। दिया कुमारी ने उत्सव में राजीविका द्वारा लगाए गए क्राफ्ट मेले और फूड फेस्टिवल का भ्रमण करते हुए प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए काश्तकारों, हस्तकारों और हस्तशिल्पियों इत्यादि के स्टॉल्स पर जाकर उनके उत्पादों के बनाने की विधि एवं अन्य जानकारियां ली। उन्होंने सभी हस्तकलाकारों से उनके अनुभवों और उत्पादों की प्रशंसा करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया।

जेपी नड्डा से डॉ. सतीश पूनिया की मुलाकात, संगठनात्मक मार्गदर्शन लिया

जयपुर। नई दिल्ली प्रवास पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष, कुशल संगठनकर्ता व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने शिष्टाचार मुलाकात कर संगठनात्मक मार्गदर्शन लिया व राजस्थान-हरियाणा के विकास के मुद्दों व संगठन के विषयों पर पर सकारात्मक विस्तृत बातचीत हुई।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय कौशल विकास और उद्यिमता मंत्री जयंत चौधरी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री व हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह, राज्यसभा सांसद व

नई दिल्ली प्रवास पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने शिष्टाचार भेंट की।

त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लव देव, केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह, केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के साथ सतीश पूनियां ने शिष्टाचार मुलाकात कर प्रदेश के विभिन्न विकास के मुद्दों पर सकारात्मक बातचीत हुई।

आई.सी.एस.आई. के जयपुर चैप्टर पर धार्मिक आधार पर भेदभाव का आरोप लगाया

जयपुर। 'इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सैक्रेट्रीज ऑफ इण्डिया' (आई.सी.एस.आई.) के जयपुर चैप्टर के मैनेजमेंट समिति पर इसी संगठन के सदस्यों के साथ धार्मिक और सांस्कृतिक आधारों पर भेदभाव करने का आरोप लगाया जा रहा है। दरअसल आई.सी.एस.आई. की मैनेजमेंट समिति में 30 मार्च, चेटीचंड के त्यौहार पर सभी सदस्यों के लिए बैठक और कम्पनी सेक्रेटरीज प्रीमियर लीग 2025 (सी.एस.पी.एल.-क्रिकेट मैच) आयोजित की है। जिससे इस संगठन के सिंधी समुदाय के सदस्यों की धार्मिक और सांस्कृतिक भावनाओं को नजरअंदाज किया गया। इन सदस्यों ने आहत होकर आई.सी.एस.आई. की केंद्रीय समिति और इन्सीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकान्टेन्ट्स ऑफ इण्डिया की नदर्न इण्डिया रीजनल काउन्सेंल (एन.आई.आर.सी.) को भी शिकायती पत्र लिखा है और स्थानीय समिति के मैनेजमेंट के खिलाफ कार्रवाही करने की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि इसी तरह का बर्ताव सिंधी समुदाय के साथ पूर्व में भी

- जेपी नड्डा से डॉ. सतीश पूनिया की मुलाकात, संगठनात्मक मार्गदर्शन लिया

किया गया है। वर्ष 2015 में भी चेटीचंड के पर्व पर आई.सी.एस.आई. के तत्कालीन अध्यक्ष ने एक प्रोफेशनल डवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया था, तब भी सिंधी समुदाय के सदस्यों ने इसका विरोध किया था।

बताया जा रहा है कि वर्ष 2017 में भी 29 मार्च, यानि चेटीचंड के दिन एक प्रोग्राम आयोजित किया गया था जिसमें भी सिंधी समुदाय के सदस्य भाग नहीं ले पाये थे। तत्कालीन अध्यक्ष को भी इस घटनाक्रम को लेकर शिकायत दर्ज की गई थी। इसके बाद इस संगठन के सदस्यों तय किया था कि सभी धार्मिक त्यौहारों की सूची तैयार की जाएगी और आई.सी.एस.आई. भविष्य में किसी समुदाय या व्यक्ति विशेष के सांस्कृतिक व धार्मिक भावनाओं को आहत नहीं करेंगे। और सभी तरह के प्रोगाम उन दिनों पर आयोजित होंगे जिस दिन कोई त्यौहार नहीं होगा।

परन्तु इस वर्ष भी चेटीचंड के अवसर के दिन आई.सी.एस.आई. की मैनेजमेंट समिति ने बैठक व क्रिकेट मैच आयोजित किये जाने के कारण इस संगठन के कई सदस्यों ने आई.सी.एस.आई. के 'ऑल इण्डिया' (केन्द्रीय समिति) समिति को पत्र लिखा है और इन्सीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकान्टेन्ट्स ऑफ इण्डिया की नदर्न इण्डिया रीजनल काउन्सेंल (एन.आई.आर.सी.) को भी शिकायती पत्र लिखा है। इन सदस्यों ने अपना नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि शिकायत पत्र में आई.सी.एस.आई. की जयपुर चैप्टर की मैनेजमेंट समिति के खिलाफ सख्त कार्यवाही की गुहार करी गई है।

मुख्यमंत्री की चेटीचण्ड व नव संवत्सर पर शुभकामनाएं

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव चेटीचंड (30 मार्च) व नव संवत्सर और चैत्र नवरात्र स्थापना के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

शर्मा ने कहा कि वरूण अवतार भगवान श्री झूलेलाल ने सामाजिक सद्भाव, त्याग, समर्पण, प्रेम और अहिंसा जैसे मानवीय मूल्यों की स्थापना कर समाज को उन्नित की राह दिखाई।

शर्मा ने कहा कि चैत्र नवरात्र मातृ शक्ति की आराधना का पर्व है। देवी दुर्गा के नौ रूप मातृ शक्ति की विविधता और महत्ता को दर्शाते हैं। यह पर्व हमें आत्मशुद्धि तथा संयमित जीवन जीने की राह दिखाता है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि वे महिला सशक्तीकरण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

यूटीबी कर्मचारियों ने पैदल यात्रा शुरू की

जयपुर। सेवाएं समाप्त होने से आक्रोशित यूटीबी कर्मचारियों ने की पैदल यात्रा की शुरुआत से की। अपनी मांग को लेकर अजमेर कलेक्ट्रेट से रवाना हुई यात्रा दूदू पहुंची।

स्वास्थ्य भवन जयपुर तक पैदल मार्च करेंगे। राजस्थान यूटीवी कार्मिक एसोसिऐशन के अध्यक्ष गिरीश शर्मा एवं कौशिक पंड्या ने बताया कि समस्त कार्मिक (नर्सिंग ऑफिसर, फार्मासिस्ट, रेडियोग्राफर एवं तकनीशियन) जो कोविड काल से सेवाए दे रहे हैं उन सभी की सेवाए, चिकित्सा विभाग राजस्थान सरकार द्वारा समाप्त कर दी गयी हैं।

कार्मिको द्वारा सरकार को सेवा अभिवृद्धि करने व रिक्त पदो पर समायोजित करने के लिए ज्ञापन एवं धरनों के माध्यम से अथक प्रयास किए गए किन्तु सरकार द्वारा कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया और सभी कर्मचारियों को बेरोजगारी की राह दिखायी गयी।

इसके विरोध स्वरूप मे हम कार्मिक 28 मार्च से अजमेर से जयपुर तक 4 दिवसीय पैदल 28 मार्च की शुरुआत की वह दुदू पहुंची है और 1 अप्रैल को स्वास्थ्य भवन पहुंचेंगे।

पीडब्ल्यूडी प्रदेश में 30 मार्च से शुरू कर कर है सड़क गुणवत्ता निरीक्षण यात्रा

जयपुर। डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड की सड़कों के समुचित रखरखाव में जनभागीदारी बढ़ाने के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रदेश में सड़क गुणवत्ता निरीक्षण यात्रा निकालेगा। तकनीकी शिक्षा विभाग के साथ मिल कर निकाली जा रही यात्रा 30 मार्च रविवार, वर्ष प्रतिपदा से शुरू होगी। इसे सड़क गुणवत्ता निरीक्षण यात्रा के नाम से जाना जाएगा। यह यात्रा श्रीगंगानगर से प्रारम्भ होकर अधिकांश जिला केन्द्रों से होती हुई मई माह के मध्य में बुद्ध पूर्णिमा तक पूरी होगी।

विभाग के मुख्य अभियंता (गुण नियंत्रण) जसवंत खत्री ने बताया कि सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं तकनीकी शिक्षा निदेशालय के संयुक्त तत्वाधान में यह यात्रा निकाली जागी। यात्रा का उद्देश्य "दोष निवारण अवधि (डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड) के अन्तर्गत आने वाली चिन्हित सड़कों के बारें में अभियन्ताओं (सानिवि) एवं अध्ययनरत अभियान्त्रिकी छात्रों में जागरूकता बढ़ाना एवं सड़क सुरक्षा के तकनीकी विषयों के प्रति सामाजिक संवेदना जगाना है। इस यात्रा की शुरुआत में सबसे पहले पौधारोपण,

- जनता बताएगी डिफेक्ट लाइबिलिटी सड़कों की गुणवत्ता की स्थिति
- वर्ष प्रतिपदा से बुद्ध पूर्णिमा तक पूरे प्रदेश को किया जाएगा कवर

"सड़क सुरक्षा" एवं सड़कों के सामान्य गुणवत्ता निरीक्षण के मापदण्डों पर तकनीकी संवाद का आयोजन किया जाएगा। पोलिटेक्निक कॉलेज के छात्र इस यात्रा के बाद अपने अपने क्षेत्रों में जनता से संवाद कर उन्हें जानकारी देंगे।

दोष निवारण अवधि की सड़कों के निर्माण के समय ही उसके एक निश्चित समय तक रखरखाव करने का जिम्मा भी ठेकेदार का होता है। अच्छी गुणवत्ता की सड़कों के लिए यह शर्त लगाई गई है। लेकिन कई बार ये सड़कें समय से पहले ही खराब होना शुरू हो जाती हैं। ऐसे में इस यात्रा के माध्यम से लोगों को इन सड़कों के क्षितग्रस्त होने पर किस तरह से विभाग तक जानकारी पहुंचा सकते हैं यह बताया जाएगा। ताकि सड़कों को उनकी निश्चित अवधि व उसके बाद भी अच्छी स्थिति में बनाए रखा जा सके। श्रीगंगानगर से प्रारम्भ हो यात्रा बीकानेर, सिरोही, उदयपुर, बांसवाड़ा.भीलवाड़ा, टोंक, कोटा, सवाईमाधोपुर, अलवर, जयपुर, अजमेर, पाली, जोधपुर नागौर, झुंझुनूं होते हुए हनुमानगढ़ तक पहुंचेगी।

जयपुर में मिलेगी आईएस व आरएएस की फ्री कोचिंग

जयपुर। उन छात्र-छात्राओं के लिए खुशखबरी है, जो उच्च प्रशासनिक सेवाओं यथा-आईएएस, आईपीएस, आरएएस बनने का सपना देख रहे हैं, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है। उन्हें अब जयपुर की एक संस्था यूपीएससी और आरपीएससी फ्री कोचिंग देगी। इसके लिए छात्रों को एक प्रवेश परीक्षा पास करनी होगी। इससे पहले उन्हें ऑनलाइन पंजीकरण होगा, जिसका कोई शुल्क नहीं है।

सार-समाचार

जयकारों के साथ निकली भगवान श्री झूलेलालजी की शोभायात्रा

जयपुर। भगवान श्री झूलेलाल चेटीचण्ड सिंधी मेला समिति ग्रेटर महानगर की ओर से सिंधी समाज के आराध्य भगवान झूलेलाल जी का जन्मोत्सव को लेकर हर्षोल्लास से मनाए जा रहे चेटीचंड महोत्सव के तहत शनिवार भगवान झूलेलालजी की तृतीय विशाल शोभायात्रा शाही लवाजमे के साथ वरुण पथ, मानसरोवर स्थित भगवान झूलेलाल मंदिर से धूमधाम से निकाली गई। शोभायात्रा को दीप प्रज्वलन के बाद हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। शोभायात्रा में शामिल हजारों की तादाद में शामिल सिंधी समाज के नाचते- गाते पुरुष, महिलाएं व बच्चों समेत समिति पदाधिकारियों व सदस्यों ने भगवान झूलेलालजी के जयकारे लगाए। साथ ही सिंधी समाज के भजन कीर्तन करते हुए आगे बढ़ते गए। शोभायात्रा वरुण पथ से किरण पथ, रजत पथ, हीरा पथ, वीटी रोड, पटेल मार्ग, विजय पथ, थड़ी मार्केट, झूलेलाल चौक, अग्रवाल फार्म से होते हुए बाबा रामदेव मंदिर सेक्टर-11, जोन-115 पर समाप्त हुई। शोभायात्रा के मार्गों पर करीब 50 से अधिक स्टॉल्स लगाई गईं। स्टॉल्स पर कुल्फी, कोल्ड ड्रिंक्स, पानी, समोसे, कचौरी समेत कई तरह की मिठाइयां आदि शोभायात्रा में शामिल लोगों व अन्य लोगों को वितरित की गईं। शोभायात्रा में समिति के मुख्य संयोजक सुन्दर ठाकुर, अध्यक्ष शंकर दुलानी, महासचिव प्रदीप चेलानी, कोषाध्यक्ष काली मामा, कार्यकारिणी अध्यक्ष किशन केसवानी और शोभायात्रा मोटवानी और मेला संयोजक जयप्रकाश बूलचन्दानी समेत कई अन्य पदाधिकारी शामिल हुए।

पत्रकार और जनसंपर्क से जुड़े पेशेवर करेंगे काव्य पाठ

जयपुर। देश के जाने माने पत्रकार दीपक चौरसिया राजस्थान दिवस पर जन-चेतना के सजग संवाहक परिवर्तन संस्थान और राजस्थान यूनिवर्सिटी के आर.ए. पोदार इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होली का हुल्लास और मीडिया एक्सीलेंस अवॉर्ड कार्यक्रम में चीफ गेस्ट बतौर भाग लेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर प्रोफेसर सुधि राजीव और अतिरिक्त आयुक्त (खाद्य सुरक्षा) पंकज ओझा होंगे। संस्थान के अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि होली के हुल्लास कार्यक्रम के इस चतुर्थ संस्करण में मीडिया, पीआर और मीडिया एजुकेशन के क्षेत्र में कार्यरत प्रोफेशनल्स को एक्सीलेंस अवॉर्ड विविध प्रदान किए जाएंगे।

आरएएस की बहन के हत्यारे को आजीवन कारावास

जयपुर। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-4 महानगर प्रथम ने कुत्ता घुमाने की बात पर चार साल पहले आरएएस अधिकारी युगांतर शर्मा की बहन विज्ञा शर्मा की हत्या करने वाले पडोसी युवक कृष्णकांत शर्मा को आजीवन कारावास की सजा सुनवाई है। इसके साथ ही पीठासीन अधिकारी रविकांत जिंदल ने अभियुक्त युवक पर साठ हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने डीएनए रिपोर्ट व मेडिकल साक्ष्य सहित 35 गवाहों के बयानों और अभियुक्त के चेहरे पर आए निशानों के आधार पर माना कि उसने ही महिला की गला घोंटकर हत्या की है।

चाचा की हत्या करने वाले को आजीवन कारावास

जयपुर। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-3 महानगर द्वितीय ने चाचा की गला घोंटकर हत्या करने वाले भतीजे राज अग्रवाल को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही लाश छिपाने में सहयोग करने वाले दोस्त प्रकाश अग्रवाल को पांच साल की सजा दी है। अदालत ने दोनों अभियुक्तों पर कुल पचास हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी रुबीना परवीन अंसारी ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने न केवल अपने चाचा की हत्या की, बल्कि उसकी लाश को अपने दोस्त के सहयोग से जमीन में गड्ढा खोदकर छिपाने की कोशिश भी की।

फूलों की होली खेली

जयपुर। ऑल राजस्थान जाट एडवोकेट्स एसोसिएशन ने पिंकसिटी प्रेस क्लब, में भव्य होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया। जिसमें 300 से अधिक जाट अधिवक्ताओं ने उल्लासपूर्वक भाग लेकर इस सांस्कृतिक उत्सव में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस कार्यक्रम में पूर्व चेयरमैन, बार काउंसिल ऑफ इंडिया बीरी सिंह सिनसिनवार, यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा, विधायक संजीव बेनीवाल, रामस्वरूप लांबा मौजूद रहे।

राम-कृष्ण भक्ति से सराबोर हुए

जयपुर। जवाहर कला केंद्र की ओर से राजस्थान दिवस समारोह के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में शनिवार को भक्ति प्रवाह का आयोजन हुआ जहां पं. आलोक भट्ट व समूह ने भक्ति से राष्ट्रभक्ति तक विभिन्न गीत व भजन प्रस्तुत किए। इसी कड़ी में पाक्षिक नाट्यय योजना के अंतर्गत हर्षित वर्मा के निर्देशन में नाटक 'कौव्वों की पाठशाला' का मंचन हुआ। जिसमें पढ़ाई करने के लिए शांति की खोज में अपने दोस्त के घर पहुंचे युवक के संघर्ष को हास्यमय ढंग से प्रस्तुत किया गया।

ARBiT
it happens here...

A Call for Sustainable Living

Observed annually on March 30, the International Day of Zero Waste promotes sustainable consumption, waste reduction, and environmental responsibility. Initiated by the United Nations, this day highlights the urgent need to minimize waste generation, encourage recycling, and adopt eco-friendly practices. With landfills overflowing and pollution escalating, zero-waste strategies play a crucial role in combating climate change. Governments, businesses, and individuals are urged to embrace circular economies, reduce plastic use, and support responsible disposal methods. By making conscious choices, we can protect natural resources and build a cleaner, greener future for generations to come. Every action counts!

राष्ट्रदूत
SUNDAY
30 March 2025
A-B

#SMART EMAIL PROTECTION

Use a Decoy Address to Stay Safe Online

In the digital age, protecting your personal information is more crucial than ever.

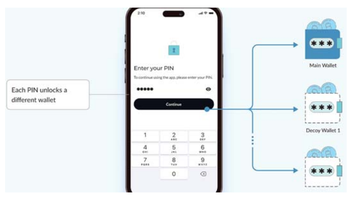

Imagine this: You're browsing online and come across an exciting giveaway for the latest smartphone. All you need to do is enter your email. A few days later, your inbox is flooded with promotional emails, suspicious links, and even phishing attempts pretending to be from well-known brands. Sounds familiar?

This happens all the time. Whether it's signing up for a discount, downloading a free e-book, or registering for a new app, sharing your email with unknown websites can quickly turn into a security nightmare. The solution? Use a decoy email address to protect your primary inbox from spam, scams, and potential data breaches. Let's explore how this simple habit can safeguard your online privacy.

What Is a Decoy Email Address?

A decoy email is a secondary email account that you use, instead of your primary one, when signing up for non-essential services. This prevents your main inbox from being flooded with spam and shields you from data leaks.

Why You Should Use a Decoy Email

1. *Avoid Spam Overload*- Many websites sell user data to advertisers, leading to an influx of unwanted emails. A decoy address keeps your personal inbox clean.
2. *Reduce Security Risks*- Data breaches happen frequently. If a service you signed up for is hacked, only your disposable email is compromised, not your primary one.
3. *Protect Your Privacy*- Using a decoy email makes it harder for companies to track your online behaviour and link your activities across platforms.
4. *Prevent Phishing Attacks*- Cybercriminals often use fake emails pretending to be from trusted sources. Keeping your real email private reduces your exposure to such scams.

How to Set Up a Decoy Email Address

1. *Create a Free Email Account*- Use services like Gmail, Outlook, or Proton Mail to generate a secondary address.
2. *Use Temporary Email Services*- Platforms like Temp Mail, Guerrilla Mail, or 10 Minute Mail provide disposable email addresses that self-destruct after a short time.
3. *Enable Email Forwarding*- If you still want to keep track of messages, set up forwarding from your decoy account to your main one, filtering out unnecessary emails.
4. *Use a Custom Domain*- For extra security, consider registering a domain and creating multiple email aliases for different purposes.

When to Use a Decoy Email

- Signing up for online giveaways, promotions, or newsletters.
- Downloading free e-books, software, or white papers.
- Registering on forums or discussion boards.
- Creating trial accounts for services you may not continue using.

Final Thought

Your email address is a gateway to your personal data. By using a decoy email for non-critical sign-ups, you can protect your privacy, reduce spam, and lower your risk of cyber threats. Take this simple step today, and keep your inbox secure!

This news exploded in Calcutta. "Thousands of Brahmins gathered on the banks of the Ganges river, locally called the *Hooghly*, and began fasting to death to punish the businessmen who had adulterated ghee," writes Hardgrove. The Brahmins also declared that those who felt they might have contaminated themselves by eating the adulterated ghee could purify themselves by conducting a Homam on the banks of the river. Hardgrove quotes Lord Zetland, the governor of Bengal, who wrote in his memoir that by August 19, between 4,000 and 5,000 people were undergoing purification.

Ghee Me Milawat??

● Vikram Doctor

The Spectator was vehement: "We may imagine, therefore, the horror of that immense community at the adulterated ghee, the eagerness to put down the accursed thing, the spirit in which the action of the Government would be scrutinised the moment the offence was made known." The London weekly declared that failure to act would mean that 'it was an accursed Government, not to be obeyed by anyone to whom the lotus was a symbol…'

Had the world's oldest continuously published magazine suddenly taken a rather bombastic interest in Tirupati's ghee turmoil? Was it really advocating protests from members of the Bharatiya Janata Party?

In reality, those words are from *The Spectator* issue of September 25, 1886 and lotus was already shorthand for Hindus. The article referred to allegations of adulteration in Bengal and commended the Calcutta authorities for rapidly defusing the situation by drafting a law to ensure the purity of ghee.

Andhra Pradesh Chief Minister N Chandrababu Naidu's allegations about the ghee used in *laddus* at the Tirupati temple caused much speculation about the political games at play. But claims and rumours about ghee and edible fats, in general, which result in social and political tensions, are nothing new. Even the crisis management strategy used by the Tirumala Tirupati Devasthanams, of a four-hour Homam purification rite, was prefigured in another Calcutta controversy almost 100 years ago.

This broke out in 1917 and targeted Calcutta's Marwari community. In *Community and Public Culture*, historian Anne Hardgrove's study of the community, she notes how the rumours of adulterated ghee were accompanied by fears of the decline and displacement of Bengalis, "Marwaris and other 'up-country' Hindus were perceived as replacing the Bengalis in trading and shopkeeping, the production of sweets was now perceived to live in Marwari hands." She quotes one report from a local newspaper proclaiming that "unless the practice of adulteration is put to a stop at an early date, the Bengali race will become extinct."

It was against this charged background that the Marwari Association decided to be proactive in detecting ghee adulteration. On July 22, a meeting was held to examine charges against specific merchants, who denied wrongdoing. But a few days later, Hardgrove writes that "the founders of the Association, Ranglal Poddar, Ramdev Chokhany and others, conducted a surprise inspection in which they collected two or three tins of ghee from the storage godowns of every ghee businessman." These were sent for testing and, sensationally, out of 67 samples of ghee, only seven were found to be pure.

This news exploded in Calcutta. "Thousands of Brahmins gathered on the banks of the Ganges river, locally called the *Hooghly*, and began fasting to death to punish the businessmen who had adulterated ghee," writes Hardgrove. The Brahmins also declared that those who felt they might have contaminated themselves by eating the adulterated ghee could purify themselves by conducting a Homam on the banks of the river. Hardgrove quotes Lord Zetland, the governor of Bengal, who wrote in his memoir that by August 19, between 4,000 and 5,000 people were undergoing purification. August 19 was also the date on which the Marwari Association, which had earlier faced internal dissensions, came together with a hastily convened *panchayat* of 100 people to decide how to punish the guilty. Heavy fines were levied on the accused and those who refuse to pay were boycotted for periods ranging from one year to life. "In all, Rs. 75,000 were collected, and the money was used to purchase pasture land at the pilgrimage site of Vrindavan, where ghee could be produced," writes Hardgrove. "On hearing this, the crowds of fasting Brahmins called off their action and the matter was declared resolved." Hardgrove speculates that this all might have been a performance. "The numerous links between Marwaris and Brahmins in other social contexts leads me to suggest that the Marwaris themselves were the ones to stage the event as a public solution to the ghee crisis." In this reading, the whole drama was a daring response to growing distrust of Marwaris and their role in the ghee trade. Instead of letting suspicions mount dangerously, the Marwari Association might have invoked the authority of British scientists, who analysed the samples, and then admitted the guilt of some members (possibly settling internal scores in the process). The spectacle on the Hooghly and the punishments from the panchayat helped proclaim their sincere commitment to pure ghee. It might be like a savvy politician coming to learn of potential ghee problems at a famous shrine and taking preventive action by exposing it, to blame it on a political rival.

#ADULTERATION

Fat cats

The single certain point is that suspicions about quality and envy over profits have always been intrinsic to the trade in fats like ghee. This is because, since ancient times, production of fats was the one food processing task outsourced from homes. People grew their own grains and vegetables, raised and slaughtered livestock, ground their own flour and even brewed their own alcohol, but the fats, whether solid (butter, ghee) or liquid (oils) needed for cooking, lighting, greasing and other uses, was usually obtained from outside sources.

People, who kept cows, could make their own butter, but even then, there were lean seasons when milk flow stopped. Ghee, which is cooked to remove water and develop compounds that prevent rancidity, was probably developed for exactly these periods. But not everyone kept cows, and even those who did often needed to get extra supplies from outside. Many people have memories of skimming cream from milk and saving that to make ghee at home, but the amounts produced rarely matched their requirements.

In coastal areas like Goa, coconut trees were another easy source of fat, so important that leases usually stipulate that landlords still collect the nuts for oil. As with home-made ghee, some oil could be made at home by making and then boiling coconut milk. This makes a wonderfully fresh, light and aromatic oil, but again, the quantity is relatively small. The bulk of coconut oil requires drying the copra and then sending it for pressing in an oil mill. Oil pressing is, given the slippery, sticky nature of fats, always a messy job and usually done by specialised communities. When the Bene Israel Jews arrived on the Konkan coast, according to legend around 175 BCE, they took up oil pressing and this, combined with their practice of keeping the Sabbath on Saturdays, resulted in the community being referred to as *Shaniwar Telis*. Because of strict *kosher laws* on which animals can be consumed and against mixing different food sources, Jewish communities have historically always been careful about the fats they consume, which extended to making and trading in it to be sure.

Traditional oil mills, usually powered by animals, have often been seen as rather sacred or scary spaces, best avoided except by those who work there. In *Birds, Beasts and Relatives*, Gerald Durrell's memoir of life on Corfu, he recalls that the local olive press as 'a gaunt, gloomy building, presided over by Papa Demetrios, a tough old man, as twisted and bent as the olive trees themselves.' Inside was a circular trough with a grindstone tied to a wooden strut harnessed to a horse, blindfolded to prevent it getting giddy as it kept pushing around the press. The local peasants 'would deliver their olives, and depart from the press with all speed. Because you were never certain whether anybody like Papa Demetrios might not have the evil eye.' This could describe, down to the similar design and dodgy reputation, oil presses across much of the world. Only the animals might differ, with oxen, mules, donkey and camels all being used, but nearly always blindfolded the same way. In rare cases, like in prison for punishment, humans were also used to turn the oil press. Fats were also produced by scraping it from animal skin and organs and rendering it, which meant gently heating to melt and separate it from animal tissues. This was an even messier, smellier job. Ghee was comparatively easier to make, which probably added to its reputation for purity. Milk was made into yoghurt and then churned to make a slightly sour butter, or cream was separated and then churned for a sweeter butter. The butter was then heated, first to evaporate water and then to brown the milk solids, giving ghee its characteristic taste. The distinction between ghee made from yoghurt or cream butter was historically important, and Ayurveda still prefers the former. There were regional variations in the extent to which ghee was browned, and also stored. Cooks in Lucknow prized aged ghee, while some districts in Bengal produce a richly browned ghee. Ghee also came from the milk of different animals, most commonly buffaloes, but the milk of goats, sheep and camels can all be used to make it. Some market is developing for these ghees now, but it was all commonly mixed in the general milk supply in the past, one name for it was *SheGoGo milk*.

India also had historical sources of vegetable fats apart from coconut. One of the most ancient is the seeds of sal trees, which are collected by tribal communities and boiled to separate their fat. Fats are also harvested from trees like *kokum* and *mahua*, all usually solid at room temperatures. Sesame is one of the most ancient Indian oils, which can be seen by how its name *til* became synonymous with *tel* or oil of all kinds. The seeds of mustard, castor, safflower and niger have all been pressed for oil, with groundnut and palm oil becoming more recent sources. And now, there are oils extracted by chemical solvents, like rice bran oil.

Diversified industry

This all adds up to a huge, ancient and very diversified industry. This has several implications. Not seeing the fats being made tended to make people suspicious, could they be sure about what they were getting? It doesn't help that fats tend to be invisible in cooking, meaning that their presence is evident in foods fried or kneaded with them, but you rarely observe and consume them directly, other than buttering bread or dipping it in extra virgin olive oil. Even when uncooked, fats are easily combined, so, it can be hard to tell when different oils are mixed, or solid fats, either vegetable or animal based, are mixed with ghee. Cooks have a few superficial tests, like rubbing on the hand or tasting, but the reality is that adulterating fats is alarmingly easy.

Hence, the importance of scientific tests, as the Marwari Association, was realised in 1917. But it is quite a mistake to imagine that there is a settled science of testing fats. In parallel with the controversies over ghee in the public press, there were ongoing debates in scientific journals over how to test fats. In June 1933, for example, *Current Science* devoted several pages to 'The Ghee Problem in India.' The publication reported on a special symposium jointly held in Bangalore by the South Indian Sciences Association, the Society of Biological Indian Chemists and the Madras branch of the Indian Chemical Society on the question of ghee detection.

What emerges from the reports is the difficulty in testing when the sources of adulteration could be so many. Even 'pure ghee' was diverse, depending on the animals it was sourced from and how it was made. And then, there was margarine. This was a solid fat, like ghee, manufactured in several ways, but in India, most commonly through the hydrogenation of vegetable oils. Some speakers like YV Srikanteswara Iyer excoriated such fats for 'very baneful effects regarding the digestion on those who consumed them.' But Dr. R Bhattacharjee countered that "it is always better to consume a standard, pure and refined substitute than a product adulterated with unknown and undesirable constituents mixed up by ignorant and unscrupulous traders."

Manufactured fats would complicate the fats issue even further. The earliest forms of margarine in the 19th century used animal fats like beef tallow mixed with milk to give a creamy substance like butter. The discovery of hydrogenation meant that vegetable fats could be used, but animal fats continued to be used in parts of the world. Whale oil, in particular, was once a huge (and hugely cruel) industry and used by companies like Lever Brothers (now Unilever) to make margarine in Europe. In the 1930s, Arthur Imhausen, a German chemist, even found a way to make 'coal butter,' an edible fat derived from paraffin wax.

This leads to the most complicating factor of outsourcing fat production. Since people had to obtain it, by barter or payment, fats became the foundation of some of the earliest systems of trade. The Roman empire developed a huge trade in olive oil, from Spain and North Africa, which went across the empire in giant earthen jars. An artificially created hill grew in Rome called Monte Testaccio, made from testae, the bits of broken jars used to transport olive oil. It was perhaps the earliest example of a landscape transformed by garbage.

Trading in fat led to fortune, and envy. As the example of Calcutta's Marwaris shows, people might need fats but are not happy to have to pay for them. Across the world, fat-based fortunes caused resentment, which proved fertile ground for accusations about adulteration. It created a no-win situation. If fats were cheap, they were seen as inferior or likely to be adulterated, but if they were expensive, people resented paying for them and started spreading rumours that they were adulterated, which probably led to some traders adulterating them anyway.

The growth of manufactured fats like margarine added marketing to this mix. Procter & Gamble, founded by a candle-maker and soap-maker (both users of fats), and Unilever, founded by the merger of soap- and margarine-making firms, corporatised the trade in fats. They funded palm oil plantations, developed new sources of oils like cottonseed and invested huge amounts of money in creating markets for edible fats.

Their success pushed the development of local competitors like Tata Oil Mills and Godrej, creating some of the first really competitive consumer brands. They set a pattern that has persisted with fats, sell your own by seeding doubts about the quality of the competition. All this causes confusion, which the marketers of fats hope to profit from. But in India, marketing confusions turn far more vicious when accusations of adulteration by animal fats are made. This has come from all sides of the fats business, and in many malign variations. In 1927, for example, a brand named *Veejem* claimed to be better than ghee because it was made from animals that could be unhealthy, and could also be adulterated with unknown fats. Veejem called itself vegetable ghee, a term that has caused endless confusion since most ghee consumers assumed it was vegetarian anyway.

The 1917 Calcutta controversy was an inter-Hindu one, but others have easily crossed communal boundaries. The Spectator article of 1886 worried about exactly this, with reports of pigs lard being used to adulterate ghee along with beef and mutton tallow. Coming less that 30 years after the rising of 1857, the potential for trouble was obvious: "the people, influenced no doubt by the senseless talk of the more prejudiced Europeans, believe that the Government would gladly be rid of caste as the first step towards making the population Christian, and would therefore be capable of plotting a breach of caste rules…"

In the Tirupati case, 138 years later, it didn't take long for similar allegations to be made. The usual sources started talking about Naidu's political opponent YSR Congress' Jagan Mohan Reddy being a secret Christian and plotting to build a church on Tirupati. It is absurd to imagine any politician, whose only real religion is the pursuit of power, trying to do something as crudely stupid, just as it is absurd to imagine a large corporation risking its business by using animal fats in ghee or vegetarian products of any kind. Yet, such rumours still circulate, and will continue to do so, powered by the opacity of the trade in fats and our centuries long unease in what it might entail.

rajeshsharma1049@gmail.com

#NAVRATRI COUTURE

Embrace the Nine Colours with Traditional Elegance

As Chaitra Navratri kicks off today, let's take a vibrant journey through the nine colours and how you can turn heads in festive splendour!

Get ready to twirl, shimmer, and shine as Navratri arrives in all its glory! This festival of devotion, dance, and dazzling fashion is the perfect time to flaunt your ethnic best while soaking in divine energy. Each of the nine days is dedicated to a powerful form of Goddess Durga, and what better way to honour her than by dressing in the auspicious colour of the day? As Chaitra Navratri kicks off on March 30, 2025, let's take a vibrant journey through the nine colours and how you can turn heads in festive splendour!

Day 1: Ignite in Orange

Step into the festival with a burst of fiery energy! Orange represents enthusiasm and new beginnings. Ladies, an orange *lehenga* with golden embroidery will make you the star of the night, while gentlemen can embrace tradition with an orange *kurta* paired with an embroidered Nehru jacket.

Day 2: Glow in White

Grace and serenity take center stage with the purity of white. A flowing white *saree* with delicate silver *zari* work is effortlessly chic, while men can go for a crisp white *kurta* with a royal blue or red *dupatta* to add a stylish contrast.

Day 3: Flaunt in Red

Red, the colour of power and passion! A *Banarasi* silk saree with gold accents will give you that royal goddess look, and for men, a deep red *sherwani* or silk *kurta* will make you stand out in the sea of dancers.

Day 4: Dazzle in Royal Blue

Channel divine energy with the richness of royal blue! A navy blue *sharara* set with mirror work will have you twinkling like the night sky, while men can elevate their festive look with a structured *bandhgala* or a classic *kurta-jacket* combo.

Day 5: Shine in Yellow

Radiate sunshine and joy in bright, happy yellow! A breezy chiffon saree or a flared *lehenga* with golden embroidery is a perfect pick. Men can light up the festivities in a vibrant yellow silk *kurta*, paired with beige or white trousers for a sophisticated touch.

Day 6: Bloom in Green

Green symbolizes prosperity and rejuvenation. Embrace the spirit of nature with an emerald green *Anarkali* or a silk saree with intricate motifs. Men can opt for a regal green *kurta* with gold embellishments or a stylish printed Nehru jacket.

Day 7: Gleam in Grey

Understated yet elegant, grey is all about balance. Add a modern twist with a silver-grey saree with sequin work, or a fusion Indo-western outfit. Men can experiment with a charcoal grey *bandhgala* or a dapper jacket over a traditional kurta.

Day 8: Reign in Purple

Unleash your inner royalty with deep, luxurious purple! A rich velvet saree with gold embroidery or an opulent *lehenga* will ensure that all eyes are on you. Men can opt for a deep purple Nehru jacket over a white or beige kurta for a polished look.

Day 9: Enchant in Peacock Green

The final night of Navratri calls for a grand, majestic statement! Peacock green, with its hints of blue, symbolizes wisdom and prosperity. A peacock green *Kanjeevaram* saree or an embroidered *lehenga* will capture the festive essence. Men can complete the look with a *Jodhpuri* suit in a rich green shade. Embrace the festive fever, mix and match your accessories, and step out looking nothing less than divine!

THE WALL

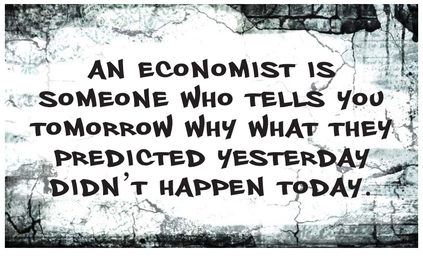

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

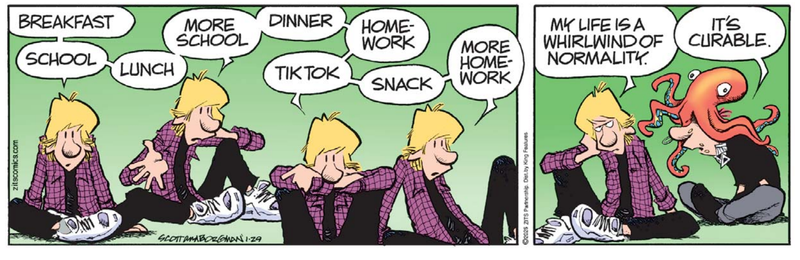

भाजपा मंडल अध्यक्ष के साथ हुई मारपीट व लूट का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

बेटी व बेटे ने प्रेमी व दोस्तों के संग मिलकर डकैती की योजना बनाई थी

डूंगरपुर, (निसं)। गणेशपुर थानान्तर्गत गत 22 मार्च को एक कार में जा रहे भाजपा मण्डल अध्यक्ष पर हुए जानलेवा हमले व डकैती का एक सप्ताह में ही खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जिसमें मुख्य आरोपी प्रार्थी के पुत्र व पुत्री के साथ प्रेमी भी सम्मिलित था, जिन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया था। यही नहीं पूरी योजना को दो लाख रूपये की सुपारी देकर करने के लिए तैयार किये थे, लेकिन घटना में भाजपा मण्डल अध्यक्ष अपनी सजगता से जान बचाकर भागने में सफल हो गये थे।

दोवड़ा थाना पुलिस ने लूट व मारपीट मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- वारदात में प्रयुक्त बोलेरो वाहन, स्कूटी व दो तलवार जब्त की

गणेशपुर पुलिस ने बताया कि 22 मार्च को भाजपा मण्डल अध्यक्ष रामजी पुत्र पूंजाजी पटेल निवासी गणेशपुर ने दोवड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि शाम को मैं तथा मेर साथ राजेन्द्र पिता जगजी पटेल निवासी टाटीया हम दोनों मेरी कार से देवला से गणेशपुर की तरफ आ रहे थे कि रतनपुरा-देवला मोड़ पर पहुंचे कि अचानक से रतनपुरा की तरफ से एक बोलेरो कार बिना नम्बरी तेज गति से आयी तथा मेरी कार को ओवरटेक कर बोलेरो चालक ने बोलेरो मेरी कार के आगे लगा कर मुझे रोक लिया तथा बोलेरो कार में से 4-5 व्यक्ति हाथों में लट्ठ व तलवार लेकर नीचे उतरे तथा आते ही मेरी कार पर लट्ठ मारने शुरू कर दिये तथा जिस पर में तथा मेरे साथी राजु कार से निकल कर हमारी जान बचा कर भागे तो वह लोग मुझे मारने लट्ठ लेकर पीछे दौड़े तथा एक लट्ठ मुझे पीठ पर पर व हाथ पर मारा उसके बाद में भाग गया तथा बोलेरो लेकर भाग गये। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विशेष टीम का गठन किया तथा 70-80 जगह के सीसीटीवी कैमरे खंगाले गये। दर्जनो संदिग्धों से पूछताछ की गई। उसी दौरान प्रार्थी की पुत्री अंजली पाटीदार की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर महिला कानि. की मौजूदगी मे पूछताछ की गई तो उसने बताया कि पारिवारिक कलह के चलते भाई-बहिन ने पूरी योजना अंजली के प्रेमी शिवम पाटीदार को बताई जिस पर शिवम पाटीदार ने अपने मित्र निखिल जोशी को शामिल किया। निखिल जोशी ने इस कार्य के लिए अपने पुराने मित्र 108 एम्बुलेंस के चालक शैलेश मीणा को करीब 2 लाख रूपये में इस काम को करने की सुपारी दिलवाई। शैलेष ने अपने 4 अन्य दोस्तों को साथ लिया व उक्त घटना को अंजाम दिया। जिनके द्वारा 22 मार्च को तय योजना के मुताबिक रामजी पाटीदार का करीब 7-8 घण्टों तक बोलेरो कार व स्कूटी से रैकी कर रामजी पाटीदार को देवला-गणेशपुर मार्ग पर रास्ते में रोक मारपीट शुरू कर दी परन्तु रोड पर अन्य राहगीर आ जाने पर अभियुक्त नगदी, मोबाइल व कार की चाबी लूटकर फरार हो गए।

इस मामले में फिलहाल तीन आरोपी फरार है जब कि प्रेमिका सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किये गये आरोपियों में जयदीप उर्फ शिवम पुत्र योगेश पाटीदार निवासी दामडी, हितेष पुत्र रामजी पाटीदार निवासी गणेशपुर, अंजली पुत्री रामजी पाटीदार निवासी गणेशपुर, निखिल पुत्र नरेन्द्र जोशी निवासी दामडी, शैलेष पुत्र रमेश सुरात मीणा निवासी भीण्डा तथा सचिन पुत्र रामलाल बलात निवासी मझौला को गिरफ्तार कर लिया है। जिस पर सभी को बाद पूछताछ गिरफतार किया जाकर प्रकरण में अग्रिम अनुसंधान जारी है।

इस तरह दी जानकारी:- अंजली पाटीदार ने अपने प्रेमी शिवम पाटीदार को सोशल मीडिया एप पर अपने पिता के आने जाने वाले रास्तों के फोटोग्राफ व जिस जगह घटना करनी है उसकी लोकेशन भेजी थी और घटना के पूर्व जयदीप उर्फ शिवम पाटीदार ने शैलेष मीणा को घटना के आसपास पूरे क्षेत्र की रैकी करवाई थी।

जल संसाधन कार्यालय में आकर एक्सईएन को धमकी दी

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले के जल संसाधन विभाग कार्यालय में आकर राजकार्य में बाधा उत्पन्न करने, अधिशाषी अभियंता के साथ गाली-गलौज करने, केस कर जेल भिजवाने व गाड़ी चढ़ाकर मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस संबंध में अधिशाषी अभियंता की रिपोर्ट के आधार पर नोहर पुलिस थाना में एक नामजद व चार-पांच अन्य व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

- आरोपी ने साथियों के साथ गाड़ी से कुचलने की धमकी दी
- एक नामजद व चार-पांच अन्य व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ

पुलिस के अनुसार जल संसाधन खण्ड नोहर के अधिशाषी अभियंता राजेन्द्र सिंह पुत्र डोरीलाल जाटव निवासी गांव मदैम, तहसील महावन जिला मथुरा, उत्तर प्रदेश ने लिखित रिपोर्ट पेश करते हुए बताया कि वह गुरुवार को अपने कार्यालय में राजकीय कार्य में व्यस्त था। तभी सुबह 11.30 के आसपास सुरेन्द्र उर्फ सिंदा पुत्र हेमराज खीचड़ निवासी चारणवासी तहसील नोहर अपने चार-पांच साथियों के साथ अपने राजकीय कार्य के संबंध में उससे मिलने आया। वह अपने व्यस्त समय में से समय निकालकर उनसे मिला। सुरेन्द्र उर्फ सिंदा ने अपनी बात रखी और उसने उन्हें बड़ी शालीनता से नियमानुसार कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। परन्तु सुरेन्द्र उसके आश्वासन से संतुष्ट नहीं हुआ। उस पर अवमानना करने के लिए न्यायालय में केस करने व छह महीने की जेल या सजा करवाने की धमकी दी। उसके बार-बार निवेदन करने के बाद भी यह लोग कार्यालय में बैठे रहे।

दोपहर बारह बजे से मुख्य अभियंता जल संसाधन उत्तर हनुमानगढ़ की ओर से ली जा रही वीसी के दौरान भी बार-बार आकर राजकार्य में बाधा डालते रहे। उसे देख लेने की धमकी देने लगे और गाली-गलौज करते हुए करीब दोपहर 12.40 के आसपास कार्यालय से चले गए। इसके बाद सुरेन्द्र अपने साथियों के साथ एक बार फिर उससे किसी एप्लिकेशन को मार्क करवाने के लिए शाम करीब चार बजे आया और उससे कुछ कागज पर साइन करवाने और कुछ कागज देने के लिए कहा। तब उसने कहा कि मार्च माह का अंतिम समय चल रहा है। अप्रैल के प्रथम सप्ताह में उसे पत्र/रिकॉर्ड उपलब्ध करवा दिया जाएगा। परन्तु फिर एक बार सुरेन्द्र उससे अभद्र भाषा में बात करने लगा और टेबल पर रखी हुई फाइल को गुस्से में आकर फेंक दिया और कहा कि उसे कल ही कागज चाहिए वर्ना वह देख लेगा।

धमकी देते हुए यह लोग उसके कक्ष से बाहर चले गए। इसके बाद शाम 5.30 के आसपास जब वह अपने कक्ष से बाहर निकला तो लॉबी में वाटर कूलर के पास सुरेन्द्र खड़ा था। जब उसने सुरेन्द्र से पूछा कि वह अभी यहीं है तो सुरेन्द्र उस पर भड़क गया तथा उसे कॉलर से पकड़ कर मारने पर उतारू हो गया। उसके स्टाफ के लोगों तथा उसने खुद सुरेन्द्र को धक्का मारा तो सुरेन्द्र उसे कहने लगा कि वह उस पर गाड़ी चढ़ा कर उसे मार देगा। आसपास के लोगों ने उसका बचाव किया। तब सुरेन्द्र ने कहा कि उसने एक थानेदार को सस्पेंड करवा दिया है। उसकी पत्नी पुलिस में है।

इस घटनाक्रम के समय उसके स्टाफ के कार्मिक सहायक अभियंता मुकेश कुमार, खण्डीय लेखाकार रोहित बलिहारा, वरिष्ठ सहायक विनोद भाटी, कनिष्ठ सहायक विनोद कुमार तथा ठेकेदार मदन, ड्राइवर सुभाष इत्यादि मौजूद थे। यह सब देखकर वह सदमे में आ गया तथा पूरी रात सो नहीं सका। वह मानसिक पीड़ा भुगत रहा है और उसे अपनी जान की सुरक्षा का भय है। पुलिस ने अधिशाषी अभियंता की रिपोर्ट के आधार पर बीएनएस की धाराओं व एससी/एसटी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। अनुसंधान नोहर वृत के वृताधिकारी ईश्वर सिंह कर रहे हैं।

पालिका ईओ पर महिला कर्मचारी ने अभद्र व्यवहार का आरोप लगाया

पावटा, (निसं)। विराटनगर नगर पालिका में महिला कर्मचारी के साथ ईओ व महिला सहायक कर्मचारी विराटनगर नगरपालिका व ईओ के साले द्वारा अभद्र व्यवहार व पर्सनल बातें मनवाने के लिए दवाब देने व बात नहीं मानने पर कार्यालय से बाहर निकालने को लेकर विराट नगर नगर पालिका में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत एक महिला कर्मचारी ने विराटनगर उपखंड अधिकारी को जिला कलेक्टर के नाम लिखित में शिकायत दी है।

- पर्सनल बातें मनवाने के लिए दबाव देने व बात नहीं मानने पर कार्यालय से बाहर निकालने का आरोप लगाया
- महिला कर्मचारी ने विराटनगर उपखंड अधिकारी को जिला कलेक्टर के नाम लिखित में शिकायत दी

महिला कर्मचारी कंप्यूटर ऑपरेटर ने बताया कि कुछ दिन पूर्व बारह माह से बकाया चल रहे वेतन को लेकर जब उनसे कार्यालय में मिलने गई तो अधिशासी अधिकारी फतेह सिंह मीणा व उनके साले देशराज मीणा निवासी द्वारापुर थानागाजी ने महिला कार्मिक से धक्का-मुक्की कर कार्यालय से बाहर निकाला व उनसे अभद्र व्यवहार करते हुए अपशब्दों का प्रयोग किया। वहीं फोन करने पर अधिशासी अधिकारी फतेह सिंह मीणा द्वारा मेरी निजी लज्जा भंग करने जैसे शब्दों का प्रयोग किया गया। इस पूरे घटनाक्रम से पीड़िता महिला कर्मचारी मानसिक रूप से परेशान है। वहीं पीड़िता महिला कर्मचारी ने स्वयं के साथ कुछ गलत होने पर अधिशासी अधिकारी फतेह सिंह मीणा विराटनगर नगरपालिका, एक महिला सहायक कर्मचारी विराटनगर नगरपालिका, देशराज मीणा ईओ फतेह सिंह मीणा का साला व नगरपालिका प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया है।

ईओ फतेह सिंह मीणा ने बताया कि कर्मचारी ठेके पर नगरपालिका में कार्यरत थे, जिन्हें पूर्व में नगर पालिका से हटा दिया गया। वह पालिका से बकाया वेतन की मांग को लेकर झूठे व अनर्गल आरोप लगा रही है।

उपखंड अधिकारी विराटनगर अमिता मान ने बताया कि महिला कर्मचारी द्वारा शिकायत प्राप्त हुई है। इसको लेकर दो दिवस में स्पष्टीकरण मांगा गया है। वहीं दोनों पहलुओं को सुनकर आगे की जांच की जाएगी।

रुपए चोरी करते हुए एक व्यक्ति को पकड़ा

मंडफिया, (निसं)। भादसोड़ा चौराहा स्थित प्राकट्यय स्थल भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंदिर के भंडार की गिनती के समय एक व्यक्ति को रुपए चोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़ा।

मंदिर के कार्यकारी अधिकारी प्रहलाद राय सोनी ने बताया कि एक व्यक्ति को भंडार की गिनती में से 500-500 रुपए के नोट चुराते हुए मंदिर कर्मचारी ने रंगे हाथ पकड़ा। मंदिर कर्मचारियों ने उक्त व्यक्ति को पकड़कर चुराए गए रुपए गिनती के ढेर में डलवाए एवं पुलिस को सूचना दी गई। भादसोड़ा थाना अधिकारी घेवरचंद ने बताया कि मंदिर कमेटी की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची एवं व्यक्ति की तलाशी ली तो उस व्यक्ति के पास कुछ भी नहीं मिला।

बाल सम्प्रेषण एवं किशोर गृह पालड़ी का निरीक्षण

भीलवाड़ा, (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार अभय जैन, (जिला एवं सेशन न्यायाधीश), अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भीलवाड़ा ने जिले में संचालित राजकीय सम्प्रेषण एवं किशोर गृह, पालड़ी का आकस्मिक निरीक्षण किया।

जिला व सेशन न्यायाधीश अभय जैन ने बाल सम्प्रेषण गृह का निरीक्षण कर निर्देश दिये।

जिला व सेशन न्यायाधीश अभय जैन ने प्रिंसीपल मजिस्ट्रेट देवागंनी ओदिच्य से किशोरों के लंबित प्रकरणों एवं उनकी प्रगति के बारे में जानकारी ली। अधीक्षक गौरव सारस्वत से किशोरों के स्वास्थ्य तथा उनको दी जा रही अन्य चिकित्सा सुविधाओं, भोजन व अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण में साफ-सफाई, भोजन आहार की व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा, बालगृह का वातावरण एवं वहां किशोरों के रखने की व्यवस्था व बालकों के हितों की रक्षा आदि को देखा गया। जिला एंव सेशन न्यायाधीश ने परिसर में साफ-सफाई रखने एव अन्य आवश्यक निर्देश संबधित अधिकारी को दिए। इस दौरान विशाल भार्गव, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भीलवाड़ा भी उपस्थित थे।

तिलवाड़ा के मल्लिनाथ अश्व मेला में प्रतियोगिताएं हुई

पूर्व महाराजा गज सिंह ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

जोधपुर, (का.सं.)। पूर्व महाराजा गज सिंह के मुख्य संरक्षण में अखिल भारतीय मारवाड़ी अश्व संस्था जोधपुर द्वारा श्री मल्लिनाथ अश्व मेला तिलवाड़ा बालोतरा में मारवाड़ी अश्व प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। ऑल इंडिया मारवाड़ी होर्स सोसायटी के सचिव इंद्रजीत सिंह नाथावत राठौड़ ने बताया कि बालोतरा जिले के तिलवाड़ा में प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी मेले में मारवाड़ी अश्व के मालिकों ने अपने अश्वों के साथ भाग लिया। इस मेले में राजस्थान के जोधपुर, जालोर, सिरोही, बाड़मेर, जैसलमेर, पाली, बालोतरा, सांचौर, बालरवा, भीनमाल, अजमेर, निमाज, सांचौर, राजसमंद, भीलवाड़ा, नागौर, उत्तर प्रदेश, गुजरात, पंजाब व हरियाणा के मारवाड़ी अश्व के प्रेमियों ने भागीदारी निभाई।

- बेस्ट एनिमल ऑफ़ शो का पुरस्कार मघराज सिंह जालोर के घोड़े हंसदेव को मिला

अश्व प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि ऑल इंडिया मारवाड़ी हॉर्स सोसायटी के मुख्य संरक्षक महाराजा गज सिंह थे। मुख्य अतिथि ने प्रतियोगिताओं में विजेता अश्वों के मालिकों को पुरस्कार प्रदान किए। समारोह में विधायक शेरगढ़ बाबू सिंह राठौड़, विधायक सिवाना हमीर सिंह भायल, जिला कलेक्टर बालोतरा सुशील कुमार यादव, रावल किशन सिंह जसोल, हरिश्चंद्र सिंह जसोल, उपखंड अधिकारी अशोक कुमार विश्नोई, पुलिस अधीक्षक गोपाल सिंह भाटी, अतिरिक्त निदेशक पशुपालन मनमोहन नागोरी, उपनिदेशक पशुपालन नारायण सिंह सोलंकी अतिथि के रूप में उपस्थित थे। स्टेलियन (नर घोड़ा) में एच एच महाराजा गज सिंह ट्रॉफी प्रतियोगिता में मेघराज सिंह जुंजाणी का अश्व हंसदेव प्रथम, हुनद करमा वाला का अभिजीत द्वितीय, हितेंद्र सिंह शिकारपुर का नवाबजादा तृतीय व चौथे स्थान पर भवानी सिंह बालोतरा का राजगुरु रहा।

प्रजनन योग्य घोड़ी प्रतियोगिता में ठिकाना झालामंड ट्रॉफी पहाड़ सिंह नेनवा गुजरात की घोड़ी राजमणि प्रथम, हितेंद्र सिंह शिकारपुर की रूप रजत द्वितीय, परबत सिंह निमाज की मोरनी तृतीय व भारत सिंह की भंवर चौथे स्थान पर रही। के एन जोशी (लालजी) ट्रॉफी में अदन्त बछेरी प्रतियोगिता में पहाड़ सिंह नेनवा गुजरात की जीत प्रथम, नारायण सिंह रोहिणा की रानी सुंदरी द्वितीय, अजीत सिंह गुजरात की अनमोल तृतीय व रविंद्र सैनी हरियाणा की छोटी छबीली चौथे स्थान पर रही। ठिकाना पाल ट्रॉफी में दो दांत बछेरा प्रतियोगिता में सुमेर सिंह गुजरात का दलजीत प्रथम, नरेंद्र सिंह जालोर का देव द्वितीय, राधे मीरा स्टैड फॉर्म राजकोट का रणबंका तृतीय व गंगा सिंह अंकोली जालौर का बाज बहादुर चौथे स्थान पर रहा।

ठाकुर रोहित ट्रॉफी में दो दांत बछेरी प्रतियोगिता में ऋतुराज सिंह सांचौर की योगेश्वरी प्रथम, मघ सिंह सांचौर की प्रिया द्वितीय, महेंद्र सिंह जोधपुर की लक्ष्मी तृतीय व रघुनाथ सिंह बालरवा की खुशी चौथे स्थान पर रही। युवराज शिवराज सिंह ट्रॉफी में अदन्त बछेरा प्रतियोगिता में जंगी पहलवान हरियाणा का भारत केसरी प्रथम, देवराज सिंह गुजरात का दिव्यराज द्वितीय, केसर सिंह जोधपुर का जेम्स तृतीय व अजीत पाल नन्दालजी हरियाणा का चौथा हिमालय स्थान पर रहा। अत्यंत बचरा में प्रथम भारत केसरी को ढाई सौ ग्राम सिल्वर, दो दांत बछेरा में प्रथम दलजीत को 500 ग्राम सिल्वर व बेस्ट एनिमल का शो के घोड़े हंसदेव को एक किलो चांदी का पुरस्कार मिला। अश्व प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका सिद्धार्थ सिंह रोहित घनश्याम सिंह पटौदी, आनंद सिंह देचू, अमित विक्रम सिंह जोजावर नरेंद्र सिंह मेड़तिया, धनंजय सिंह बीजापुर व डॉ. परीक्षित पुरोहित ने निभाई।

दो गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। पीपलू वृताधिकारी अरविन्द कुमार एवं थानाधिकारी झिराना राजेन्द्र ताडा के नेतृत्व में गठित टीम ने वर्ष 2024 के अवैध बजरी परिवहन के प्रकरण में राज्यकर्मियों पर हमला कर हत्या करने के प्रयास के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें आरोपी दूदीमल मीणा पुत्र परशुराम निवासी रामपुरिया थाना करवर जिला बून्दी एवं कुलदीप पुत्र दूदीमल मीणा निवासी बून्दी हॉल गुरूदयालपुरा थाना डिग्गी को गिरफ्तार किया। उक्त दोनों आरोपियों के विरोध के चलते चार पुरूष व तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया।

आईपीएल मैच पर ऑनलाइन सट्टा चलाने वाले गिरोह का खुलासा

कपासन, (निसं)। पुलिस ने आईपीएल क्रिकेट मैचों पर ऑनलाइन सट्टा चलाने वाले गिरोह का खुलासा किया है। कपासन थाना और साइबर थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने आरोपियों के पास से 16 एंड्रॉयड मोबाइल, एक लैपटॉप और एक क्यूआर कोड स्कैनर मशीन बरामद की है। इसके अलावा सात रजिस्टर, तीन चेक बुक और चार एटीएम कार्ड भी जब्त किए गए हैं।

जब्त रजिस्टरों से सात करोड़ रुपये के सट्टे का हिसाब मिला है। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी के निर्देश पर एएसपी सरिता सिंह और डीएसपी हरजीलाल यादव के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। कपासन रेलवे स्टेशन के पास ऋषि बारेगामा के घर पर छापेमारी में ऋषि उर्फ कालू और शौकिन जाट को सट्टा खिलाते हुए पकड़ा गया। दोनों आरोपी ऐप की मास्टर आईडी से क्लाइंट आईडी बनाकर काम कर रहे थे। वे ग्राहकों को पासवर्ड देकर लाइव मैचों पर सट्टा खिलवाते थे। जांच में सामने आया है कि इस गिरोह के मास्टरमाइंड बालमुकुंद इनाणी उर्फ बुद्धिप्रकाश, जीवन वैष्णव और इकबाल उर्फ इकबाल टोपी हैं। तीनों कपासन के रहने वाले हैं।

परीक्षार्थी के पास से मोबाइल जब्त

अजमेर, (कासं)। रा. मा. शिक्षा बोर्ड की सीनियर सैकण्डरी कक्षाओं की परीक्षाएं जारी है। शनिवार को उच्च माध्यमिक गणित विषय की परीक्षा सम्पन्न हुई। फ्लाइंग ने जवाजा में एक परीक्षार्थी के पास से मोबाइल जब्त किया गया। बोर्ड सचिव कैलाश चन्द्र शर्मा ने बताया कि शनिवार को उच्च माध्यमिक गणित विषय की परीक्षा सम्पन्न हुई। फ्लाइंग ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जवाजा परीक्षा केन्द्र पर एक परीक्षार्थी को नकल करते पकड़ा है।

योजनाओं का लाभ वंचित व पात्र व्यक्तियों को दिलवायें : राज्यपाल बागड़े

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली

पाली, (नि.सं.)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि समाज के वंचित वर्ग व पात्र व्यक्तियों को सरकार की योजनाओं का लाभ मिले जिससे कि उनका जीवन खुशहाल हो सके अधिकारी इसमें अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करे। राज्यपाल शनिवार को जिला परिषद के सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ संवाद किया। राज्यपाल ने जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ संवाद के दौरान राज्य व केंद्र प्रवर्तित योजनाओं एवं कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल देते हुए इनका लाभ आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंचाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े को जिला कलेक्टर ने पाली आने पर स्मृति चिन्ह भेंट किया।

बैठक में उन्होंने ग्रामीण विकास विभाग से महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत जॉब कार्ड एवं श्रमिक नियोजन, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) गांवों में सभी परिवारों तक व्यक्तिगत शौचालय की उपलब्धता, अनुसूचित क्षेत्र बाली के आदर्श ग्राम निर्माण कार्यों की प्रगति, जनभागीदारी योजना, पीएमजीएवाई, सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग की 3 वर्ष में छात्रवृत्ति प्राप्त आवेदन व भुगतान, जल संग्रहण, अनुसूचित क्षेत्र में स्वयं सहायता समूहों की स्थिति के बारे मे जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिये। इसी प्रकार प्रकार जोधपुर विद्यत वितरण निगम लिमिटेड में विद्युत आपूर्ति, विभिन्न प्रकार के विद्युत कनेक्शन की स्थिति, जल संसाधन विभाग में विभिन्न बांधों, स्थिति और जल की वर्तमान स्थिति की, जिला उद्योग केन्द्र में मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना, राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम में आमजन को योजनाओं के लाभ की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिये। पशुपालन विभाग में जिले की स्थिति व पशु चिकित्सा, गौशालाओं मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना की समीक्षा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि किसानों को मृदा संबंधी जांच के लिए लैब में सैंपल लाने के लिए प्रोत्साहित करें। इससे उन्हें अपने खेत की मिट्टी के बारे में अधिक जानकारी होगी और उसके अनुसार फसलों का उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

इसके साथ ही अन्य विभागों की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने राजीविका के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों को आगे बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की। बैठक में जिला कलेक्टर एलएन मंत्री ने जिले के बारे में चल रहे कामों की आवश्यक जानकारी दी। साथ ही राज्यपाल बागड़े को जिला कलेक्टर ने पाली आने पर एक स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट, अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. बजरंग सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर अश्विनी सिंह, सीईओ जिला परिषद मुकेश चौधरी, यूआईटी सचिव डॉ. पूजा सक्सेना, नगर निगम आयुक्त नवीन भारद्वाज, सभी जिला स्तरीय अधिकारी, सुनील भंडारी, त्रिलोक चौधरी व अन्य मौजूद रहे। वहीं राज्यपाल हरिभाउ बागड़े शनिवार को भंसाली गर्ल्स कॉलेज हैलीपेड पर पहुँचे, उनके आगमन पर विभिन्न जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने स्वागत व अगवानी की। इस अवसर पर पाली विधायक भीमराज भाटी, डीएफ़ओ बालामुरुगन, उपखण्ड अधिकारी विमलेंद्र राणावत, तहसीलदार जितेंद्र बबेरवाल व पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

- राज्यपाल ने योजनाओं, कार्यो की प्रगति की जानकारी लेकर निर्देश दिये

बूढा देवल पंचायत को लाम्बाहरिसिंह पालिका क्षैत्र में शामिल करने का विरोध

ग्रामीणों ने लाम्बाहरिसिंह-केकड़ी सड़क मार्ग पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया

मालपुरा, (निसं)। राज्य सरकार ने बजट घोषणा में नवगठित लाम्बाहरिसिंह नगर पालिका क्षैत्र का विस्तार कर बूढा देवल पंचायत को शामिल करने के विरोध में एकजुट हुये ग्रामीणों ने शनिवार को लाम्बाहरिसिंह-केकड़ी सड़क मार्ग पर जाम लगा कर विरोध प्रदर्शन किया। आक्रोशित ग्रामीणों ने बीच सड़क पर टायर जलाकर जाम लगा दिया। कई रोडवेज बसें व वाहन जाम में फंस गये। ग्रामीणों के आक्रोश व जाम की मिली सूचना पर लाम्बाहरिसिंह थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर समझाइश का प्रयास किया लेकिन ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े रहे। पुलिस व ग्रामीणो के बीच हुई वार्ता के पश्चात नायब तहसीलदार मौके पर पहुंचे। पूर्व सरपंच सत्यनारायण राजपूरोहित, वर्तमान सरपंच प्रतिनिधि चन्द्रशेखर राठौड़, कन्हैयालाल सैन, गोपाल सिंह दरोगा, सत्यप्रकाश दाधिच आदि ने नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर देवल पंचायत को यथावत रखे जाने की अपनी मांग से अवगत करवाया।

बूढा देवल पंचायत को लाम्बाहरिसिंह नगर पालिका में शामिल करने का विरोध कर ग्रामीणों ने जाम लगा दिया।

- आक्रोशित ग्रामीणों ने बीच सड़क पर टायर जलाकर जाम लगा दिया

बूढ़ा देवल के ग्रामीणों ने प्रदर्शन करते हुये बताया कि नवगठित लाम्बाहरिसिंह नगर पालिका उनकी पंचायत से दस किलोमीटर दूर है। जिसे राजनैतिक द्वेषता के चलते सम्पूर्ण पंचायत क्षैत्र को नगरपालिका में शामिल कर ग्राम पंचायत का अस्तित्व मिटाने की साजिश रची गई है, जिसे ग्रामीण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे। योजनाबद्ध तरीके से सम्पूर्ण पंचायत को पालिका सीमा क्षैत्र मे शामिल किया गया है। विरोध स्वरूप पूर्व में भी ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर व एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर विरोध दर्ज करवाया था। बीते दिन स्वायत्त शासन विभाग एवं ग्रामीण पंचायतीराज विभाग की ओर से आदेश जारी कर बूढ़ा देवल पंचायत को पालिका में शामिल कर दिया गया।

सूने मकान से 75 लाख रूपए की शराब बरामद

उदयपुर, (कासं)। आबकारी विभाग की उदयपुर संभाग स्तरीय आबकारी निरोधक टीम ने उदयपुर व सलूम्बर जिले की सीमा पर रेबारियों की ढाणी क्षेत्र में दबिश देकर 895 कार्टन शराब जब्त की है। शराब की अनुमानित 75 लाख रूपए बताई गई है। वहीं पुलिस ने अवैध शराब दर्ज कर अभियोग दर्ज किया।

अतिरिक्त आबकारी आयुक्त प्रदीप सिंह सांगावत ने बताया कि आबकारी निरीक्षक वृत डूंगरपुर राहुल शर्मा को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर संभाग स्तरीय आबकारी निरोधक दल द्वारा कार्रवाई करते हुए उदयपुर-सलूम्बर जिले की सीमा क्षेत्र रेबारियों की ढाणी में एक सूने मकान में दबिश दी गई। दबिश की कार्रवाई के दौरान 895 कार्टन में अनुमानित 75 लाख रूपए की भारत निर्मित विदेशी अवैध शराब बरामद की गई। अतिरिक्त आबकारी आयुक्त सांगावत के अनुसार उक्त दबिश कार्रवाई में आबकारी निरीक्षक वृत डूंगरपुर राहुल शर्मा की अहम भूमिका रही। आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते ने भी आबकारी निरीक्षक राहुल शर्मा के कार्य की सराहना की।

आबकारी निरोधक दल ने कार्रवाई कर अवैध शराब बरामद की।

सांगावत ने बताया कि इस संबंध में नियमानुसार अभियोग दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की गई। कार्रवाई में उपायुक्त आबकारी निरोधक दल वृत उदयपुर प्रद्युम्न सिंह चुंडावत, आबकारी वृत निरीक्षक डूंगरपुर राहुल शर्मा, आबकारी निरीक्षक जितेन्द्र सिंह, चंदन सिंह, प्रहराधिकारी अनिल कुमार सहित ईपीएफ जाब्ता शामिल रहे।

हादसे में बाइक सवार पिता की मौत, पुत्र घायल

कोटा, (निसं)। नान्ता थाना इलाके में ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार पिता की मौत हो गई व पुत्र घायल हो गया। जिसे उपचार के लिये एमबीएस अस्पताल लाया गया।

पिता अपने बेटे को कोटा के राजकीय महाविघालय में फर्स्ट ईयर का पेपर दिलाने के लिये डाबी से कोटा आ रहा था। डाबी थाने के एएसआई घीसा सिंह ने बताया कि डाबी निवासी गुलाबचंद जैन अपने बेटे नमन जैन को फर्स्ट ईयर का पेपर दिलाने के लिये मोटरसाइकिल से तड़के सुबह चार बजे करीब डाबी से कोटा के लिये रवाना हुए, सुबह सात बजे बच्चे का पेपर था। एएसआई ने बताया कि दोनों पिता-पुत्र मोटरसाइकिल से कोटा आ रहे थे तभी नान्ता क्षेत्र में पीछे से आ रहे ट्रेलर चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन को चलाते हुए मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। एएसआई ने बताया कि सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए गुलाबचंद जैन (52) को एमबीएस अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। ट्रेलर की चपेट में आने से पिता की मौत हो गई और उसके पुत्र नमन को भी हल्की चोटें पहुंची। मौके से ट्रेलर चालक फरार हो गया। एएसआई ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मामला दर्ज कर अज्ञात ट्रेलर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

- पिता अपने बेटे को पेपर दिलाने के लिये डाबी से कोटा आ रहा था
- हादसे के बाद ट्रेलर चालक फरार हुआ

शातिर पर्स स्नैचर गिरफ्तार

जयपुर। मुरलीपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लोगों से पर्स और मोबाइल छीनने वाले एक शातिर पर्स-मोबाइल स्नैचर पंकज चंदानी को पकडा है। जिसके पास से पुलिस ने छीने गए पर्स में रखा मोबाइल और वारदात में प्रयुक्त दुपहिया वाहन जब्त भी किया है। इसके अलावा पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी नशा करने का आदि है और नशे पूर्ति के लिए पर्स और मोबाइल छीनने की वारदात करता है। जिसने पूछताछ में एक दर्जन से अधिक वारदातों का खुलासा किया है।पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि मुरलीपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लोगों से पर्स और मोबाइल छीनने वाले एक शातिर पर्स-मोबाइल स्नैचर पंकज चंदानी निवासी लसूडिया जिला इन्दौर (मध्य प्रदेश) हाल मुरलीपुरा को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से पुलिस ने छीने गए पर्स में रखा मोबाइल और वारदात में प्रयुक्त दुपहिया वाहन बरामद किया है।

नाबालिग के अपहरण का प्रयास, आरोपी गिरफ्तार

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी पुलिस ने शनिवार को नाबालिग लड़की के अपहरण के प्रयास करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस ने वारदात के दौरान काम में ली गई गाड़ी भी जब्त की है।

थानाधिकारी गोपाल लाल जांगिड़ ने बताया कि रंवा निवासी एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दी कि 12 मार्च को मोनू लादी उर्फ बचिया, नरहरि उर्फ गोलिया व एक अन्य व्यक्ति बोलेरो गाड़ी में सायरन बजाते हुए उनके घर आए। इस दौरान उन्होंने घर का दरवाजा खटखटाया। जब उसकी मां ने दरवाजा खोला तो तीनों आरोपियों ने उसकी नाबालिग लड़की को उठाकर ले जाने का प्रयास किया। इस दौरान शोर-शराबा होने पर आसपास के लोग आए तो बदमाश गाड़ी लेकर फरार हो गए। अपहरण के प्रयास के मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की गिरफ्तारी तथा घटना में प्रयुक्त वाहन की बरामदगी के लिए गोपाल लाल थानाधिकारी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा मुखबीर तंत्र को सक्रिय किया गया तथा तकनीकी मदद से आसूचना का संकलन किया जाकर तलाश की जा रही थी। इस दौरान सूचना मिली कि वांछित आरोपी नरहरि उर्फ गोलिया गुर्जर खेतड़ी कस्बे में आया हुआ है। पुलिस टीम द्वारा आरोपी नरहरि उर्फ गोलिया गुर्जर के रवां स्थित ठिकाने पर दबिश देकर दस्तयाब किया गया। आरोपी से पूछताछ कर अपहरण के मामले में गिरफ्तार कर वारदात में काम में ली गई बोलेरो गाड़ी को जब्त कर लिया। इस दौरान टीम में थानाधिकारी गोपाल लाल जांगिड़, एसआई बनवारीलाल यादव, कांस्टेबल महेश, रमेश आदि शामिल थे।

- वारदात में काम में ली गई गाड़ी जब्त

खनन कर रहे लोगों पर मधुमक्खियों का हमला, 10 घायल

झुंझुनूं, (निसं)। कान्हा पहाड़ में खनन कार्य ने जुटे करीब एक दर्जन मजदूरों पर घोड़ा मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। घोड़ा मधुमक्खियों के हमले से खनन कार्य में जुटे मजदूरों में अफरा तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार कान्हा पहाड़ में खनन की गतिविधियों से उत्पन्न कंपन्न के कारण एक पेड़ पर बना घोड़ा मधुमक्खियों का छत्ता टूट गया, जिसके बाद मधुमक्खियों ने वहां काम कर रहे मजदूरों पर हमला बोल दिया। इस हमले में करीब एक दर्जन मजदूर घायल हो गए। घायलों को फौरन एम्बुलेंस से बीडीके अस्पताल पहुंचाया गया, जहां 10 मजदूरों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। घायल मजदूर देवकरण की हालत नाजुक होने पर उसे हायर सेंटर रैफर किया गया, जबकि एक अन्य घायल छोटेलाल का इलाज बीडीके अस्पताल में चल रहा है।झुंझुनूं में दो दिनों में मधुमक्खियों के हमले की यह दूसरी घटना है। कल भी चारावास गांव में हुए मधुमक्खियों के हमले से घायल करीब 50 जने अस्पताल पहुंचे थे।

2.349 किलो अवैध अफीम बरामद, एक गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़-भीलवाड़ा रोड पर बाइक सवार से जब्त अफीम।

भीलवाड़ा, (निसं)। अधीक्षक (निवारक) उप नारकोटिक्स आयुक्त कार्यालय, कोटा की ओर से अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए के चलाए जा रहे अभियान के तहत सीबीएन को एक और सफलता प्राप्त हुई है। उप नारकोटिक्स आयुक्त, कोटा नरेश बुन्देल ने बताया कि अभियान के तहत केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) चित्तौड़गढ़ सेल के अधिकारियों ने गंगरार टोल गेट के आगे वाटर पार्क के सामने, चित्तौड़गढ़-भीलवाड़ा राजमार्ग, तहसील-गंगरार, जिला चित्तौड़गढ़ पर एक मोटरसाइकिल का पीछाकर रोका और 2.349 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की एवं एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

उन्होंने बताया कि सीबीएन को सूचना मिली कि एक व्यक्ति चित्तौड़गढ़-भीलवाड़ा रोड के माध्यम से मोटरसाइकिल का उपयोग करके अवैध अफीम की तस्करी करेगा। इसके पश्चात सीबीएन, चित्तौड़गढ सेल के अधिकारियों टीम ने संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी और उक्त वाहन की पहचान के बाद उक्त वाहन को रोका और अवैध अफीम बरामद की और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

बनास नदी पुलिया के नीचे महिला का शव मिला

महिला के हाथ-पैर काटकर पहचान छुपाने के लिए सिर को जला दिया था

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के हमीरगढ़ थाना क्षेत्र में स्वरूपगंज के पास बनास नदी पुलिया के नीचे संदिग्ध अवस्था में महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। महिला के हाथ-पैर काटकर पहचान छुपाने के लिए सिर को जला दिया था। सूचना पर हमीरगढ़ थाना पुलिस और सीओ सदर श्याम सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने मोबाइल एफएसएल और एमओबी की टीमों को बुलाकर साक्ष्यों को एकत्रित किया। वहीं प्रथमदृष्टया महिला की हत्या करना सामने आ रहा है। पुलिस महिला के शव की पहचान के प्रयास कर रही है।

सीओ सदर श्याम सिंह ने कहा कि हमीरगढ़ थाना क्षेत्र के स्वरूपगंज पुलिया के नीचे एक महिला का शव पड़ा होने की सूचना मिली थी, जिस पर मोबाइल एफएसएल और एमओबी की टीमों के साथ मौके पर पहुंचे। महिला का शव क्षत-विक्षप्त हालत में है। श्याम सिंह ने यह भी कहा कि महिला की प्रथमदृष्टया हत्या करना प्रतित हो रहा है। पुलिस गहनता से साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की गहनता से जांच की जाएगी।

- मोबाइल एफएसएल और एमओबी की टीमों ने मौके से साक्ष्य जुटाये
- सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच शुरु

महिला की मौत पर बवाल, परिजनों ने थाने के बाहर प्रदर्शन किया

चौमू/कालाडेरा, (निसं)। कालाडेरा थाना क्षेत्र में एक महिला की मौत के बाद मामला तूल पकड़ गया है। जानकारी के अनुसार खपरिया गांव की मीरा देवी यादव (45) की मौत के बाद परिजनों ने पुलिस थाने के बाहर शव रखकर विरोध प्रदर्शन किया।

पुलिस अधिकारियों ने मौके पर समझाइश वार्ता की।

- परिजनों ने जांच अधिकारी को बदलने की मांग की

करीब दस दिन पहले खपरिया गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में झगड़ा हुआ था। इस दौरान हुई मारपीट में मीरा देवी घायल हो गई थी। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ मामला दर्ज करवाया था। मामले की जांच गोविन्दगढ़ डिप्टी राजेश जांगिड़ कर रहे हैं। मीरा देवी की मौत के बाद परिजनों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि जांच अधिकारी ने लापरवाही बरती है। परिजन जांच अधिकारी को बदलने और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। साथ ही एसपी को मौके पर बुलाने की मांग भी करने लगे रहे। कालाडेरा थाना पुलिस ने मामले को शांत कराने का प्रयास किया लेकिन मृतक के परिजनों ने उच्च अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़ गये। मौके पर गोविन्दगढ़ सर्कल के थानों का जाप्ता धरना स्थल पर पहुंचा। वहीं चौमू-कालाडेरा मार्ग पर वाहनों की कतार लग गई। जिसके बाद जयपुर ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अधीक्षक (मुख्यालय) रजनीश पूनिया कालाडेरा थाने पर पहुंचकर मृतक के परिजनों व समाज के लोगों के साथ समझाइश वार्ता की। समझाइश वार्ता के दौरान मृतक के परिजनों के द्वारा पुलिस प्रशासन के सामने अपनी मांगें रखी। मांगों पर सहमति बनने के बाद मृतका के शव का मेडिकल बोर्ड के द्वारा पोस्टमार्टम करवा कर दाह संस्कार किया गया।

कार्यालय अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, संभाग प्रथम जोधपुर

क्रमांक-13147 दिनांक-26.03.2025

निविदा सूचना संख्या 23 वर्ष 2024-2025

NIB NO. PWD2425A4831

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से पुल निर्माण कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में इंटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। कार्यवार यूबीएन संख्या निम्नानुसार है।

1. PWD2425WSOB17383

(एन.सी.शर्मा) अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता
सा.नि.वि. संभाग प्रथम, जोधपुर

DIPR/C/4450/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा.अभि. विभाग, खण्ड कोलायत

क्रमांक-3686-99 दिनांक-25.03.2025

Notice Invting Bid-99 to 110/2024-25

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 07.04.2025 at 18.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http://eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 253.23 Lacs.

NIT NO.	99	100	101	102	103	104
UBN NO.	PHE2425 WSOB 12196	PHE2425 WSOB 12197	PHE2425 WSOB 12199	PHE2425 WSOB 12200	PHE2425 WSOB 12202	PHE2425 WSOB 12204
NIT NO.	105	106	107	108	109	110
UBN NO.	PHE2425 WSOB 12205	PHE2425 WSOB 12207	PHE2425 WSOB 12208	PHE2425 WSOB 12209	PHE2425 WSOB 12210	PHE2425 WSOB 12211

जल सीमित है, इसकी बचत करें।

(धर्मेन्द्र कुमावत)
अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, खण्ड कोलायत

DIPR/C/4492/2025

किशोरी के आत्महत्या प्रकरण में आहोर के लोगों ने बाजार बंद कर प्रदर्शन किया

आहोर, (निसं)। आहोर के समीप माधोपुरा में एक किशोरी के आत्महत्या प्रकरण को लेकर शनिवार को आहोर के लोगों ने बाजार बंद कर विरोध-प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार मोहित आशिया को ज्ञापन सौंपा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एक नाबालिग लड़की ने पिछले दिनों फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। सूचना पर आहोर पुलिस मौके पर पहुंची और मौका मुआयना के बाद परिजनों की रिपोर्ट पर मामला मर्ग में दर्ज कर अनुसंधान की कार्रवाई शुरू कर दी। इस बीच परिजनों व समाज के लोगों को किशोरी की आत्महत्या के पीछे किन्हीं लोगों का हाथ होने की भनक लगने पर आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। आहोर व्यापार संघ ने आहोर बंद करने का एलान कर दिया था। शनिवार को आत्महत्या के विरोध में माधोपुरा स्थित सांवलाजी भगवान मंदिर में हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी शामिल हुए और विरोध जताया। सभा के बाद सभी लोग सड़कों पर उतर आए और माधोपुरा से गुजर रहे राष्ट्रीय राजमार्ग-325 को जाम कर दिया। आहोर पुलिस के तैनात जाब्ते ने लोगों को समझाइश कर जाम को खुलवाया। इसके बाद प्रदर्शनकारी रैली के रूप में नारे लगाते हुए उपखंड कार्यालय पहुंचे और वहां पर धरना प्रदर्शन कर आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग करने लगे। वक्ताओं ने कहा कि एक नाबालिग लड़की को आत्महत्या के लिए मजबूर करने वालों के खिलाफ कडी से कडी कार्रवाई की जाए। धरना प्रदर्शन के बाद आहोर नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन सुजाराम प्रजापत व आहोर व्यापार संघ के अध्यक्ष नारायण सिंह की अगुवाई में मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार मोहित आशिया को ज्ञापन सौंपा।

प्रकरण को लेकर आहोर विधायक छगनसिंह राजपुरोहित ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने पुलिस को त्वरित कार्रवाई के लिए कह दिया है, साथ ही माधोपुरा में हो रही आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने और ऐसी गतिविधियों में लिप्त बदमाशों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

आहोर थानाधिकारी रामप्रताप सिंह ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है।

किशोरी के आत्महत्या प्रकरण को लेकर आहोर के लोगों ने बाजार बंद कर विरोध-प्रदर्शन किया।

- एक नाबालिग लड़की ने पिछले दिनों फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी
- 'मामले में पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की है'

युवक ने शराब ठेके पर फांसी लगाई

चिड़ावा, (निसं)। शहर के खेतड़ी रोड पर अडूका रेलवे फाटक के पास शनिवार रात को नरहड के युवक ने फांसी लगाकर इहलीला समाप्त कर ली। युवक चार-पांच दिन पहले ही शराब ठेके पर सेल्समैन के तौर पर आया था जो की रात में भोजन का टिफिन लेकर के सीढियों से छत पर जाता नजर आ रहा है।

सुबह निर्धारित समय पर शराब ठेका नहीं खुला तो किसी ने शराब ठेकेदार को इसकी सूचना दी। सूचना पर शराब ठेकेदार मौके पर पहुंचा और छत की सीढियों पर लगे गेट को खुलने के प्रयास किए, जो कि अंदर से बंद होने के कारण कुंदी को तोड़ा।

ऊपर बने कमरे में जाकर देखा तो युवक मनीष शर्मा निवासी नरहड़ फंदे पर झूला हुआ था।

सूचना पर पुलिस थाने से हेड कांस्टेबल सुधीर सिंह मय जाब्ता मौके पर पहुंचे। बाद में एएसआई ताराचंद की मौके पर आए और पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में शव को उतरवाकर राजकीय उप जिला अस्पताल की मोचंरी में रखवाया। युवक के भाई विकास ने शव की शिनाख्त की।

राजस्थान आवासन मण्डल

हमारा प्रयास, सबको आवास

इस गर्मी में अपनी होगी छत, अपनी होगी छांव... आवासन मण्डल लाया अपने घर की सौगात

ई-ऑक्शन के माध्यम से आवासीय/व्यावसायिक प्रीमियम संपत्तियों को खरीदने का सुनहरा अवसर

ई-ऑक्शन की तिथि 28 से 30 अप्रैल, 2025

भूखण्ड संख्या	कुल भूखंड संख्या	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	न्यूनतम बोली मूल्य (रुपयों में)
योजना का नाम - साउथ एक्सटेंशन योजना, उदयपुर (बड़े व्यावसायिक भूखंड)			
1 (Corner)	1	2518	75000/-प्र.व.मी.
2 (Corner)	1	2518	72000/-प्र.व.मी.
योजना का नाम - रंगबाड़ी, कोटा (बड़े व्यावसायिक भूखंड)			
5-C-3	1	1121.16	80000/-प्र.व.मी.
C (Corner)	1	228.27	88000/-प्र.व.मी.
5-C-1 (Corner)	1	1125.13	83000/-प्र.व.मी.
A	1	232.31	85000/-प्र.व.मी.
B	1	240.36	85000/-प्र.व.मी.
योजना का नाम - जवाहर नगर, भरतपुर (बड़े व्यावसायिक भूखंड)			
JNB/C/01	1	1167.55	70000/-प्र.व.मी.
योजना का नाम - वी.टी. रोड़ मानसरोवर, जयपुर (बड़े व्यावसायिक भूखंड) RAJ/P/2023/2718			
13	1	3118.25	195000/-प्र.व.मी.
योजना का नाम - स्थान भांकरी रोड, दौसा (आवासीय भूखंड)			
1/33 (Corner)	1	336.00	36000/-प्र.व.मी.
योजना का नाम - चुरू (आवासीय भूखंड)			
4/124-A	1	136.75	20000/-प्र.व.मी.
4/17-A	1	165.67	20000/-प्र.व.मी.
4/5	1	137.30	20000/-प्र.व.मी.
4/10 (Corner)	1	212.10	22000/-प्र.व.मी.
2/108-A (Corner)	1	164.25	22000/-प्र.व.मी.
4/109 (Corner)	1	174.00	25000/-प्र.व.मी.
योजना का नाम - लाल कोठी, जयपुर (आवासीय भूखंड)			
43-KA-1	1	145.37	120000/-प्र.व.मी.
योजना का नाम - सी. ई. बी., अलवर (निर्मित आवास)			
5-KHA-50 (Corner)	1	163.95	9500000/-प्रति आवास

*उपरोक्त भूखण्ड/आवास 'जहाँ/जैसी स्थिति में है' आवंटित किये जायेंगे।

नीलामी की विस्तृत जानकारी के लिए QR कोड स्केन करें

नीलामी में भाग लेने, विस्तृत शर्तों एवं अन्य जानकारी के लिए राजस्थान आवासन मण्डल की वेबसाइट https://rhb.rajasthan.gov.in देखें। तथा भवन निर्माण पेरामीटर्स भवन विनियम 2020 के अनुसार रहेंगे।

हेल्पलाइन नं. कार्यालय समय में: **0141-2744688, 2740009**, कार्यालय समय उपरान्त: 9461054291/92/319 एवं **9460254319, 6376868696** या समन्वयक अधिकारी श्री भारत भूषण जैन (**9828363615**) से सम्पर्क करें

Rera Website: www.rera.rajasthan.gov.in राज.संवाद/सी/24/14205

आवासन आयुक्त

जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा 2018 पेपर लीक में शामिल तीन जेलकर्मी बर्खास्त

श्यालवास जेल में अनुचित तरीके से मोबाइल सिम ले जाते मेल नर्स गिरफ्तार

जयपुर । जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा 2018 पेपर लीक मामले में लिप्त 3 जेल प्रहरियों को विभाग द्वारा बर्खास्त कर दिया गया है। मुख्यमंत्री को मिलने वाली धमकी के बाद बरती जा रही अतिरिक्त सतर्कता के दौरान दौसा जिले के श्यालावास स्थित सेंट्रल जेल में कार्यरत मेल नर्स राजकुमार शर्मा को जेल में सिम कार्ड ले जाते पकड़ा गया। जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त विभाग द्वारा भर्ती परीक्षा में चयनित हुए तीन आरोपियों योगेश कुमार, हरेंद्र सिंह और दीपक मेहता सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।

डीआईजी जेल मोनिका अग्रवाल ने बताया कि शनिवार को स्पेशल सेंट्रल जेल श्यालावास दोसा की क्वार्टर गार्ड पर तैनात आरएसी के कांस्टेबल आनंद भाटी द्वारा रोजाना की तलाशी ली जा ही थी इसी दौरान मेल नर्स राजकुमार शर्मा की तलाशी ली गई। तलाशी मे एक सिम जप्त की गई। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

डीआईजी अग्रवाल ने बताया कि जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा 2018 पेपर लीक मामले में दर्ज प्रकरण में श्यालवास जेल दौसा में तैनात जेलकर्मी योगेश कुमार पुत्र वीरेंद्र सिंह, दौसा जेल में तैनात हरेन्द्र सिंह पुत्र सिरदार सिंह एवं झुंझुनू में जेल प्रहरी दीपक मेहता भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में लिप्त होने के आधार पर बर्खास्त कर दिया गया है।

जांच रिपोर्ट में अनुचित तरीके से षडयंत्रपूर्वक आपराधिक कृत्य कर परीक्षा पूर्व परीक्षा के पेपर का सॉल्वड प्रश्न-पत्र एवं उत्तरकुंजी प्राप्त कर हॉटल हाईवे च्वाईस, कोटपूतली में पढकर जेल प्रहरी परीक्षा-2018 को उत्तीर्ण कर जेल प्रहरी पद पर चयनित होना इन तीनो के विरूद्ध प्रमाणित पाया गया है।

जेल में मिला मोबाइल

जयपुर। उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा को जयपुर सेंट्रल जेल से जान से मारने की धमकी मिलने के बाद शुक्रवार रात को सघन तलाशी अभियान चलाया गया। तलाशी के दौरान एक कीपेड़ मोबाइल मिला।

हाईवे पर वाहन चालकों को लूटने वाली गैंग के दो बदमाश गिरफ्तार

- एक दर्जन से अधिक वारदातों का खुलासा

जयपुर। मुहाना थाना पुलिस ने हाइवे पर वाहन चालकों से लूट करने वाली कंजर गैंग के मुख्य सरगना सहित दो बदमाशों को पकड़ा है। पुलिस ने बदमाशों से लूट में प्रयुक्त कार को भी बरामद कर लिया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण ने बताया कि मुहाना थाना पुलिस ने हाईवे पर वाहन चालकों से लूट करने वाली कंजर गैंग के बदमाश अजय कंजर और विकास कंजर को गिरफ्तार किया है और दोनो ही आरोपी दूनी जिला टोंक को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपी बदमाश प्रकृति के है जो रिंग रोड के आस पास रात्री के समय गुजरने वालों वाहन चालकों को डरा धमका कर लूट की वारदात को अंजाम देते है। आरोपी गैंग बनाकर रिंग रोड के आस पास रहते है। गाडी में सरिए व कंकड रखते हैं। रात्री के समय अकेले जा रहे वाहन चालकों को टारगेट कर कार वाहन के आगे लगाकर चालक के साथ मारपीट करते चालकों को डरा धमकाते है। आरोपी मौज-शौक पूरा करने के लिए लूट की वारदातों को अंजाम देते है तथा लूटे गए रुपए व सामान को आपस में बांटकर अलग अलग स्थानीय बाजार में बेच देते है। आरोपी पूर्व में भी चोरी व लूट के वारदातों में गिरफ्तार हो चुके है।

थानाधिकारी उदय सिंह यादव ने बताया कि दिनेश कुमार सैनी ने 22 मार्च को मामला दर्ज करवाया कि वह अलसुबह रिंग रोड नेवटा पुलिया के पास में अपने दूध का टैंकर लेकर जा रहा था। अचानक एक सफेद रंग की कार उसके टैंकर के आगे लगा दी। उस कार में से चार आदमी उतरे और बदमाशों ने उसके साथ मारपीट की। बदमाशों ने मारपीट कर मेरे जेब में से रुपए निकाल लिए। आरोपियों ने पीडित के गले व हाथ मे पहनी एक चांदी की चौन व एक सोने की अगुंठी भी छीन ली। इसके बाद वो मुझे धक्का मारकर अपनी कार में बैठकर भाग गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर बदमाशों को पकड़ने के लिए घटना स्थल और उसके आस-पास के बड़ी संख्या में सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। वारदात के तरीके व रूट के आधार पर संदिग्धों से पूछताछ की। सीसीटीवी फुटेज से प्राप्त हुलिया व तकनीकी संसाधनों का प्रयोग कर लूट की घटना में शामिल आरोपी अजय व विकास को डिटेन कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया।

वीरांगना कॉफी टेबल बुक लांच

जयपुर/नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा द्वारा शनिवार को नई दिल्ली के केदारनाथ साहनी ऑडिटोरियम सिविक सेंटर में वीरांगना कॉफी टेबल बुक लॉन्च कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें दक्षिण भारत की ब्रिटिश औपनिवेशिक शक्ति के खिलाफ लड़ने वाली पहली रानी वीरांगना रानी वेलु नचियार के स्वतंत्रता संग्राम में बहुमूल्य योगदान और महान संघर्ष से अवगत कराकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। थिएटर के माध्यम से उनके जीवन एवं संघर्ष का मंचन किया गया।

ई-मित्र आईडी बनाने वाले फर्जी कॉल सेंटर पर छापा, दो शातिर बदमाश

जयपुर। शिप्रापथ थाना पुलिस ने एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ कर ई-मित्र आईडी बनाने के नाम पर साइबर ठगी करने वाले दो शातिर बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से 14 कंप्यूटर सेट, 13 मोबाइल फोन, 1 इंटरनेट राउटर और कई बैंक पासबुक्स सहित अन्य उपकरण जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपी विक्रम सिंह (25) खोडवा का मोहल्ला, दाखिया टोंक एवं गणेश गुर्जर (26) लाखावास, तहसील चाकसू के रहने वाले है।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि शिप्रापथ थाना पुलिस ने एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ कर ई-मित्र आईडी बनाने के नाम पर साइबर ठगी करने वाले आरोपी विक्रम सिंह (25) निवासी खोडवा का मोहल्ला दाखिया टोंक एवं गणेश गुर्जर (26) निवासी लाखावास तहसील चाकसू को गिरफ्तार किया है। टीम को सूचना मिली थी कि ई-मित्र से ठगी एक कॉल सेंटर द्वारा संचालित की जा रही थी।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश श्रीमाधोपुर (सीकर)

क्रमांक-83 दिनांक-29.03.2025

नोटिस सर्व साधारण के सूचनार्थ

रूकमा देवी बनाम हर खास व आम आदि

अपील

मुकदमा नम्बर C&A 27/2022

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अपीलान्ट्स रूकमा देवी पत्नी रामावतार, कमलेश कुमार, सुनिता देवी, गोविन्द कुमार पुत्रगण/पुत्री रामावतार सैनी निवासीगण ढाणी फिरासावाली तन् ग्राम हांसपुर तहसील श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान ने अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश महोदय श्रीमाधोपुर में अपने पिता रामावतार सैनी को सिविल मृत घोषित कराने बाबत अपील पेश किया है। इसमें किसी भी प्रकार का एतराज हो तो दिनांक 07.04.2025 को अदालत में हाजिर होकर अपना प्रार्थना पत्र पेश करें।

आज दिनांक 29.03.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मोहर से जारी किया गया।

मोहर अदालत

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमाधोपुर (सीकर)

खोया पाया

मेरे आवास की मूल रजिस्ट्री पेपर खो गये है जो नानूराम (विक्रेता) एवं श्रीमती सुन्दरी देवी (क्रेता) के नाम से है एवं सम्पत्ति का पता प्लाट नं. 64-65 पार्वती एन्क्लेव, मान्यावास, मानसरोवर, जयपुर है कृपया मिलने पर सूचित करें-9314546571

मकान नंबर 69/80 मानसरोवर, जयपुर का अदेय प्रमाण पत्र नंबर 6037 दिनांक 23.12.1994 है जो राधेश्याम बंसल के नाम है। खो गया। सूचित करें-94139-62550

मेरा मकान नं. 35/148 प्रताप नगर, सांगानेर का मूल आवंटन पत्र कब्जा पत्र डिक्लेरेशन, रसीदे कहीं गुम हो गए है मिलने पर सूचित करें-मीनाक्षी-7597136117

नाम परिवर्तन

मैं शिवरूद्रप्पा गुडस पुत्र श्री मल्लप्पा एस गुडस निवासी पोगत्यानट्टी, पोस्ट विजयनगर, तहसील चिकौडी, बेलगावी, कर्नाटक ने अपने सर्विस रिकार्ड में अपने पिताजी का नाम मल्लप्पा से मल्लप्पा शिवामूर्ति गुडस व जन्मतिथि 06.01.1958 से 01.01.1958 कर दिया है।

मैं शिवरूद्रप्पा गुडस पुत्र श्री मल्लप्पा एस गुडस निवासी पोगत्यानट्टी, पोस्ट विजयनगर, तहसील चिकौडी, बेलगावी, कर्नाटक ने अपने सर्विस रिकार्ड में अपना नाम शिव रूद्रप्पा गुडस से बदलकर शिवरूद्रप्पा गुडस कर दिया है।

मैं शिवरूद्रप्पा गुडस पुत्र श्री मल्लप्पा एस गुडस निवासी पोगत्यानट्टी, पोस्ट विजयनगर, तहसील चिकौडी, बेलगावी, कर्नाटक ने अपने सर्विस रिकार्ड व अन्य दस्तावेजों में अपनी माताजी का नाम महा देवी से बदलकर महादेवी मल्लप्पा गुडस व जन्मतिथि 10.01.1964 से दिलकर 01.01.1958 कर दिया है।

मैं शिवरूद्रप्पा गुडस पुत्र श्री मल्लप्पा एस गुडस निवासी पोगत्यानट्टी, पोस्ट विजयनगर, तहसील चिकौडी, बेलगावी, कर्नाटक ने अपने सर्विस रिकार्ड में अपने पुत्र का नाम संगमेश शिवरूद्रप्पा गुडस से बदलकर संगमेश एस गुडस कर दिया है।

I have changed my name from vijay kumar godwani to vijay kumar godwani r/o 102-B Kanwar Nagar Jaipur.

I have changed my name from priya godwani to priya godhwani r/o 102-B Kanwar Nagar, Jaipur

कार्यालय अध्यक्ष विकास समिति राजकीय कन्या महाविद्यालय करौली

क्रमांक:-लेखा/2024-25/66-68 दिनांक: 28.3.2025

निविदा सूचना

इस कार्यालय में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कम्प्यूटर ऑपरेटर/चौकीदार/लैब बॉय एवं सफाई कर्मचारी की सेवाऐं दर अनुबन्ध पर उपलब्ध कराने हेतु पंजीकृत बोलीदाता संवेदक जो राजस्थान अनुबन्धित श्रमिक अधिनियम 1970/संशोधित अधिनियम 2024 कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम 1952 कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 वस्तु एवं सेवाकर (GST) आयकर (पैन नं.) राजस्थान दुकान एवं वाणिज्यकर संस्थान अधिनियम 1958 या इण्डियन एक्ट 1932 के अन्तर्गत या इण्डियन कम्पनी एक्ट 1956 के अन्तर्गत पंजीकृत हो, से निम्नानुसार सील बन्द निविदा आमन्त्रित की जाती है।

क्र.सं.	कार्मिक का विवरण	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा शुल्क
	कम्प्यूटर ऑपरेटर-01 चौकीदार 01 लैबबॉय-01 सफाई कर्मचारी-01	3.78 लाख	7500/-	800/-

इच्छुक सेवा प्रदाता समिति/फर्म कार्यालय से दिनांक 09.04.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक निर्धारित फार्म लेकर उसी दिन दोपहर 2.00 बजे तक जमा करा सकते हैं। प्राप्त निविदाऐं उसी दिन दोपहर 2.00 बजे पश्चात उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेंगी। उक्त सेवाऐं पूर्णत: अस्थाई होगी। विस्तृत शर्तें कार्यालय समय में महाविद्यालय में देखी जा सकती हैं।

नोट:-

1. निविदा निर्धारित प्रपत्र में भरकर प्रस्तुत की जावेगी।
2. उक्त आवश्यक कार्मिकों की संख्या में कमी या बृद्धि की जा सकती है। निविदा प्रस्तुत करने व खोलने की तिथि राजकीय अवकाश होने पर आगामी कार्य दिवस की तिथि मानी जावेगी।
3. किसी भी निविदा को स्वीकार/अस्वीकार या निरस्त करने का पूर्ण अधिकार समिति के पास होगा।

सचिव
महाविद्यालय विकास समिति

अध्यक्ष
महाविद्यालय विकास समिति

कार्यालय नगर निगम ग्रेटर जयपुर

(पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर-15)

क्रमांक :- ज.स.अ./2025/351 दिनांक :- 28/03/2025

आम सूचना

नगर निगम ग्रेटर जयपुर के समस्त सम्पत्तिधारकों को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार द्वारा 31 मार्च, 2025 तक नगरीय विकास कर एवं गृह कर में अभूतपूर्व छूट दी गई है, जिसका लाभ आम जनता तक पहुंचाने हेतु नगरीय विकास कर एवं गृह कर की राशि जमा कराने एवं आपत्तियों का निराकरण करने के लिए वार्ड स्तर, जोन स्तर तथा मुख्यालय स्तर पर कैम्प लगाये गये हैं।

परन्तु अभी भी बहुत सारे सम्पत्तिधारकों द्वारा नगरीय विकास कर एवं गृह कर की राशि जमा नहीं करवाई गई है। जिसकी वजह से उन्हें राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त छूट का लाभ नहीं मिल पाया है।

इस विषय में व्यापक जनहित को ध्यान में रखते हुए अब अन्तिम अवसर दिया जाकर सभी सम्पत्तिधारक जिन्होंने अभी तक नगरीय विकास कर जमा नहीं कराया है, वे सभी 31 मार्च, 2025 तक स्वकर निर्धारण करते हुए ऑनलाईन, जोन कार्यालय अथवा निगम मुख्यालय के कमरा नम्बर 123 में समस्त दस्तावेजों एवं चैक राशि के साथ उपस्थित होकर आपत्ति निराकरण एवं कर राशि जमा करा सकते हैं। राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त छूट एवं राशि जमा कराने का विवरण निम्नानुसार है:-

1. सम्पूर्ण बकाया गृहकर आवासीय/व्यावसायिक भूखण्ड/भवनों का एकमुश्त जमा कराने पर मूल गृहकर की राशि पर 50 प्रतिशत राशि की छूट एवं शास्ति पर शत प्रतिशत छूट।
2. वर्ष 2007-08 से 2010-11 तक के बकाया यू.डी. टैक्स में ब्याज पैनल्टी पर 100 प्रतिशत छूट के साथ-साथ बकाया मूल राशि पर भी 50 प्रतिशत छूट दी गई है।
3. वर्ष 2007-08 से 2023-24 तक बकाया नगरीय विकास कर की राशि एक मुश्त जमा कराने पर ब्याज व पैनल्टी पर 100 प्रतिशत छूट है।
4. बकाया नगरीय विकास कर एवं गृहकर की जानकारी **www.rajmunincipal.com** पर उपलब्ध है।
5. वेबसाईट **www.rajmunicipal.com** पर घर बैठे ही अपनी बकाया राशि का ऑनलाईन भुगतान कर सकते हैं।
6. यदि आप यू.डी. टैक्स/हाउस टैक्स घर बैठे चैक के माध्यम से जमा कराना चाहते हैं तो निगम द्वारा अधिकृत फर्म स्पैरो सार्पटेक प्रा0 लि0 के टोल फ्री नं. 1800-572-8545 पर फोन कर संग्रहणकर्ता को घर बुलाकर अपनी बकाया राशि जमा करवा सकते हैं।
7. सम्पत्तिधारक/अधिभोगी नगरीय विकास कर के बिल पर दिए गए फत कोड को स्कैन कर के किसी भी यूपीआई के माध्यम से नगरीय विकास कर का भुगतान कर सकते हैं।
8. यदि आपकी सम्पत्ति के कर निर्धारण में कोई परिवर्तन है जैसे क्षेत्रफल, डीएलसी, वास्तविक उपयोग, मंजिलों की संख्या, नाम व पता आदि तो उसे संबंधित जोन कार्यालय में लिखित सूचना देकर आपत्ति दर्ज करवा सकते हैं। जिससे आपकी समस्या का अविलम्ब समाधान किया जावेगा।

आपके लिए दिनांक 29-30-31 मार्च, 2025 को निगम कार्यालय खुले हैं, तत्काल नगरीय विकास कर जमा करावें और राज्य सरकार की इस छूट का लाभ उठावें।

राज.संवाद/सी/24/14199

आयुक्त
नगर निगम ग्रेटर जयपुर

अध्यक्ष
नगरीय विकास कर समिति

महापौर
नगर निगम ग्रेटर जयपुर

हारना नहीं हैं बाहर से हार जाओ लेकिन अंदर से हारना नहीं है। हारता वही है जो खिलाड़ी होता है, जो गिरता है। जो खेलेगा ही नहीं वो हारेगा कैसे। – मोनिका बत्रा

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी, खिलाड़ियों के मनोबल को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

तमीम इकबाल

बांग्लादेश के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने उन शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया है जिन्होने बीमारी के मुश्किल समय में उनकी सलामती की दुआ की। तमीम को सोमवार को दिल का दौरा पड़ा था जिसके बाद एंजियोप्लास्टी के लिये उन्हे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शुक्रवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उन्होने फेसबुक पर शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया। जनवरी 2025 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बावजूद तमीम घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखे हुए हैं।

क्या आप जानते हैं ?... वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज जोएल गार्नर ने 1977 से 1987 के बीच 98 वनडे मैच खेले।

मनीषा भानवाला ने एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

अम्मान, 29 मार्च। भारत की मनीषा भानवाला ने शनिवार को यहां एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं के 62 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता जबकि अंतिम पंघाल ने 53 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया। मनीषा ने रोमांचक फाइनल में डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया की ओक जे किम को 8-7 से हराकर 2021 के बाद महाद्वीपीय चैंपियनशिप में भारत का पहला महिला फ्रीस्टाइल कुश्ती स्वर्ण पदक हासिल किया। मनीषा ने अपने अभियान की शुरुआत तकनीकी श्रेष्ठता के जरिए कजाकिस्तान की टाइनिस दुबेक पर शानदार जीत के साथ की। इसके बाद उन्होंने क्वार्टर फाइनल में कोरिया गणराज्य की हनबिट ली को हराया और सेमीफाइनल में गत चैंपियन किर्गिस्तान की कलमीरा बिलिमबेक काजी को 5-1 से हराया। ओक जे किम के खिलाफ फाइनल में 2-7 से पिछड़ने के बावजूद, मनीषा ने शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की और 2022 से 2024 तक अपने पिछले तीन लगातार कांस्य पदकों में सुधार किया। इस बीच, पेरिस 2024 ओलंपिक के बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में वापसी कर रही अंतिम ने 53 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया।

स्टुअर्ट लॉ नेपाल टीम के कोच नियुक्त

काठमांडू, 29 मार्च। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टुअर्ट लॉ की नियुक्ति के साथ नेपाल में नए मुख्य कोच की तलाश समाप्त हो गई है। नेपाल क्रिकेट संघ (सीएएन) ने शुक्रवार देर रात सोशल मीडिया पर इस खबर की पुष्टि करते हुए घोषणा की कि पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज अगले दो वर्षों के लिए टीम का नेतृत्व करेंगे। लॉ ने यूएसए पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में एक यादगार भूमिका का निर्वहन किया है। लगभग सात महीनों के कार्यकाल में उन्होंने यूएसए की टीम को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 में एक जुझारु टीम के तौर पर स्थापित करने में सफलता हासिल की। घरेलू धरती पर खेले गए टूर्नामेंट में यूएसए ने ग्रुप चरण में पाकिस्तान के खिलाफ उलटफेर किया वहीं अपने शुरुआती मैच में कनाडा पर जीत हासिल कर ली थी, जिससे वे सुपर आठ चरण में पहुंचे थे।

हिमांशु व प्रवीण के अर्द्धशतकों की मदद से जी.आर. एकेडमी की एकतरफा जीत

जयपुर, 29 मार्च। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज जी.आर क्रिकेट ग्राउण्ड सिरसी पर खेले गये पूल-सी के मैच में हिमान्शु सिंह राणा 73 रन (37 गेंद, 7 चौके, 5 छक्के) के अर्धशतक व प्रवीण शर्मा 67 रन (31 गेंद, उचौके, 7 छक्के) व 6 रन पर 2 विकेट के ऑल राउण्ड प्रदर्शन की मदद से जी.आर क्रिकेट एकेडमी ने एम.आर. क्रिकेट एकेडमी को 123 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर एम.आर.एम. क्रिकेट एकेडमी ने पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। हिमान्शु सिंह राणा 73 रन (37 गेंद, 7 चौके, 5 छक्के) व प्रवीण शर्मा 67 रन (31 गेंद, चौके, 7 छक्के) शुभम पटवारी 30 रन, विनय चौधरी 39 रन नाबाद, योगेन्द्र काकोड़िया 19 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 249 रन बनाये। एम.आर.एम. एकेडमी की ओर से आयुश सोनी 32 रन पर 3 विकेट, यश 55 रन पर 3 विकेट, तथा अर्पित कुमार 36 रन पर 2 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहें। जवाबी पारी में एम.आर.एम. क्रिकेट एकेडमी के समर प्रताप 38 रन, संजय बुरी 37 रन तथा अमित चौधरी 11 रन को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज जी0आर. एकेडमी के गेंदबाजो सचिन असीवाल 17 रन पर 2 विकेट, प्रवीण शर्मा 6 रन पर 2 विकेट तथा रोहित खींचड़ व प्रिंस सिंह प्रत्येक 1-1 विकेट के समक्ष खुलकर खेलने में विफल रहे और निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 126 रन ही बना सके। मैन ऑफ दा मैच प्रवीण शर्मा 54 रन 67 रन व 6 रन पर 2 विकेट जी.आर. क्रिकेट एकेडमी रहे।

मुंबई की लगातार दूसरी हार, गुजरात 36 रन से जीता

अहमदाबाद, 29 मार्च। इंडियन प्रीमियर लीग का खिताब पांच बार अपने नाम करने वाली मुबंई इंडियंस के लिये मौजूदा सत्र का आगाज निराशाजनक रहा है जब शनिवार को यहां उसने अपना दूसरा मैच भी गुजरात टाइटंस के हाथों 36 रन की पराजय के साथ गंवा दिया।

गुजरात टाइटंस ने पहले खेलते हुये आठ विकेट पर 196 रन बनाये थे जिसके जवाब में मुबंई की टीम निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 160 रन ही बना सकी। एमआई के धाकड ओपनर रोहित शर्मा (8) दूसरे मैच में भी नहीं चले और पहले ही ओवर में उन्हे मोहम्मद सिराज ने अपना शिकार बना लिया। रायन रिकलटन (6) सिराज की गेंद पर क्लीन बोल्ड आउट हुये। तिलक वर्मा (39) और कप्तान सूर्य कुमार यादव (48) ने हालांकि विकेट पर टिके मगर गुजरात के गेंदबाजों ने उन्हे खुल कर खेलने का मौका नहीं दिया।

अपने विस्फोटक अंदाज के लिये माने जाने वाले तिलक अधिक समय तक धैर्य नहीं रख सके और प्रसिद्ध कृष्णा की एक धीमी गेंद को उडाने के प्रयास में बाउंड्री लाइन के समीप लपके गये। रन गति बढाने के प्रयास में सूर्य भी कृष्णा की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे हालांकि अपनी संक्षिप्त पारी में उनके चार छक्के दर्शनीय रहे। कप्तान हार्दिक पंड्या (11) को भी गुजरात के गेंदबाजों ने बांधे रखा। नमन धीर और मिचेल सैंटनर 18-18 रन बना कर नाबाद लौटे।

इससे पहले गुजरात के कप्तान शुभमन गिल (38) के साथ साई सुदर्शन (63) ने पारी की शानदार शुरुआत करते हुये पहले विकेट के लिये 8.3 ओवर में 78 रन जोड लिये थे। इस बीच गिल रन गति बढाने के चक्कर में हार्दिक पांड्या की गेंद को पुल करने के प्रयास में डीप बैकवर्ड स्काव्यर लेग पर खडे नमन धीर को कैच थमा बैठे। नये बल्लेबाज जॉस बटलर ने सुदर्शन का भरपूर साथ देते हुये धुआंधार बल्लेबाजी की मगर वह भी मुजीब उर रहमान की फिरकी पर फंस कर अपना विकेट गंवा बैठे। अपनी संक्षिप्त पारी में उन्होने पांच चौके और एक छक्का लगाया।

टीम इंडिया का हर खिलाड़ी सम्मान का हकदार : रोहित

नई दिल्ली, 29 मार्च। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने अपनी टीम के सभी खिलाड़ियों के लिए खास डिमांड की है। दरअसल, रोहित ने कहा कि उनकी टीम ने पिछले 9 महीनों में क्रिकेट के उतार चढ़ावों का सामना करते हुए सफलता के लिए सामूहिक संघर्ष किया है और पिछले 3 आईसीसी टूर्नामेंटों में भाग लेने वाली टीम का प्रत्येक सदस्य सम्मान का हकदार है। भारत को पिछले 3 आईसीसी लिमिटेड ओवरों के टूर्नामेंट में 24 मैचों में से एक में ही हार झेलनी पड़ी है वो भी 2023 वर्ल्ड कप के दौरान। ये हार भारत को टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में मिली थी।वहीं भारत ने पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप और इस साल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती। इसके बीच भारत को न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के हाथों टेस्ट सीरीज में हार झेलनी पड़ी।

रोहित ने बतौर कप्तान अपने कार्यकाल के बारे में कहा कि, इस टीम ने तीन बड़े टूर्नामेंट में जो हासिल किया है। इस तह के टूर्नामेंट खेलना और बस एक मैच हारना और वह भी फाइनल (2023 वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल)। सोचो अगर हम वह भी जीत जाते तो तीन आईसीसी टूर्नामेंटों में अपराजेय रहते। ऐसा कभी सुना ही नहीं है। 24 में से 23 मैच जीतना। बाहर से ये बहुत अच्छी लगता है लेकिन इस टीम ने काफी उतार चढ़ाव देखे हैं।रोहित ने मुंबई इंडियंस के एक्स पेज पर टीम द्वारा डाले गए वीडियो में कहा कि, हमने कठिन समय भी देखा है लेकिन फिर आपको जश्न मनाने का मौका भी मिला। मेरा मानना है कि पिछले तीन टूर्नामेंट खेलने वाला हर खिलाड़ी सम्मान का हकदार है।रोहित के इसी इंटरव्यू के दौरान बीसीसीआई के आला अधिकारी भविष्य की रुपरेखा तय करने के लिए बैठक करने वाले थे लेकिन वह बैठक स्थगित कर दी गई।

पिछले सत्रों से दस गुना बेहतर है आरसीबी टीम का संतुलन : एबी डिविलियर्स

नई दिल्ली, 29 मार्च। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू की शानदार शुरूआत को देखते हुए दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स का मानना है कि इस बार टीम पिछले सत्रों की तुलना में दस गुना बेहतर लग रही है औरउम्दा शुरूआत से आगे उसका काम आसान हो जायेगा। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ने शुक्रवार को चेन्नई सुपर किंग्स को चेपॉक पर सत्रह साल बाद हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। आरसीबी के लिये खेल चुके डिविलियर्स ने अपने पॉडकास्ट 'एबी डिविलियर्स 360' में कहा ,"इस बार आरसीबी टीम का संतुलन पिछले सत्रों से दस गुना बेहतर है।"

उन्होंने कहा ," पिछले साल आईपीएल नीलामी के समय मैने कहा था कि आरसीबी को संतुलन की जरूरत है। यह गेंदबाजों, बल्लेबाजों या क्षेत्ररक्षकों को लेकर नहीं

था।यह आईपीएल टीमों और विकल्पों में अच्छे संतुलन को लेकर था।" डिविलियर्स ने कहा ," मैने भुवनेश्वर कुमार को देखा तो मुझे लगा कि वह नहीं खेल रहा है और फिर दूसरे मैच में वह टीम में था। आपको यही तो चाहिये। पहले मैच में (केकेआर के खिलाफ) वह टीम में नहीं था और दूसरे मैच में वह किसी और की जगह टीम में था। यही वह संतुलन और गहराई है जो टीम को चाहिये होती है।"

हम देखेंगे कि आखिर में आईपीएल कौन जीतता है : फ्लेमिंग

चेन्नई, 29 मार्च। आईपीएल इतिहास की सबसे सफल टीम चेन्नई सुपर किंग्स की आईपीएल के 18वें सीजन में जीत के साथ शुरुआत हुई। लेकिन टीम इस विजेयी रथ को जारी नहीं रख पाई और उसे दूसरे मैच में आरसीबी

के खिलाफ 50 रनों से हार झेलनी पड़ी। साल 2008 के बाद अब जाकर आरसीबी ने सीएसके को उनके घरेलू मैदान पर हराया। इस सीजन में एक तरफ जहां अन्य टीमें शुरू से ही धमाकेदार शुरुआत करती हैं तो वहीं सीएसके पुराने धर्रे पर ही चल रहा है और ये टीम बाद में गति पकड़ने पर विश्वास कर रही है।चेन्नई की रणनीति मुंबई इंडियंस के खिलाफ 156 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कारगर साबित हुई, लेकिन आरसीबी ने 196 रन बनाए और फिर ये टीम रन रेट को बनाए रखने में विफल रही। चेन्नई ने आरसीबी के खिलाफ शुरुआत विकेट जल्दी गंवा दिए और इसके कारण से बैकफुट पर आ गए।

गिल ने रचा इतिहास, आईपीएल में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले पहले भारतीय बने

अहमदाबाद, 29 मार्च। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल 2025 का मुकाबला खेला जा रहा है। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात की टीम की शुरुआत अच्छी रही। कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन की सलामी जोड़ी ने पहले 6 ओवर में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 66 रन बनाए। इस दौरान दोनों ही बल्लेबाजों ने 32-32 रनों का योगदान दिया। गिल ने अपनी इस छोटी सी पारी के दम पर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 1000 रन का आंकड़ा पार किया। उन्होंने ये उपलब्धि महज 19वीं पारी में हासिल की।गिल इसी के साथ

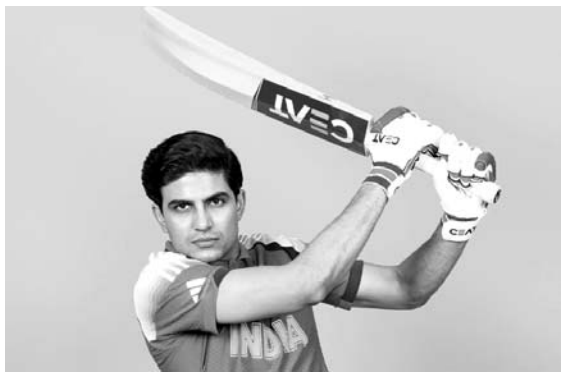

आईपीएल के इतिहास में किसी भी स्टेडियम में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में सूर्यकुमार यादव का रिकॉर्ड तोड़ा है। जिन्होंने वानखेड़े स्टेडियम में ये कमाल करने में 31 पारियां ली थी। गिल ने ये कारनामा महज 20 पारियों में ही कर दिया।वहीं आईपीएल के एक वेन्यू पर सबसे तेज 1000 रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है। यूनिवर्स बॉस ने ये कारनामा बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में महज 19 पारियों में किया था।

नोवाक जोकोविच मियामी ओपन के फाइनल में, 100वें खिताब के करीब

फ्लोरिडा, 29 मार्च। नोवाक जोकोविच ने ग्रिगोर दिमित्रोव को हराकर 2016 के बाद पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया है और इसके साथ ही वह अपने 100वें एटीपी खिताब से मात्र एक कदम दूर रह गये हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी

37 वर्षीय जोकोविच ने पहला सेट जीतने के लिए लगातार पांच गेम जीते। दिमित्रोव ने दूसरे सेट में खराब शुरुआत की और 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने इसका फायदा उठाते हुए 6-2, 6-3 से जीत दर्ज की। जोकोविच ने कहा, पेरिस ओलंपिक में अपना 99वां खिताब जीतने के बाद मैं स्पेशल 100 खिताब जीतने की संभावना के साथ खेल रहा हूं। मैं टेनिस के उस बेहद जरूरी स्तर को खोजने की कोशिश कर रहा हूं जो मुझे एक बड़ी ट्रॉफी के लिए लड़ने की स्थिति में लाएगा। मैं टूर्नामेंट के लिए जिस तरह से तैयार हुआ हूं और जिस तरह से खेल रहा हूं, उससे मैं बहुत खुश हूं। मैंने एक भी सेट नहीं गंवाया है। उन्होंने कहा, यह एक शानदार अवसर है। देखते हैं कि दो दिनों में क्या होता है। 14वीं वरीयता प्राप्त 33 वर्षीय दिमित्रोव के लिए हवा की स्थिति खेल की शुरुआत अच्छी रही, जिन्होंने जोकोविच की सर्विस पर पहला गेम जीता, लेकिन इसका फायदा नहीं उठा पाए। इस बीच दिमित्रोव को परेशान करने के लिए कुछ कहने पर एक प्रशंसक को बाहर निकाल दिया गया, जिसके बाद बुल्गारियाई खिलाड़ी ने दूसरे सेट की धीमी शुरुआत की।

यूपी राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबॉल चैम्पियनशिप के फाइनल में

लखनऊ, 29 मार्च। मेजबान उत्तर प्रदेश ने 47वीं राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबॉल चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में महाराष्ट्र के खिलाफ बेहतर रणनीति के सहारे 13-7 की जीत से फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में उत्तर प्रदेश की टक्कर हिमाचल प्रदेश से होगी जिसने एक अन्य सेमीफाइनल में राजस्थान को 20-16 से हराया। दूसरी ओर राजस्थान और महाराष्ट्र ने संयुक्त तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक साझा किया।

उत्तर प्रदेश ने आज सेमीफाइनल में महाराष्ट्र के खिलाफ तालमेल भरा खेल दिखाया।उत्तर प्रदेश से सुमन ने चार गोल किए। उनका साथ देते हुए अनन्या ने 3, रेशमा व नैना ने 2-2 जबकि निहारिका व दिया ने एक-एक गोल किए। महाराष्ट्र से प्राजक्ता ने सर्वाधिक चार गोल दागे। इससे पूर्व पहले सेमीफाइनल में हिमाचल प्रदेश ने रोमांचक मुकाबले में महत्वपूर्ण मौको को भुनाते हुए राजस्थान को 20-16 से शिकस्त दी। हिमाचल प्रदेश से प्लेयर ऑफ द मैच जस्सी ने नौ गोल दागे।

राजस्थान के यथार्थ भारद्वाज बीसीसीआई अंडर-16 एनसीए प्रशिक्षण शिविर के लिए चयनित

जयपुर, 29 मार्च। बीसीसीआई की राष्ट्रिय अंडर 16 क्रिकेट प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले राजस्थान के यथार्थ भारद्वाज का चयन बीसीसीआई की जूनियर चयन कमेटी ने आगामी 18 अप्रैल से 12 मई 2025 के दौरान बेंगलोर एनसीए के विशेष प्रशिक्षण शिविर (सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस) के लिए किया है।

बीसीसीआई द्वारा आगामी घरेलु क्रिकेट सत्र की राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों की प्रतिभा को ओर अधिक सुदृढ़ करने हेतु एनसीए के अंतर्गत देश के विभिन्न केंद्रों पर एनसीए सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस केन्दों के स्थापन की गयी है जिसमे चयनित खिलाडियों को बीसीसीआई द्वारा अनुभवी कोचों की निगरानी में रच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया जाता है। राजस्थान के युवा खिलाडी यथार्थ भारद्वाज ने बीसीसीआई की राष्ट्रिय अंडर 16 क्रिकेट प्रतियोगिता में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए खेले गए 6 मैचों में 68 के औसत से कुल 613 रन बनाये जिसमे एक दोहरा शतक सहित 3 शतकीय पारियां व एक अर्धशतक लगाया।

राजस्थान के अंशु जैन बीसीसीआई इलीट अंडर-16 एनसीए प्रशिक्षण शिविर में देंगे प्रशिक्षण

जयपुर, 29 मार्च। बीसीसीआई द्वारा आगामी घरेलु क्रिकेट सत्र की राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों की प्रतिभा को ओर अधिक सुदृढ़ करने हेतु एनसीए के अंतर्गत देश के विभिन्न केंद्रों पर एनसीए सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस केन्दों के स्थापन की गयी है जिसमे चयनित खिलाडियों को बीसीसीआई द्वारा अनुभवी कोचों की निगरानी में रच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया जाता है। राजस्थान के अंडर 23 टीम के हेड कोच अंशु जैन को एनसीए द्वारा आगामी 18 अप्रैल से 14 मई 2025 के दौरान पुणे स्थित एनसीए के विशेष प्रशिक्षण शिविर (सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस) में बीसीसीआई द्वारा आयोजित होने वाले अंडर 16 इलीट प्रशिक्षण शिविर का हेड कोच सहित बैटिंग कोच की जिम्मेदारी भी दी गयी है। अंशु जैन पूर्व में राजस्थान सीनियर टीम व अंडर 19 टीम के कोच की जिम्मेदारी भी निभा चुके हैं।

जयपुर में अनूठी कार रैली और ट्रैजर हंड 'द ग्रैंड हेरिटेज चेज' का आयोजन आज

जयपुर, 29 मार्च। राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य पर 30 मार्च 2025 (रविवार) को राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के सहयोग से "द ग्रैंड हेरिटेज चेज़" एक अनूठी कार रैली और ट्रैजर हंट का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का आगाज सुबह 9 बजे से जयपुर में अमर जवान ज्योति पर होगा। जहां मुख्य अतिथि, राजस्थान की उप मुख्यमंत्री श्रीमती दीया कुमारी द्वारा झंडी दिखाकर रैली का उद्घाटन किया जाएगा। इस अवसर पर पर्यटन, कला और संस्कृति सचिव तथा आयुक्त, आईएएस, श्री रवि जैन विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। समापन समारोह होटल फेयरमोंट जयपुर में होगा, जहां विजेताओं को पुरस्कार दिए जाएंगे। यह जानकारी आईसीसी राजस्थान की चेयरपर्सन, श्रीमती जयश्री पेरीवाल ने दी। उन्होंने आगे बताया कि राजस्थान की समृद्ध धरोहर का जश्न मनाने के लिए इस कार्यक्रम को विशेष रुप से तैयार किया है। इस आयोजन में 30 थीम्ड कारें जयपुर के सांस्कृतिक स्थलों से गुजरते हुए रिडल्स हल करेंगी और राजस्थान के इतिहास से प्रेरित चुनौतियां पूरी करेंगी। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण होंगे- एक थीम्ड कार रैली, जिसमें प्रतिभागी अपनी गाड़ियों को राजस्थान के पारंपरिक चित्रकला, किलों और कला रूपों के हिसाब से सजाएंगे। इसके अतिरिक्त, जयपुर के सांस्कृतिक स्थलों जैसे हवा महल, आमेर फोर्ट और जंतर मंतर के आसपास गाइडेड चेकप्वाइंट्स होंगे, जहां टीमों को राजस्थान के इतिहास, लोककथाओं और प्रसिद्ध स्थलों से जुड़ी पहेलियां हल करनी होंगी।

राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव : रन फॉर फिट राजस्थान

युवाओं की प्रतिभा को निखारने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

जयपुर, 29 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि फिटनेस केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि हमारे जीवन की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने फिट राजस्थान अभियान शुरू करने का संकल्प लिया था, 'रन फॉर फिट राजस्थान' इसी संकल्प का प्रतीक है। शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि देश में युवा, महिला, किसान और मजदूर सशक्त होंगे तो देश-प्रदेश भी सशक्त होंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा राजस्थान दिवस महोत्सव के तहत महिला, किसान, अन्त्योदय, युवा एवं सुशासन को समर्पित कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

शर्मा ने राजस्थान दिवस समारोह के तहत आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में शनिवार को रन फॉर फिट राजस्थान दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा स्वयं भी दौड़ में शामिल होकर प्रदेशवासियों को स्वस्थ रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर खिलाड़ी को पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाने तथा उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए हमने वर्ष 2024-25 में 1614 खिलाड़ियों को 34 करोड़ रुपये की सहायता स्वीकृत की है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय पदक विजेताओं को नकद पुरस्कार के साथ भूखंड आवंटन, सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता और रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। स्पोर्ट्स लाइफ इंश्योरेंस स्कीम से खिलाड़ियों को सुरक्षा कवच भी दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मिशन ओलंपिक-2028 के तहत 50 प्रतिभाशाली

खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण दिया जाएगा और जयपुर में 20 करोड़ की लागत से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्पोर्ट्स की स्थापना की जाएगी।शर्मा ने कहा कि सात चरणों में हुए राजस्थान के एकीकरण की यात्रा में चौथे चरण में वृहद् राजस्थान की स्थापना एक महत्वपूर्ण पड़ाव था, जिसकी यादों को चिरस्थायी बनाए रखने के लिए हर साल राजस्थान दिवस मनाया जाता है।

उन्होंने कहा कि वृहद् राजस्थान की स्थापना संवत 2006 की चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को रेवती नक्षत्र इंद्रयोग में हुई थी, जिसे राजस्थान के एकीकरण में अहम भूमिका निभाने वाले लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी ने विशेष महत्व दिया था। उनकी और समस्त प्रदेशवासियों की भावना को सम्मान देते हुए राज्य

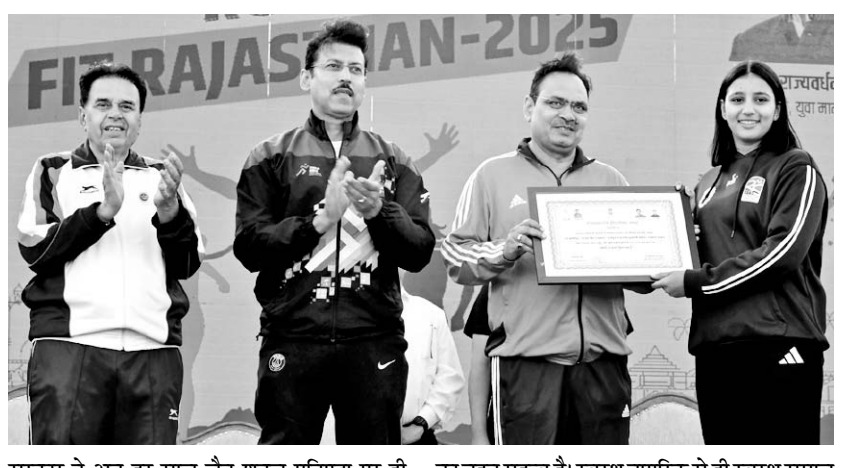

सरकार ने अब हर साल चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर ही राजस्थान दिवस मनाने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान का खेलकूद के क्षेत्र में गौरवपूर्ण इतिहास रहा है। कई खेलों में हमारे खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रदेश की पताका लहराई है। पेरिस ओलंपिक में अनंतजीत सिंह व महेश्वरी चौहान ने निशानेबाजी में हिस्सा लिया। पेरिस पैरालंपिक में अवनी लेखरा ने स्वर्ण, सुंदर सिंह गुर्जर और मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक जीतकर प्रदेश को गर्व का अवसर दिया। उन्होंने कहा कि 38वें राष्ट्रीय खेलों में हमारे खिलाड़ियों ने 43 पदक हासिल किए। ये उपलब्धियां हमारे युवाओं की प्रतिभा का प्रमाण है।

इस अवसर पर युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि जीवन में फिटनेस का बहुत महत्व है। स्वस्थ नागरिक से ही स्वस्थ समाज का निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अपनी योजनाओं और निर्णयों के माध्यम से प्रदेश में खेल और खिलाड़ियों को निरन्तर प्रोत्साहित कर रही है।इस दौरान मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड में संपन्न राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया तथा 9 खिलाड़ियों को जमीन आवंटन के पट्टे वितरित किए।

कार्यक्रम में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, प्रमुख शासन सचिव राजस्व दिनेश कुमार, शासन सचिव खेल एवं युवा मामले नीरज के. पवन, 61 सब एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल रोहित मेहरोत्रा सहित विभिन्न खिलाड़ी, स्कूली छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

ओलंपियन अंकिता ने जीता 3000 मीटर स्टीपलचेज का खिताब

कैलिफोर्निया, 29 मार्च। ओलंपियन अंकिता ध्यानी ने शनिवार को अमेरिका के कैलिफोर्निया में आयोजित मैंग्रम आमंत्रण 2025 एथलेटिक्स मीट में महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज का खिताब जीता। इस इवेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए, अंकिता ने 9:44.05 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकाला, जो आगामी एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 के लिए भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के 9:48.48 के क्वालीफाइंग मार्क को आसानी से पार कर गया। पेरिस 2024 ओलंपिक में महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में भाग लेने वाली अंकिता ने 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में भाग लिया है। 26 वर्षीय धावक ने राष्ट्रीय खेलों 2025 में दर्ज अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ 9:53.63 सेकंड से लगभग नौ सेकंड कम समय लिया। हालांकि, कोरिया गणराज्य के गुमी में इस साल होने वाली एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारतीय टीम के लिए उनका चयन एएफआई के विवेक पर निर्भर है। मैंग्रम आमंत्रण में सोफी मैकमैनस ने 10:50.93 सेकंड के समय के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि हन्ना चाउ 10:58.98 सेकंड में तीसरे स्थान पर रहीं।

राज्य सरकार प्रदेश के विकास में युवा शक्ति का योगदान सुनिश्चित कर रही है- मु.मंत्री

मुख्यमंत्री ने युवाओं को रोजगार का उपहार दिया, 7,800 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र मिले

कोटा/जयपुर, 29 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार में युवा शक्ति का योगदान सुनिश्चित कर रही है और इसी क्रम में हम युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने और उनकी प्रगति के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कोटा में राजस्थान दिवस कार्यक्रम के तहत कोटा में आयोजित रोजगार उत्सव व युवा सम्मेलन को संबोधित किया।

कोटा के दशहरा मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने युवा वर्ग को कई सौगातें देते हुए विभिन्न विभागों प्रदेशभर से चयनित 7 हजार 800 से अधिक कार्मिकों को नियुक्ति पत्र दिए।

इसके साथ ही शर्मा ने 'मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान' का भी शुभारंभ किया। इस दौरान अभियान से संबंधित वीडियो फिल्म का प्रदर्शन एवं विवरणिका का विमोचन किया गया। शर्मा ने शिक्षा विभाग के दो ऐप एवं आरएसओएस अन्तर्गत ऑन डिमाण्ड परीक्षा तथा डिजिटल प्रवेश उत्सव का शुभारंभ किया तथा रोजगार प्रदर्शनी भी देखी।

- **कोटा में आयोजित मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव व युवा सम्मेलन को संबोधित करते हुए लोकसभा के स्पीकर ओम बिड़ला ने कहा, राजस्थान दिवस केवल उत्सव नहीं, नवीन राजस्थान के निर्माण का संकल्प है।**

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने कहा कि राजस्थान दिवस केवल इतिहास और परंपराओं का उत्सव नहीं है, बल्कि विकसित राजस्थान के संकल्प को दोहराने का अवसर है।

कार्यक्रम में सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, विधायक संदीप शर्मा, कल्पना देवी, ललित मीणा, कुलदीप धनखड़ व प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

मु. मंत्री भजनलाल ने कोटा में आयोजित रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन में 7 हजार 800 से अधिक कार्मिकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये।

अमेरिका की भारतीय निर्यात ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दालें शामिल हैं। सबसे उल्लेखनीय कटौती बोरबॉन व्हिस्की पर की गई थी, जिसमें शुल्क 150 प्रतिशत से घटकर 100 प्रतिशत हो गया। कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क 30 प्रतिशत से 100 प्रतिशत के बीच है, जबकि दालों पर लगभग 10 प्रतिशत शुल्क लगता है। हालांकि, डेयरी उत्पाद, चावल, गेहूं और मक्का के मामले में गतिरोध बना हुआ है, क्योंकि भारत इन संवेदनशील क्षेत्रों पर सुरक्षात्मक बाधाओं को बनाए रखना चाहता है।

नई दिल्ली में चल रही व्यापार वार्ताओं में अमेरिका का नेतृत्व सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (दक्षिण और मध्य एशिया) ब्रैंडन लिंच कर रहे हैं, और उम्मीद है कि ये वार्ताएं आज (शनिवार) को समाप्त होंगी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इन वार्ताओं को "अच्छी प्रगति" बताते हुए कहा कि अनुकूल समझौता सुरक्षित करना हमारी प्राथमिकता है। लक्ष्य है कि 2025 के शरद ऋतु तक समझौते के पहले चरण को अंतिम रुप दिया जाए, जिसमें दोनों देशों का उद्देश्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 बिलियन तक दोगुना करना है, जो वर्तमान 190 बिलियन से अधिक है। जहां, भारत अमेरिकी प्राथमिकताओं को पूरा करने का प्रयास कर रहा है, विशेष रुप से कृषि में, वहीं, यह अपने स्वयं के निर्यातों के लिए भी बाजार में पहुंच बढ़ाने का प्रयास कर रहा है, जिसमें अनार और अंगूर जैसे फल शामिल हैं। 2024 में, अमेरिका के कृषि उत्पादों का भारत को निर्यात लगभग 2 बिलियन डॉलर था, जबकि भारत का अमेरिका को निर्यात लगभग 5.5 बिलियन डॉलर था।

हालांकि अमेरिकी प्रशासन ने भारत पर अमेरिकी वस्तुओं पर उच्च टैरिफ लगाने के लिए आलोचना की है, चल रही वार्ताओं से पता चलता है कि एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाया जा रहा है, जो आपसी हितों की रक्षा करता है। जैसे-जैसे दोनों पक्ष मतभेदों को सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं, इन वार्ताओं का परिणाम भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों की दिशा को आने वाले वर्षों तक आकार दे सकता है।

ग्रीनलैण्ड व कैनडा ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर सकते हैं। ग्रीनलैण्डवासियों और डेनमार्क सरकार द्वारा ठंडी प्रतिक्रिया मिलने के बाद, उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस ने द्वीप पर वर्तमान प्रशासन के बारे में कुछ टिप्पणियाँ कीं, जिन्हें आपत्तिजनक कहा गया। वैंस ने कहा कि डैनमार्क को ग्रीनलैण्ड के प्रति अपना व्यवहार बदलना होगा।

विदेश मंत्री लार्स राममुसेन ने कहा कि यदि अमेरिका द्वीप पर अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ाना चाहता है, तो वह ऐसा कर सकता है और फिर बातचीत की मेज पर आ सकता है। सन् 1951 की एक संधि के तहत, अमेरिका को उचित विचार-विमर्श के बाद द्वीप पर कुछ सैन्य उपस्थिति बनाए रखने की अनुमति है।

जो भी परिणाम हों, नए अमेरिकी प्रशासन को धीरे-धीरे यह बात समझ में आने लगी है कि अन्य देशों के बारे में की गई उसकी लापरवाह टिप्पणियाँ और अन्य देशों की संप्रभुता के संबंध में लिए गए उसे एकतरफा निर्णयों को मात्र सतही टिप्पणियों से सुलझाया नहीं जा सकता। कैनडा और ग्रीनलैण्ड दोनों ने ट्रम्प प्रशासन को कड़ा झटका दिया है और उसने अनिच्छा से यह स्वीकार किया है कि दुनिया भर में अमेरिकियों को उतना पसंद नहीं किया जाता, जितना वे सोचते थे।

राजस्थान सरकार

अपील

मेरे प्रदेशवासियों,

हमारी सरकार ने इस वर्ष से 30 मार्च के स्थान पर चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर राजस्थान दिवस मनाने का निर्णय लिया है। जिस वृहद् राजस्थान के उपलक्ष्य में हम राजस्थान दिवस मनाते हैं, वह भारतीय नववर्ष की तिथि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को रेवती नक्षत्र इंद्रयोग की शुभ घड़ी में अस्तित्व में आया था। सौभाग्य से इस बार भी वही शुभ संयोग बन रहा है।

इस अवसर पर मैं समस्त प्रदेशवासियों को राजस्थान दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। आपसे अपील करता हूं कि आप अपने घरों, प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थलों पर दीपक, मोमबत्तियां या रोशनी के अन्य स्रोतों के माध्यम से राजस्थान की सामूहिक चेतना, सांस्कृतिक गौरव और एकता का प्रकाश फैलाएं। यह रोशनी हमारी गौरवमयी परंपराओं और विरासत के सम्मान के साथ ही हमारी जीवटता, एकता और उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ते कदमों का प्रतीक बनेगी।

इस पुनीत अवसर पर मैं प्रदेशवासियों के साथ ही विशेष रूप से मातृशक्ति से भी अनुरोध करता हूं कि वे समाज को रोशन करने की इस पहल में अपने परिवार और समुदाय के साथ इस दीपोत्सव में सहभागी बनकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

आप जगमग रोशनी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करें और हैशटैग #Rajasthan Diwas 2025 के साथ इस पर्व को जन-जन तक पहुंचाएं।

जय राजस्थान

धन्यवाद।

भजनलाल शर्मा
मुख्यमंत्री, राजस्थान

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान सरकार

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908